● वर्ष-4
● अंक-63
रायपुर, मंगलवार
22 अक्टूबर 2024
● पृष्ठ-8
● मूल्य-3 रु.

।। संगछध्वम् संवदध्वम् ।।

# समाचार पचीसा

राजनीति का जनपक्षकार

samacharpacheesa@gmail.com

पेज-6» मां लक्ष्मी की कृपा पाने के लिए रोजाना...

# भारत-चीन के बीच पेट्रोलिंग समझौता

## ब्रिक्स समिट में नरेंद्र मोदी और चीन के राष्ट्रपति की मुलाकात होगी

**हरेंद्र चौधरी**

रूस के कजान शहर में 22-23 अक्तूबर को होने वाली ब्रिक्स समिट इस बार एक तरह से एतिहासिक होगी। इस बैठक में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग की मुलाकात होनी है, जिसके बाद दोनों देशों के नेता वास्तविक नियंत्रण रेखा पर पेट्रोलिंग के एक समझौते को लेकर ब्रिक्स शिखर सम्मेलन से इतर द्विपक्षीय वार्ता कर सकते हैं। वहीं, प्रधानमंत्री मोदी की कजान यात्रा से ठीक पहले विदेश सचिव विक्रम मिसरी ने कहा कि भारत और चीन वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) पर सैनिकों की वापसी और पेट्रोलिंग को लेकर एक समझौते पर पहुंच गए हैं। इस समझौते में डेपसांग और डेमचोक भी शामिल है, जहां चीन भारत की क्लेम लाइन के अंदर आकर बैठा है। वहीं इस समझौते को लेकर विदेश मंत्री का कहना है कि हम पेट्रोलिंग को लेकर एक समझौते पर पहुंच गए हैं और 2020 से पहले की स्थिति पर वापस आ गए हैं। इसके साथ ही हम कह सकते हैं कि चीन के साथ डिसइंगेजमेंट पूरा हो गया है।

### स्थिति लेकर स्पष्टता नहीं

सोमवार को एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में विदेश सचिव विक्रम मिसरी ने कहा कि पेट्रोलिंग एग्रीमेंट एलएसी के साथ सटे उन इलाकों में भी हुआ है, जहां पिछले कुछ सालों में डिसइंगेटमेंट प्रोसेस के तहत सैन्य कर्मियों की



पहले ही वापसी हो चुकी है, और इसमें डेमचोक और देपसांग के इलाके भी शामिल हैं। विदेश मंत्रालय के सूत्रों का दावा है कि आज के घटनाक्रम से लगता है कि अप्रैल 2020 से भारत-चीन के चल रहा गतिरोध अब खत्म हो सकता है। हालांकि इस कॉन्फ्रेंस में विदेश मंत्रालय ने समझौते के बारे में और ज्यादा जानकारी नहीं दी। साथ ही इस बारे में कुछ नहीं बताया कि क्या 2020 में गलवां संघर्ष से पहले वाली स्थिति बहाल होगी या नहीं। वहीं, इस बारे में भी कोई सूचना नहीं मिली, कि क्या हाल ही में बनाए गए %बफर जोन% में भी यह समझौता लागू होगा। विदेश सचिव मिसरी के मुताबिक दोनों पक्ष उन मुद्दों पर सहमति पर पहुंच गए हैं, जिन पर पिछले कुछ वक्त से चर्चा की जा रही थी। विदेश सचिव विक्रम मिसरी के मुताबिक दोनों पक्ष अब इस पर अगला कदम उठाएंगे। जिसके बाद ये इस बात का संकेत है कि ब्रिक्स शिखर सम्मेलन के दौरान पीएम मोदी और राष्ट्रपति शी जिनपंग के बीच एक बैठक हो सकती है। हालांकि जून 2020 में हुए गलवां संघर्ष से पहले दोनों नेता 18 बार मुलाकात कर चुके हैं। लेकिन 2020 के बाद से दोनों नेताओं के बीच केवल दो बार 2022 में इंडोनेशिया में जी-20 शिखर सम्मेलन के दौरान और 2023 में दक्षिण अफ्रीका में ब्रिक्स शिखर सम्मेलन के दौरान ही मुलाकात हुई है। हालांकि भारतीय विदेश मंत्रालय और चीनी विदेश मंत्रालय दोनों इस बैठक को लेकर कुछ भी कहने से बच रहे हैं। मोदी-शी की मुलाकात को लेकर विक्रम मिसरी ने केवल इतना कहा कि हमेशा ही अलग-अलग समय पर द्विपक्षीय बैठकों का प्रावधान होता है। द्विपक्षीय बैठकों के लिए कई अनुरोध मिले हैं और हम आपको जल्दी ही द्विपक्षीय बैठकों के बारे में जानकारी देंगे।

### चार सालों में 31 बैठकें

वहीं इस मुलाकात को लेकर विदेश मंत्रालय के एक सूत्र का कहना है कि यहां तक पहुंचना ही बड़ी बात है, और यह इतनी आसानी से नहीं हुआ है। जुलाई में विदेश मंत्री एस जयशंकर और चीन के विदेश मंत्री वांग यी के बीच दो अहम बैठकें हुईं। पिछले चार सालों में 31 दौर की कूटनीतिक बैठकें और 21 दौर की सैन्य वार्ता ने भारत और चीन को वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) पर सैनिकों की वापसी को लेकर एक समझौते पर पहुंचने का रास्ता खोला है। सूत्रों के मुताबिक जुलाई में दोनों देशों के विदेश मंत्रियों की दो बार मुलाकात हुई थी.

### पांच इलाकों में बने बफर जोन

नाम न छापने की शर्त पर सेना के एक वरिष्ठ अधिकारी ने अमर उजाला को बताया कि कई जगहों पर चीन ने वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) पर अपने हिसाब से बदलाव किया है, जिसे %परसेप्शन% की लड़ाई कहता है। वह कहते हैं कि अगर यह इतना ही आसान होता तो, कोर कमांडर स्तर की शुरुआती बातचीत में ही मामला सुलझ जाता। कम से कम 21 दौर तक तो नहीं खिंचता। वह कहते हैं कि अगर समझौते में मई 2020 से पहले की स्थिति में वापस लौटना शामिल नहीं है, तो इस समझौते का कोई मतलब नहीं है। क्योंकि 2020 से लेकर अभी तक एलएसी में काफी बदलाव आ चुके हैं। सूत्रों का कहना है कि जून 2020 से चली लंबी बातचीत में, पांच क्षेत्रों में बफर जोन बनाए गए- गलवां घाटी, पैंगोंग त्सो के उत्तर में, कैलाश रेंज, पेट्रोलिंग पॉइंट्स (पीपी) 17-17ए और 15-16। पैंगोंग त्सो के उत्तर में केवल 8-10 किमी की फिंगर-4 और फिंगर-8 के बीच का बफर जोन दूरी के लिहाज से समान है, जो सड़क के साथ 10 किमी और हवाई रास्ते से 6 किमी की सीधी दूरी और उत्तर में 10-12 किमी है। वहीं, गलवान में 3 किमी के बफर जोन का केंद्र बिंदु पीपी 14 है, जो एलएसी से एक किलोमीटर से भी कम दूरी पर है। वहीं, कुगरांग नदी घाटी में, पीपी 17 और 17ए और पीपी 15 और 16 के बीच प्रत्येक 4-5 किमी के बफर जोन पूरी तरह से एलएसी पर भारत की तरफ बनाए गए हैं।

**आवास और शहरी मामलों के मंत्रालय में नमो भारत दिवसः नमो भारत ट्रेन संचालन के एक वर्ष का उत्सव मनाया**

# रेल नेटवर्क के मामले में भारत जल्द अमेरिका को पीछे छोड़ेगा भारत : तोखन

**नई दिल्ली।** नमो भारत ट्रेनों के संचालन की पहली वर्षगांठ को आज नई दिल्ली में नमो भारत दिवस के रूप में मनाया गया। राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र परिवहन निगम ने भारत के परिवहन इतिहास में इस महत्वपूर्ण



मील के पत्थर को स्मरण करने के लिए एक विशेष शाम का आयोजन किया। कार्यक्रम में आवास और शहरी मामलों के केन्द्रीय राज्यमंत्री तोखन साहू उपस्थित रहे।

इस अवसर पर राज्यमंत्री केन्द्रीय राज्यमंत्री तोखन ने कहा कि यह उपलब्धि गर्व का क्षण है और विकसित भारत की दिशा में एक कदम है। इस अवसर पर केंद्रीय राज्यमंत्री तोखन ने कहा कि हम विश्व में सबसे लंबे मेट्रो नेटवर्क के मामले में तीसरे स्थान पर हैं और अगले कुछ वर्षों में अमेरिका को पार कर सकते हैं। उन्होंने लोगों को बिना किसी परेशानी की सेवाएं प्रदान करने के लिए अनुसंधान और विकास पर काम करने की आवश्यकता पर भी जोर दिया।

नमो भारत ट्रेनों का प्रतिनिधित्व भारत की पहली क्षेत्रीय त्वरित परिवहन प्रणाली करती है, जिसमें साहिबाबाद और दूहाई डिपो के बीच 17 किलोमीटर के प्राथमिक खंड का उद्घाटन माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी द्वारा 20 अक्टूबर 2023 को किया गया। तब से, दो अतिरिक्त खंड चालू हो गए हैं, जिसमें दूहाई और मोदीनगर उत्तर के बीच 17 किलोमीटर का खंड 6 मार्च 2024 को और मेरठ दक्षिण ङ्गङ्गस्टेशन का उद्घाटन 18 अगस्त 2024 को किया गया। वर्तमान में, नमो भारत सेवाएं 42 किलोमीटर के गलियारे में नौ स्टेशनों को कवर करती हैं, जिनमें साहिबाबाद, गाज़ियाबाद, गुलधर, दूहाई, दूहाई डिपो, मुरादनगर, मोदी नगर दक्षिण, मोदी नगर उत्तर, और मेरठ दक्षिण शामिल हैं। यह गलियारा जल्द ही 54 किलोमीटर तक विस्तारित होगा, जिसमें साहिबाबाद से न्यू अशोक नगर खंड जोड़ा जाएगा, जो आनंद विहार और न्यू अशोक नगर जैसे प्रमुख स्टेशनों को जोड़ेगा। आरआरटीएस अन्य परिवहन प्रणालियों से अलग है क्योंकि यह उपनगरीय क्षेत्रों के बीच उच्च गति, प्रभावी कनेक्टिविटी प्रदान करता है.

# पुरी-सागर द्वीप के बीच से गुजरेगा चक्रवाती तूफान; बंगाल-ओडिशा में असर

**नई दिल्ली।** बंगाल की खाड़ी के ऊपर बना कम दबाव वाला क्षेत्र सोमवार को तेज हो गया और 23 अक्तूबर तक इसके चक्रवाती तूफान में बदलने की आशंका है। मौसम विभाग ने बताया कि यह ओडिशा के पुरी और पश्चिम बंगाल के सागर द्वीप से गुजरेगा। इसे लेकर पहले ही मछुआरों को सोमवार की शाम तक अपने तटों पर वापस लौटने के निर्देश दिए गए हैं। आईएमडी के महानिदेशक मृत्युंजय महापात्रा ने बताया कि इस चक्रवाती तूफान का असर सबसे



ज्यादा ओडिशा में होगा। इस तूफान के कारण राज्य में भारी बारिश और 100 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चलने की संभावना है। मौसम विभाग की तरफ से जारी बयान के अनुसार, 24 अक्तूबर की रात को तूफान के पुरी और सागर के बीच ओडिशा और पश्चिम बंगाल के तटों को पार करने की संभावना है। 25 अक्तूबर को 100-110 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चलेंगी।विभाग ने आगे कहा कि हवाएं उत्तर-पश्चिम की ओर बढ़ेंगी और 23 अक्तूबर के आसपास और तीव्र दबाव में तब्दील हो सकती है।

23 से 25 अक्तूबर तक तट के आसपास समुद्र की स्थिति खराब रहेगी। इस दौरान ओडिशा के तटीय क्षेत्र में भारी बारिश होने की संभावना है। मौसम विज्ञान विभाग के महानिदेशक मृत्युंजय महापात्रा ने कहा कि अक्तूबर को चक्रवातों के महीने के रूप में जाना जाता है और कुछ मौसम मॉडल चक्रवात की संभावना का संकेत दे रहे हैं।

जशपुर। नैसर्गिक सुंदरताओं को समेटे जशपुर की खूबसूरती को भला कौन निहारना नहीं चाहेगा। सिन्दूरी सुबह और गुलाबी ठण्ड के दस्तक के बीच नीले आकाश, पक्षियों के चहचहाहट, कलरव के साथ हरे-भरे वातावरण और स्वच्छ पानी में पहाड़ों के प्रतिबिम्ब के बीच मयाली की पहचान एक खूबसूरत पर्यटन स्थल होने लगी है। मयाली जशपुर जिला मुख्यालय से तकरीबन 30 किलोमीटर दूर कुनकुरी विकासखण्ड के अंतर्गत स्थित है।

**प्रमुख समाचार**

## टिकट वितरण पर भाजपा में कोई मतभेद नहीं

**रांची।** असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्व सरमा ने सोमवार को झारखंड भाजपा के टिकट आवंटन को लेकर किसी प्रकार की फूट की अफवाहों को खारिज किया। उन्होंने कहा कि उम्मीदवारों की सूची जारी होने के बाद कुछ नाराजगी स्वाभाविक है। सरमा झारखंड विधानसभा चुनाव के लिए भाजपा के सह-प्रभारी भी हैं। उन्होंने इस बात से भी इनकार किया कि टिकट वितरण में पारिवारिक संबंधों को ध्यान में रखा गया। झारखड की 81 सदस्यीय विधानसभा के लिए 13 और 20 नवंबर को मतदान होगा, जबकि मतगणना 23 नवंबर को की जाएगी। सरमा ने पत्रकारों से कहा, मुझे पार्टी में फूट के बारे में कोई जानकारी नहीं है। उम्मीदवारों की घोषणा के बाद कुछ असंतोष होना स्वाभाविक है। उन्होंने यह टिप्पणी तीन बार के विधायक केदार हाजरा सहित भाजपा के कुछ नेताओं के इस्तीफों को लेकर की। उन्होने कहा कि भाजपा एक बड़ी सियासी पार्टी है और कुछ नाराजगी और इस्तीफे होना स्वाभाविक है। सरमा ने कहा कि वह उन असंतुष्ट नेताओं से मिलेंगे। सरमा ने उन आरोपों को भी खारिज किया, जिनमें कहा जा रहा है कि भाजपा ने अपने पारिवारिक संबंधों के कारण कुछ लोगों को टिकट वितरित किए हैं।

## भूटान के पीएम तोबगे ने की प्रधानमंत्री मोदी से मुलाकात

**नई दिल्ली।** भारत की यात्रा पर आए भूटान के पीएम दोशा शेरिंग तोबगे ने सोमवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने कहा कि मुझे अपने मित्र प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मिलकर मुझे हमेशा खुशी होती है। भारत सरकार और भारत के लोगों की सद्भावना और दृढ़ सहयोग के लिए आभार व्यक्त करता हूं। भारत के साथ हमारी दोस्ती अटूट रहेगी। हम इस दोस्ती को और मजबूत बनाएंगे। वहीं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भूटान को भारत का बहुत खास मित्र बताया। उन्होंने कहा कि आने वाले समय में दोनों देशों के बीच सहयोग और भी बेहतर होगा। एक्स पर पोस्ट में पीएम मोदी ने कहा कि प्रधानमंत्री शेरिंग तोबगे से दिल्ली में मिलकर प्रसन्नता हुई। भूटान भारत का बहुत खास मित्र है और आने वाले समय में हमारा सहयोग और भी बेहतर होता रहेगा। वहीं भूटान के पीएम शेरिंग तोबगे ने केंद्रीय मंत्री हरदीप सिंह पुरी के साथ दिल्ली में हाइड्रोजन बस में यात्रा की। केंद्रीय मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने कहा कि खुशी है कि भूटान के पीएम बस की शोभा बढ़ा रहे हैं।



## मोदी ने की बिजली उत्पादन में हुई प्रगति की तारीफ

**नई दिल्ली।** प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार को बिजली उत्पादन में भारत की प्रगति की तारीफ की। उन्होंने कहा कि स्वच्छ ऊर्जा समय की मांग है। बेहतर कल के लिए हमारी प्रतिबद्धता सर्वोपरि है और यह हमारे काम में झलकती है। पीएम मोदी ने एक्स पर केंद्रीय मंत्री हरदीप सिंह पुरी की पोस्ट साझा करते हुए 2014 से 2024 तक भारत में बिजली उत्पादन में हुई प्रगति को लेकर अपने विचार साझा किए। वहीं केंद्रीय मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने कहा कि भारत प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में प्रगति कर रहा है। स्वच्छ ऊर्जा को बढ़ावा दे रहा है और जीवन में बदलाव ला रहा है। केंद्रीय मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने कहा कि 2014 से 2024 तक भारत ने हरित ऊर्जा का उपयोग करके 106072 रुपये विदेशी मुद्रा की बचत की। इसके अलावा 544 मीट्रिक टन कार्बन उत्सर्जन में कमी की। 181लाख एमटी कच्चे तेल के विकल्प बने। वहीं किसानों को ऊर्जादाता बनाने के लिए एथेनॉल मिश्रण के लिए 90059 करोड़ रुपये का भुगतान किया गया। इसके साथ ही पीएम उज्वला योजना के जरिये 10.33 करोड़ से अधिक परिवारों को मुफ्त एलपीजी कनेक्शन दिए गए।

## भारतीय जनता पार्टी ने जारी की महाराष्ट्र चुनाव की पहली लिस्ट

**नी दिल्ली।** भारतीय जनता पार्टी ने महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव 2024 के लिए अपने उम्मीदवारों की पहली सूची जारी कर दी है। पार्टी की इस सूची में कुल 99 उम्मीदवारों के नाम शामिल हैं, जिनमें 71 वर्तमान विधायक भी हैं। पार्टी ने प्रमुख चेहरों जैसे उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस को नागपुर दक्षिण-पश्चिम और प्रदेश अध्यक्ष चंद्रशेखर बावनकुले को कामठी से टिकट दिया है। बीजेपी ने इस बार कुछ नए चेहरों को भी मौका दिया है। इस सूची में राज्य के उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस का नाम प्रमुख है, जो नागपुर साउथ वेस्ट से चुनाव लड़ेंगे। तो वहीं जबकि बीजेपी के प्रदेश अध्यक्ष चंद्रशेखर बावनकुले को कामठी से मैदान में उतारा गया है। चंद्रशेखर कृष्णराव बावनकुले भारतीय जनता पार्टी महाराष्ट्र के अध्यक्ष हैं और 2 जनवरी 2022 को नागपुर स्थानीय प्राधिकरणों का प्रतिनिधित्व करने वाले महाराष्ट्र विधान परिषद के सदस्य हैं। वे 13वीं महाराष्ट्र विधानसभा के सदस्य थे। इसके साथ ही वे ऊर्जा, नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा महाराष्ट्र के मंत्री, राज्य उत्पाद शुल्क मंत्रालय और 26 दिसंबर 2014 को नागपुर संरक्षक मंत्री भी नियुक्त किए गए थे।




## एलएसी पर चीन के साथ समझौते की विदेश मंत्री ने की सराहना

**नई दिल्ली।** वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) पर गश्त को लेकर चीन के साथ हुए समझौते की विदेश मंत्री एस जयशंकर ने सराहना की है। उन्होंने कहा कि यह बेहद और अच्छा सकारात्मक कदम है। भारत और चीन ने गश्त को लेकर जो समझौता किया है, उससे मई 2020 से पहले वाली स्थिति कायम होगी। एनडीटीवी के एक कार्यक्रम में विदेश मंत्री एस जयशंकर ने कहा कि विदेश सचिव ने जो कहा है वह ठीक है। चीन के साथ पिछले चार साल से चल रही बातचीत की प्रक्रिया पूरी हो गई है। एलएसी पर 2020 में विभिन्न कारणों से पहले उन्होंने हमें रोका था। इसके बाद हमने उनको रोक दिया। अब हम ऐसे समझौते पर पहुंच गए हैं, जिससे दोबारा गश्त शुरू हो सकेगी। विदेश मंत्री ने कहा कि यह एक सकारात्मक बदलाव है। हमने इसे पूरे धैर्य और कूटनीतिक तरीके से पूरा किया। हम सितंबर 2020 से इस मुद्दे को सुलझाने के लिए बातचीत कर रहे हैं। अब जो शांति और सौहार्द 2020 से पहले सीमा पर कायम था, वह दोबारा हो सकेगा। दरअसल 2020 में एलएसी पर पूर्वी लद्दाख में चीन की गतिविधियों के बाद द्विपक्षीय संबंध तनावपूर्ण हो गए थे।

**कांग्रेस ने बिरसा मुंडा से द्रौपदी मुर्मू तक को किया नजरअंदाज**

# राहुल ने भाजपा को आदिवासी विरोधी बताकर कर दी गलती

कांग्रेस नेता राहुल गांधी झारखंड विधानसभा चुनावों से पहले भारतीय जनता पार्टी को आदिवासी विरोधी बताकर खुद ही घिर गए हैं। राहुल ने रांची संविधान सम्मान सम्मेलन में 19 अक्टूबर को कहा, %%भाजपा वाले लोग आदिवासियों को वनवासी कहते हैं। इतना ही नहीं उन्होंने ये तक कह दिया कि भारत की शिक्षा व्यवस्था में आदिवासियों के बारे में सिर्फ 10 से 15 लाइनें ही लिखी हैं। ऐसा लग रहा है कि राहुल गांधी ने इन बयानों को देकर बड़ी गलती कर दी है। भाजपा अब राहुल गांधी के इन बयानों पर हमलावर है। बीजेपी ने कहा है कि %राहुल गांधी जिस शिक्षा व्यवस्था की बात कर रहे हैं, वो तो कांग्रेस के शासन काल में ही बनाई गई थी। वो कांग्रेस ही जिसने भगवान बिरसा मुंडा से लेकर देश की राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू तक को नजरअंदाज किया है।%

लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने कहीं-न-कहीं भाजपा को कांग्रेस के इतिहास पर फिर से बोलने का मौका दे दिया है। राहुल गांधी कुछ ऐसा ही बयान देकर पहले भी फंसे थे, जिसमें उन्होंने कहा था कि मैं इस सिस्टम को अंदर से जानता हूं और ये सिस्टम हमेशा से दलित विरोधी रहा है। राहुल गांधी ने झारखंड चुनाव से पहले अपने ही पैर पर कुल्हाड़ी मारते हुए कहा कि, मैंने हिंदुस्तान की शिक्षा व्यवस्था में पढ़ा हूं। आदिवासियों के बारे में केवल 10-15 लाइनें ही मिलेंगी। इनका इतिहास क्या है, जीने का तरीका क्या है। उस बारे में कुछ नहीं लिखा... आपके बारे में OBC शब्द प्रयोग किया गया। क्या ये आपका नाम है? किसने कहा आप पिछड़े हो? आपका जो हक है वो आपको नहीं दिया जाता। जिन लोगों ने इस देश को बनाया है किसान, मजदूर, बढ़ई, नाई, मोची का इतिहास कहां है?

इस मामले में अब ऐसे में ये सवाल उठता है कि जब राहुल गांधी अपनी पढ़ाई भारत में कर रहे थे तो उस वक्त देश में कांग्रेस की सरकार थी। भारत की आजादी के बाद इस देश में पहली बार कांग्रेस की सरकार बनी और उन्ही के द्वारा शिक्षा व्यवस्था बनाई गई। उस वक्त एजुकेशन के सिस्टम को बनाया भी कांग्रेस ने और चलाया भी कांग्रेस ने...और अब उसी सिस्टम पर सवाल भी कांग्रेस नेता राहुल गांधी ही उठा रहे हैं। वरिष्ठ भाजपा नेता बाबूलाल मरांडी ने इस पर पलटवार करते हुए कहा है, %%राहुल गांधी जी ने सही कहा कि आदिवासी समाज का इतिहास और उनकी संस्कृति को कांग्रेस पार्टी और गांधी परिवार ने दशकों तक नजरअंदाज किया।

मरांडी के मुताबिक, आदिवासियों के संघर्ष, उनकी राजनीति और उनकी सामाजिक स्थिति को कभी प्रमुखता से स्थान नहीं दिया गया। राहुल गांधी ने अपने स्कूल में देखा कि देश में कांग्रेस पार्टी की सरकार है और किताबों में आदिवासियों पर एक पूरा अध्याय भी नहीं था। बस कुछ आधे-अधूरे उल्लेख जो उनके संघर्षों और इतिहास को सही ढंग से सामने नहीं रख सके। यह कांग्रेस के शासन में हुआ अन्याय था, जहां आदिवासी समाज की महान गाथाओं को हाशिए पर रखा गया है। लेकिन अब वक्त बदल चुका है। मैं राहुल गांधी से आग्रह करता हूं कि वे आज के दौर की किताबें देखें, जब देश एक ऐसे नेता के नेतृत्व में है जो हर समुदाय और समाज को समान रूप से सम्मान देता है।

### किसने मारा आदिवासियों का हक?

राहुल गांधी को भाजपा ने याद दिलाया कांग्रेस पार्टी का इतिहास आदिवासियों के हक की दुहाई देने वाले राहुल गांधी को भाजपा ने कांग्रेस का इतिहास याद दिलाया है। बाबूलाल मरांडी ने कहा कि कांग्रेस शासन के दौरान भगवान बिरसा मुंडा जैसे महान आदिवासी नेता को भी नजरअंदाज किया गया था। भगवान बिरसा मुंडा, जिन्होंने अपनी जान की बाजी लगाकर आदिवासी समाज और भारत की आजादी के लिए संघर्ष किया, उनकी कोई समुचित स्मृति या सम्मान कभी कांग्रेस शासन में नहीं हुआ। आजाजी के बाद के दशकों में, कोई भी कांग्रेस नेता या प्रधानमंत्री उनके गांव तक नहीं गया, उनके बलिदान को याद नहीं किया गया। लेकिन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस अन्याय को समाप्त किया।

बीजेपी ने कहा कि मोदी पहले प्रधानमंत्री बने जिन्होंने भगवान बिरसा मुंडा के गांव का दौरा किया और उनका उचित सम्मान किया। हमने साल 2025 को भगवान बिरसा मुंडा की विरासत और उनके स्वतंत्रता संग्राम के लिए समर्पित करने का निर्णय लिया गया है, जिससे उनका बलिदान और संघर्ष देश के हर नागरिक तक पहुंच सके। राहुल गांधी ने अपने बयान में फिर से देश की पहली आदिवासी महिला राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू का जिक्र करते हुए कहा कि भाजपा ने उन्हें राम मंदिर के उद्घाटन समारोह में नहीं बुलाया था। लेकिन राहुल गांधी ये भूल गए कि उनकी ही कांग्रेस पार्टी ने राष्ट्रपति चुनाव में संथाली बेटी द्रौपदी मुर्मू के खिलाफ यशवंत सिन्हा को उम्मीदवार के तौर पर खड़ा किया था। सोशल मीडिया पर यूजर अब ये सवाल उठा रहे हैं।

राज्य के आदिवासियों के साथ सहानुभूति दिखाने वाले कांग्रेस नेता राहुल गांधी ये भी भूल गए हैं कि भाजपा ने झारखंड, छत्तीसगढ़ जैसा राज्यों को बनाया। झारखंड निर्माण के वक्त कांग्रेस के सहयोगी राजद प्रमुख लालू यादव ने कहा था कि जीते जी झारखंड नहीं बनने देंगे। झारखंड उनकी लाश पर बनेगा। राहुल गांधी के बयान पर दिग्गज आदिवासी नेता चम्पाई सोरेन ने भी कहा है कि, 卐कांग्रेस पार्टी ने झारखंड आंदोलन को कुचल दिया था। 1951 की जनगणना में आदिवासियों को सम्मान मिला। 1961 में आदिवासियों का महत्व खत्म कर दिया गया।

# सबसे बड़े नक्सल एन्काउंटर के बाद नक्सलियों ने जारी किया पर्चा

■ विरोध दिवस मनाने का किया आह्वान

**जगदलपुर।** छत्तीसगढ़ में 4 अक्टूबर को हुए सबसे बड़े नक्सल एनकाउंटर के बाद नक्सलियों के दंडकारण्य स्पेशल जोनल कमिटी ने पर्चा जारी किया है। नक्सलियों ने स्वीकार किया है कि दो अलग-अलग मुठभेड़ों में कुल 38 नक्सली मारे गए हैं। इसके साथ ही उन्होंने पर्चा जारी कर बताया है कि कैसे वे सुरक्षा जवानों के घेरे में फंसे। लेकिन उन्होंने प्रशासन पर आरोप लगाया है कि मुठभेड़ में हुए एन्काउंटर में स्थानीय आदिवासियों की भी हत्या हुई है।

नक्सलियों की तरफ से जारी पर्चे में बताया गया है कि नक्सलियों की कमांडर नीति बीमार थी। वह हथियार उठाने के हालात में भी नहीं थी। वहीं इस एन्काउंटर के खिलाफ नक्सलियों ने 21 और 22 अक्टूबर को देशभर में विरोध दिवस मनाने के लिए आह्वान किया है।

बता दें, दंतेवाड़ा डीआरजी, नारायणपुर डीआरजी और एसटीएफ की संयुक्त टीम 3 अक्टूबर को थुलथुली नेंदुर क्षेत्र में पूर्वी में गश्त पर निकली थी। इसी दौरान नेंदूर-थुलथुली के जंगल में 4 अक्टूबर को सुबह

से लेकर रात तक पुलिस-नक्सल मुठभेड़ हुई, जिसमें 38 नक्सलियों को सुरक्षा बलों ने मार गिराया था। वहीं सभी सुरक्षा बल सुरक्षित वापिस लौटे थे। यह मुठभेड़ इस वर्ष की सबसे बड़ी सफलता मानी जा रही है।

### नक्सलियों द्वारा कोरचोली में लगाये गये 5 किलो वजनी आईईडी बरामद

**बीजापुर।** जिले के ग्राम कोरचोली में नक्सलियों ने जवानों को नुकसान पहुंचाने के इरादे से पगडंडी मार्ग पर एक 5 किलो वजनी प्रेसर आईईडी लगाकर रखा था, जिसे जवानों की सतर्कता से बीडीएस की टीम ने बरामद कर उसे सुरक्षित तरीके से वही निष्क्रिय कर दिया हैं।

पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक डीआरजी बीजापुर, कोबरा 202 व बीडीएस बीजापुर की संयुक्त पार्टी एरिया डॉमिनेशन व डीमाइनिंग ड्यूटी पर कोरचोली की तरफ निकली हुई थी। डीमाइनिंग के दौरान कोरचोली गांव की ओर जाने वाले पगडंडी रास्ते मे पुलिस पार्टी को निशाना बनाने नक्सलियों द्वारा 5 किलो ग्राम का प्रेशर आईईडी लगाया गया था। बीडीएस बीजापुर की टीम द्वारा सतर्कता पूर्वक आईईडी बरामद कर उसे सुरक्षित तरीके से मौके पर ही निष्क्रिय कर दिया गया है।

### नक्सलियों ने मुखबिरी का आरोप लगाकर की ग्रामीण की हत्या

**सुकमा।** किस्टाराम थाना क्षेत्र अंर्तगत मेटगुड़ा गांव के एक ग्रामीण मड़कम आंदा का नक्सलियों ने अपहरण कर ले जाने के बाद मुखबिरी का आरोप लगाते हुए उसकी हत्या कर दी। इसकी पुष्टि सुकमा जिले के एएसपी आकाश राव ने की है।

मिली जानकारी के अनुसार मड़कम आंदा की हत्या की सूचना मिलने के बाद पुलिस प्रशासन ने मामला दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी है। एएसपी आकाश राव ने बताया कि मृतक के परिवार वालों से बातचीत की जा रही है और घटना की जांच की जा रही है। उन्होंने बताया कि नक्सलियों ने मड़कम आंदा पर मुखबिरी का आरोप लगाया इसके बाद उसकी निर्मम हत्या कर दी। इतना ही नहीं घटना के बाद नक्सलियों ने पुलिस प्रशासन का साथ नहीं देने के लिए स्थानीय लोगों को धमकी भी दी गई है। पुलिस इस प्रकार की घटनाओं को रोकने के लिए हरसंभव प्रयास कर रही है।

# 'लोन वर्राटू' से प्रभावित होकर तीन माओवादियों ने किया आत्मसमर्पण

## मिलने वाली रकम जानकर उड़ जाएंगे होश

**दंतेवाड़ा।** दन्तेवाड़ा जिले में चलाये जा रहे लोन वर्राटू (घर वापस आइये) अभियान से प्रभावित होकर तीन माओवादियों ने आत्मसमर्पण किया है, इनमें से दो माओवादियों पर दो-दो लाख रुपए का ईनाम है। आत्मसमर्पित माओवादी दरभा डिवीजन के मलांगेर एरिया कमेटी में सक्रिय सदस्य थे।

आत्मसमर्पित माओवादी नंदू माड़वी विगत 6-7 वर्षों से प्लाटून नम्बर 24 में सक्रिय था। माओवादी पर छत्तीसगढ़ सरकार ने दो लाख रुपए का ईनाम घोषित किया था। आत्मसमर्पित माओवादी हिड़मा माड़वी विगत एक वर्ष से प्लाटून नम्बर 24 का सदस्य/डीव्हीसी सचिव जगदीश के गार्ड के पद पर सक्रिय था।

इनके साथ तीसरे माओवादी देवा हेल्मा पिता बुधराम हेल्मा ने भी आत्मसमर्पण किया है। इन माओवादियों को मिलाकर लोन वर्राटू अभियान के तहत अब तक 204 ईनामी सहित कुल 880 माओवादी आत्मसमर्पण कर चुके हैं।

बता दें कि लोन वर्राटू अभियान के तहत आत्मसमर्पण करने वाले ईनाम नक्सली को छत्तीसगढ़ शासन द्वारा प्रदान की जाने वाली 25 हजार रुपए की प्रोत्साहन राशि के साथ ईनाम की राशि भी प्रदान की जाती है। इस लिहाज से आत्मसमर्पण करने वाले नंदू माड़वी और हिडमा माड़वी को सवा दो लाख रुपए मिलेंगे।

# 19 वर्षों से शासन की आंख में धूल झोंक रही शिक्षिका

■ ग्रेजुएशन का फर्जी प्रमाण पत्र बनवाकर ले रही लाभ

**कोरिया।** कोरिया जिले में एक महिला शिक्षिका प्रमोशन पाने के लिए ऐसे अंकसूची का इस्तेमाल की जो फर्जी है। हिंदी भाषा का प्रचार प्रसार करने वाली संस्था हिंदी साहित्य सम्मेलन से ग्रेजुएशन का प्रचारपहले शिक्षाकर्मी वर्ग 3 से वर्ग दो बनी महिला शिक्षिका का है जिसके द्वारा हिंदी साहित्य सम्मेलन नामक संस्था इलाहाबाद की फर्जी अंकसूची लगाकर आज दिनांक तक सरकारी खजाने को चूना लगा कर मजे से लाभ लिया जा रहा है।

यहां हम बात कर रहे हैं वर्तमान में विकासखंड सोनहत के पूर्व माध्यमिक शाला कैलाशपुर की प्रधानपठिका रेशमा पांडे की जिनकी प्रथम नियुक्ति 30/09/1998 को मध्य प्रदेश शिक्षाकर्मी भर्ती तथा सेवा भर्ती नियम 1997 के वर्णित दिशा एवं निर्देशों के अनुसार हुई थी यहां तक तो सब ठीक था लेकिन लगभग 8 साल बाद शिक्षिका ने अपना दिमाग चलाते हुए हिंदी साहित्य सम्मेलन इलाहाबाद नामक संस्था फर्जी संस्था फर्जी हम इसलिए कह रहे हैं कि छत्तीसगढ़ में अभी तक इस संस्था का कोई भी पंजीकरण नहीं है और गूगल से मिली जानकारी के अनुसार इस संस्था को सिर्फ हिंदी भाषा का प्रचार प्रचार करने का अधिकार था नाटक ना कि स्नातक की उपाधि देने का की अंक सूची बनवाकर इनके द्वारा शिक्षाकर्मी वर्ग 2 में पदोन्नति का लाभ दिनांक 30.7.2006 को ले लिया गया और आज दिनांक तक

प्रधानपठिका बनकर शान से सेवा दे रही है लेकिन प्रशासन की नजर इन पर आज तक नहीं पड़ी ताज्जुब की बात है कि कैसे तत्कालीन जिला शिक्षा अधिकारी ने बिना उक्त अंक सूची की जांच किए, बिना उसके सत्यापित हुए उक्त अंक सूची के आधार पर शिक्षिका को पदोन्नति दे दी जाहिर सी बात है इसमें मोटी रकम खर्च हुई होगी और महोदिया शिक्षा कर्मी वर्ग 2 बन गई और आज प्रधानपठिका बनी बैठी है

अब देखना है कि प्रशासन ये मामला सामने आने के बाद कोई कार्यवाही करता है अथवा इसी तरह मुकदर्शक बना रहता है और अपने सरकारी खजाने से ऐसे भ्रष्ट लोगों को लाभ देता रहता है हमें ये सारी जानकारी सूचना के अधिकार अधिनियम 2005 के तहत शिक्षा विभाग से ही प्राप्त हुई है। अब देखना है शिक्षा विभाग अपने ही कागजों को झूठलाता है अथवा कोई कड़ी कार्यवाही कर ऐसे भ्रष्ट लोगों को कड़ा संदेश देता है।

डीईओ जितेंद्र गुप्ता ने कहा अभी तक हमारे पास मामला नहीं आया है हमारे पास लिखित में शिकायत आने दीजिए हम इस पर जांच कर उचित और वैधानिक कार्रवाई जरूर करेंगे।

# सोना उगल रही बंजर जमीन, 4 गांव के किसान मालामाल

**कोरबा।** मड़वारानी पहाड़ और आसपास की छोटी पहाड़ियों से बहकर बरसात का पानी पूरी तरह से बर्बाद हो जाता था। गांव तिलाईडांड, महोरा और चकोरा जैसे गांव के खेत सूखे रह जाते थे। यह क्षेत्र सरकारी रिकॉर्ड में भी असंचित और सूखाग्रस्त था। जमीन बंजर थी। किसान चाहकर भी यहां कोई फसल नहीं उगा पा रहे थे, ऐसे में एक रिटायर्ड शिक्षक ने जमीनों की तकदीर बदलने की ठानी। गांव में वाटरशेड समिति का गठन किया और खुद इसके अध्यक्ष का दायित्व संभाला।

पहाड़ से बहकर पानी को रोकने के लिए नाले बनाए, पानी को स्टोर किया। इन ग्रामीणों के काम को देखकर नाबार्ड ने वाटरशेड समिति के प्रस्ताव को हरी झंडी दी। वित्तीय सहायता भी दी। अब गांव में स्टॉप डैम बन गया है। जो खत कभी बंजर हुआ करते थे, अब वह उपजाऊ बन चुके हैं। किसान यहां अब दोहरी फसल ले रहे उग रहे हैं।

गांव में इस बदलाव की शुरुआत 2016-17 में हुई। लगभग 8 वर्षों से शिक्षक नंदलाल गांव में बनी वाटरशेड समिति के अध्यक्ष हैं। गांव सूखाग्रस्त था, जमीन बंजर थी। जिसे उपजाऊ बनाने के लिए मिट्टी के मेढ़ और नाले का निर्माण किया गया।

दरअसल नाबार्ड ग्रामीणों की सहायता तभी करती है, जब वहां कोई समिति काम करे और वह समिति पूरी तरह से एक्टिव रहे। किसान समिति बनाकर खुद ही श्रमदान करने के लिए सक्षम हों और जिम्मेदारी से काम करें। गांव में रिटायर्ड शिक्षक ने सामाजिक संस्थाओं की सहायता से समिति का निर्माण किया। ग्रामीणों को और किसानों को एकजुट किया। श्रमदान करने के बाद प्रस्ताव नाबार्ड को भेजा गया। ग्रामीणों के काम को देखकर नाबार्ड ने 100 हेक्टेयर को संचित करने की स्वीकृति दी।

गांव तिलाईडांड में स्टाप डैम बनने के बाद अब यहां

के आसपास के गांव को भी सिंचाई की सुविधा मिल रही है। तिलाईडांड की वाटरशेड समिति में करताना ब्लॉक के गांव माहोरा, चकोरा और चिचोली भी शामिल हैं, जहां जल ग्रहण योजना के काम प्रस्तावित हैं। फिलहाल तिलाईडांड के लगभग 70 एकड़ खेत संचित हो चुके हैं।

किसान अब अपने खेत में किसी न किसी फसल को उगा रहे हैं। किसी किसान ने अपने खेत में धान उगाए हैं, जो अब पकने के कगार पर है। एक समय था जब इस समय तक धान सूख जाते थे, या पैदा ही नहीं होते थे। धान के साथ ही किसानों ने टमाटर, भिंडी और करेले के सब्जी भी उगाया है। खेतों में सिंचाई की सुविधा मिलने से किसान अब समृद्धि की तरफ बढ़ रहे हैं।

किसानों के समूह से जुड़कर काम करने वाले एनजीओ के फील्ड मैनेजर दिनेश कुमार चंद्राकर कहते हैं कि पहले मड़वारानी पहाड़ से बहकर आने वाला पानी बर्बाद हो जाता था। ग्रामीण पहले मिट्टी का अस्थाई मेढ़ बनाते थे, जो बरसात में टूट जाता था। इसके बाद ग्रामीणों ने वाटर शेड समिति बनाई, जिनका काम और समर्पण देख नाबार्ड ने भी वित्तीय सहायता की।

दिनेश कुमार चंद्राकर ने बताया कि नाबार्ड की वित्तीय सहायता के बाद गांव में स्टॉप डैम का निर्माण हुआ। अब यहां बरसात का पानी स्टोर हो रहा है। किसान सिंचाई की सुविधा ले रहे हैं। लगभग 70 एकड़ खेत में किसान धान के साथ ही सब्जी भी लगा रहे हैं। वह दो फसल एक साथ ले रहे हैं। आने वाले समय में आसपास के और भी गांव में इस तरह के स्टॉप डैम बनाने की योजना है ताकि ज्यादा से ज्यादा किसानों को इसके लाभ मिल सके।

गांव तिलाईडांड में किसानों के वाटरशेड समिति के अध्यक्ष रिटायर्ड शिक्षक नंदलाल बिंझवार कहते हैं कि %%गांव की जमीन पहले बंजर हुआ करती थी। किसान चाहकर भी फसल नहीं उगा पा रहे थे। हमने बरसात के पानी को रोकने की शुरुआत की। खेत में मेढ़ बनाए लेकिन, पहाड़ से बहकर आने वाले पानी को नाला बनाकर स्टोर किया। हमारे काम को देखकर नाबार्ड के जल ग्रहण समिति से हमें वित्तीय सहायता भी मिली।

रिटायर्ड शिक्षक नंदलाल बिंझवार ने कहा गांव के लोगों ने स्वयं श्रमदान किया और यह साबित किया कि वह काम कर सकते हैं। जिसके बाद गांव में स्टॉपडैम का निर्माण हुआ। अब तो यहां किसान धान की फसल भी लगा रहे हैं, जो जमीन पहले बंजर थी। अब वह उपजाऊ हो गई है, आसपास के और भी गांव में हम इस तरह की सुविधा के विकास की योजना पर काम कर रहे हैं।

गांव तिलाईडांड के किसान खलेश्वर राम कहते हैं कि मड़वारानी पहाड़ से जो पानी बहकर आता था, उसे रोकने के लिए मैंने भी मिट्टी का मेढ़ बनाया था, लेकिन वह टूट जाता था। एक बार तो खड़ी फसल सूख गई थी।

किसान खलेश्वर राम ने कहा अब गांव में स्टाप डैम बन गया है तो अच्छा खासा मुनाफा होने की उम्मीद है। लगभग 50000 तक का मुनाफा मैं इस वर्ष कमा लूंगा। धान की फसल पक चुकी है।

किसान टीकाराम मंझवार कहते हैं कि हमारे गांव में पहले सिंचाई की सुविधा ही नहीं थी, लेकिन अब पानी मिलने लगा है। मैंने खेत में टमाटर और भिंडी की फसल लगाई है। अच्छी खासी पैदावार हो रही है। जिससे अच्छा मुनाफा होगा। पहले ज्यादातर जमीन बंजर थी। अब सिंचाई की सुविधा होने से सभी किसान फसल ले रहे हैं।

## छत्तीसगढ़ प्रमुख समाचार

### डाक्टरों ने टेढ़े पैर वाले तीन सौ बच्चों का किया सफल ऑपरेशन

**बिलासपुर।** बिलासपुर के सिम्स हॉस्पिटल मे हड्डी रोग विभाग के डाक्टर दिपक जांगडे और टीम ने बडी उपलब्धी हासिल की है टेढे मेढे पैर वाले 300 बच्चो का सफल ऑपरेशन कर उनके जीवन को सवारने का काम किया है। साथ ही परिजनो का निजी अस्पताल मे होने वाले लाखो रूपये के खर्च होने से बचाया जा रहा है। दरअसल बिलासपुर के सिम्स हॉस्पिटल मे हड्डी रोग विभाग व शिशु रोग विभाग के डाक्टरो ने मिलकर टेढे मेढे पैर वाले 300 बच्चो को का सफलतापूर्वक ऑपरेशन किया है जो बच्चे ढंग से चल फिर पाने मे असमर्थ थे वो बच्चे ऑपरेशन के बाद अब बच्चे दौड भाग कर रहे है ये संभव हुआ है सिम्स अस्पताल के हड्डी रोग विभाग के डाक्टर दिपक जांगडे और अस्पताल के टीम के द्वारा। डाक्टर दिपक जांगडे ने बताया की टेढे मेढे पैर वाले बच्चो का यह जन्मजात बिमारी है।किसी बच्चो का एक पैर तो किसी का दो पैर पर यह विकृति रहती है शुरूआती समय मे लोगो को जानकारी नही रहती थी इसलिए इस तरह की समस्या पर किसी प्रकार इलाज भी नही करवाते थे।

### पुलिस अधीक्षक ने किया पुलिस स्मृति दिवस का आयोजन

**कोरबा।** कोरबा में वाणिज्य और उद्योग, श्रम मंत्री लखन लाल देवांगन ने शहीदों को श्रद्धांजलि दी। शहीद पुलिस जवानों के परिजन उपस्थित रहे। जिला पुलिस अधीक्षक कोरबा सिद्धार्थ तिवारी भापुसे की ओर से पुलिस स्मृति दिवस पुलिस अधीक्षक कार्यालय कोरबा परिसर में आयोजित किया गया। इस अवसर पर अतिथियों ने जिले के उन सभी 12 शहीद जवानों को अपनी भावपूर्ण श्रद्धांजलि अर्पित की, जिन्होंने देश के लिए अपने प्राणों की आहुति दी और अपना सर्वस्व न्योछावर कर दिया। इस मौके पर शहीद स्मारक को फूल मालाओं से सजाया गया था। और पुलिस अधीक्षक महोदय के द्वारा सलामी पश्चात् पिछले एक वर्ष में शहीद हुए देश भर के 216 जवानों का नाम लेकर उन्हें याद किया गया। एवं परेड के द्वारा शोक शस्त्र कर सभी अतिथियों के द्वारा मौन धारित कर शहीदों को याद किया गया। पुलिस अधीक्षक कोरबा ने शहीद परेड के पश्चात शहीद परिवारजन से बात किये एवं समस्यायों को निराकरण करने सम्बन्धित अधिकारियों को निर्देशित किया गया।

### शहीद दिवस में जवानों को दी गई श्रद्धांजलि

**बलरामपुर।** जिला मुख्यालय के पुलिस लाईन ग्राउंड में पुलिस स्मृति दिवस समारोह का आयोजन किया गया। शहीद जवानों को पुष्पांजलि अर्पित कर श्रद्धांजलि देते हुए नमन किया गया। शहीद जवानों के परिजनों को भी सम्मानित किया गया। इस कार्यक्रम में जिले के कलेक्टर एसपी सहित पुलिस अधिकारी कर्मचारी और शहीद हुए जवानों के परिजन भी शामिल हुए। शहीद जवानों को सलामी दी गई। बलरामपुर पुलिस अधीक्षक वैभव बेंकर रमनलाल ने इस दौरान कहा कि पुलिस लाइन में शहीद दिवस कार्यक्रम का आयोजन किया गया। एसपी वैभव बेंकर रमनलाल ने कहा पुलिस स्मृति दिवस पर हमारे जो शहीद जवान हैं, बहादुर जवान हैं जिन्होंने देश के लिए बलिदान दिया। अपनी आहुति दी उनको याद कर श्रद्धांजलि दी गई। शहीद परिवार के लोगों की समस्याएं सुनी गई। हर संभव मदद का आश्वासन दिया गया। बलरामपुर पुलिस लाइन ग्राउंड में आयोजित पुलिस स्मृति दिवस समारोह में बलरामपुर जिले के शहीद जवानों के परिजनों को साल और श्रीफल भेंटकर सम्मानित किया गया।

### धोखाधड़ी के मामले में फरार डॉ. एम.के खंडूजा गिरफ्तार

**भिलाई।** धोखाधड़ी के मामले में विगत 1 वर्ष से अधिक समय से फरार चल रहे चर्चित शिशुरोग विशेषज्ञ डॉक्टर एम.के खंडूजा को तलाश कर रही भिलाई पुलिस की टीम ने कोलकाता से उन्हे गिरफ्तार किया। भिलाई पुलिस की टीम डॉ खंडूजा को रविवार की शाम कोलकाता से लेकर भिलाई पहुंची और पूछताछ के लिये सोमवार को रिमांड पर लेने न्यायालय में पेश किया। डॉक्टर एम.के खंडूजा के गिरफ्तारी की पुष्टी जिले के वरिष्ठ पुलिस अफसर ने की है। छावनी थाना में धोखाधड़ी के मामले में भिलाई से गई पुलिस टीम ने उप निरीक्षक वरुण देवता एवं प्रधान आरक्षक जसपाल सिंह के नेतृत्व में भिलाई से भेजी गई पुलिस टीम ने उन्हें पश्चिम बंगाल के कोलकाता से गिरफ्तार कर भिलाई लेके आई। यह गिरफ्तारी शनिवार- रविवार की देर रात्रि की गई है बताया जाता है कि डॉ.एम. के.खंडूजा पिछले 1 साल से अधिक समय से अपने परिवार सहित भिलाई से गायब हो गए थे उनके खिलाफ अदालत में एवं विभिन्न थानों में धोखाधड़ी, चेक बाउंस के अनेक मामले लंबित है।

### देर से अस्पताल पहुंचने पर 47 डॉक्टरों को थमाया नोटिस

**बिलासपुर।** सुबह की पाली में देर से और शाम को अनुपस्थित रहने वाले जिला अस्पताल व मातृ शिशु अस्पताल के 47 डॉक्टरों को नोटिस थमाया गया है। जिला अस्पताल के सिविल सर्जन की ओर से जारी नोटिस में 24 घंटे के भीतर जवाब मांगा गया है। सिविल सर्जन के इस आदेश के बाद डॉक्टर विरोध पर उतर आए हैं। जिला अस्पताल में सिविल सर्जन डॉ। अनिल गुप्ता और डॉक्टरों के बीच लंबे समय से खींचतान चल रही है। एक-दूसरे के खिलाफ दोनों पक्षों की ओर से कलेक्टर से भी लगातार शिकायतें की जा रही हैं। सिविल सर्जन कई बार बोल चुके हैं कि अस्पताल की व्यवस्था में सुधार लाने के लिए कड़ाई बरती जा रही है। ऐसे में सिविल सर्जन डॉ अनिल गुप्ता ने जुलाई, अगस्त, सितम्बर के बायोमैट्रिक्स अटेंडेंस का रिकार्ड को चेक करने के बाद काम में देरी से पहुंचने और काम से अनुपस्थित रहने वाले डॉक्टरों को नोटिस जारी कर जवाब तलब किया गया है। इधर डॉक्टरों का आरोप है कि ओवर ड्यूटी करने, सरकारी छुट्टी के दिन को भी अनुपस्थित बताया जा रहा है।

# मासुलपानी पंचायत की महिलाएं पानी से कर रही कमाई

**कांकेर।** बस्तर अब बदल रहा है। लोग जागरूक होकर अपने क्षेत्र को नए आयाम तक पहुंचाने के लिए कड़ी मेहनत कर रहे हैं। इसका उदाहरण है कांकेर जिले का गांव मासुलपानी, जहां ग्रामीण महिलाओं और प्रशासनिक अमले ने मिलकर गांव में जल संरक्षण के लिए ऐसा काम किया कि इनकी तारीफ अब पूरे देश में हो रही है। जल संरक्षण करने वाले देश भर के जिलों में छत्तीसगढ़ के कांकेर जिले का मासुलपानी गांव दूसरे नंबर पर है। मासुलपानी बेस्ट विलेज पंचायत कैटेगरी में दूसरे नंबर पर है। इस गांव का चयन 5वें राष्ट्रीय जल पुरस्कार के लिए हुआ है। 22 अक्टूबर को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु खुद सम्मानित करेंगी।

जल संरक्षण का काम मासुलपानी और इसके आसपास के 5 ग्राम पंचायत देवगांव, धौराभांठा, बादल, दबेना और

सुरही में भी हुआ है। इन गांव में पहले केवल मानसून में ही किसान एक बार धान की फसल लेते थे। इसके बाद गांव खाली हो जाता था, क्योंकि 75 प्रतिशत परिवार काम की तलाश में पलायन कर ईंट भट्ठा, बोर गाड़ी, राइस मिलों में काम करने चले जाते थे।

अब गांव में पर्याप्त पानी होने से गांवों के लोग धान की डबल फसल के साथ सब्जी, दलहन तिलहन, मिलेट्स, मछली और झींगा पालन कर समृद्धि की ओर बढ़ रहे हैं। यही कारण है कि इन गांव में पलायन तो थम ही गया है, साथ ही आसपास के क्षेत्रों में इन गांवों से सब्जी और मछली बिकने जा रही है।

साल 2014 में सबसे पहले मासुलपानी में जल संरक्षण का काम शुरू हुआ। यहां सफलता मिली तो इसी पैटर्न पर आसपास के भी गांव में जल संरक्षण की दिशा में काम शुरू कर दिया गया है। यहां भी बारिश का पानी गांव से लगी पहाड़ियों से तेजी से बहकर नदी नालों में मिल जाता था। मासुलपानी की तरह सुरही में भी 29 ब्रशवुड, 3 लूस बोल्डर स्ट्रक्चर तो 2 सीपीटी बनाए गए हैं। देवगांव में पानी रोकने 8 लूस बोल्डर स्ट्रक्चर, 3 गेबियन, 12 गुल्ली प्लग, एक सीपीटी बनाने के साथ 2 स्टॉपडैम की मरम्मत की गई है। 277 डबरियों के साथ मासुलपानी में किसानों को आत्मनिर्भर बनाने के लिए काफी काम शुरू हुए।

गांव की महिलाओं ने बताया कि गांव में पानी की समस्या ना हो इसे लेकर जागरूक करने का प्रयास किया गया। उन्हें पानी के सर्वोत्तम उपयोग के तरीकों को अपनाने के लिए प्रेरित करते हुए तरह तरह के कार्यक्रम चलाए गए। लोगों में जागरूकता आई। गांव में अब भरपूर पानी से ना सिर्फ खेती कर रहे हैं बल्कि मछली पालन कर लाखों रुपये कमा रहे हैं।

स्थानीय हेमलता कश्यप ने कहा गांव में समूह बनाने से पहले ही समूह बनाया। गांव में प्लानिंग की गई। जल संरक्षण के लिए गांव का दौरा कर चोटी से घाटी तक पानी संरक्षण के लिए फाइल बनाई गई। इस फाइल को जनपद में जमा किया गया।

गांव की सुलोचना साहू बताती है कि साल में मछली पालन से एक घर से 80 से 85 हजार रुपये की कमाई हो जाती है। गांव में 167 तालाब है। लगभग 90 गांव के तालाब हैं और 50 से 60 सरकारी तालाब हैं। निजी और सरकारी तालाबों में मछली पालन कर हर परिवार के लोगों की लाखों रुपयों की कमाई हो रही है। गांव की अन्य महिलाएं बताती हैं कि जल संरक्षण से ना सिर्फ मछली पालन किया जा रहा है बल्कि धान के साथ ही दलहन तिलहन की फसल भी ली जा रही है। इसके अलावा बकरी पालन, सुअर पालन से भी लाभ कमा रहे हैं।

ग्राम पंचायत में 161 जल शेड संरचनाएं बनाई गई, जिनमें 99 फार्म तालाब शामिल हैं।

### शहीद जवान का सैन्य सम्मान के साथ अंतिम संस्कार

**दुर्ग।** रविवार को करवा चौथ के दिन भिलाई का जवान लेह लद्दाख में शहीद हो गया। सोमवार सुबह शहीद जवान उमेश साहू का पार्थिव शरीर गृह ग्राम कोडिया पहुंचा। जहां सैन्य सम्मान के साथ अंतिम संस्कार की तैयारी चल रही है।

उमेश साहू की ड्यूटी लेह लद्दाख में लगी थी। जिस जगह पर उमेश साहू की ड्यूटी लगी थी वो इलाका काफी ऊंचाई वाला है। ड्यूटी के दौरान ऑक्सीजन की कमी के चलते उनकी तबीयत बिगड़ गई। बाद में जवान ने दम तोड़ दिया। करवा चौथ के दिन पत्नी और परिवार के लोगों को ये संदेश मिला। जिसके बाद से परिवार वालों का रो रोकर बुरा हाल है। पूरे गांव में शोक का माहौल है। ग्रामीणों ने बताया

शहीद उमेश कुमार साहू मध्यम वर्गीय परिवार से आते हैं। कुछ वर्षों में ही उन्होंने अपने बड़े भाई, अपनी मां को खोने के बाद बीते जून माह में अपने छोटे भाई को खोया था। भाई का दशगात्र कार्यक्रम निपटाने के बाद वो ड्यूटी में जाने वाले थे, लेकिन घर में पिता की तबियत खराब होने से उनको छुट्टी बढ़ानी पड़ी। पिता का इलाज कराने के बाद बीते 30 अगस्त ही वो ड्यूटी पर लौटे थे। इस दौरान उनकी ड्यूटी लेह-लद्दाख में लगाई गई। वहां उन्होंने देश की सुरक्षा करते हुए अपने प्राणों को न्यौछावर कर दिया।

## संक्षिप्त समाचार

### राज्यपाल डेका से असम के फुटबॉल टीम के खिलाड़ियों ने की मुलाकात

**रायपुर।** राज्यपाल श्री रमेन डेका से 27वीं

अखिल भारतीय वन खेलकूद प्रतियोगिता में भाग लेने वाले असम के फुटबॉल टीम के खिलाड़ियों ने श्री सनीदेव चौधरी, (आईएफएस) और श्री तेजस एम, (आईएफएस) के नेतृत्व में सौजन्य मुलाकात की। उनके साथ टीम कोच श्री दगंता बोरा भी उपस्थित थे। उल्लेखनीय है कि असम की टीम ने इस प्रतियोगिता में पहली बार फुटबॉल में स्वर्ण पदक प्राप्त किया है। राज्यपाल ने टीम को बधाई दी और राजकीय गमछा पहनाकर उनका अभिनंदन किया। टीम के सभी खिलाड़ियों को छत्तीसगढ़ के पारंपरिक पकवान भेंट किये गये। राज्यपाल श्री डेका ने खिलाड़ियों को उज्जवल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दी। राज्यपाल श्री डेका ने छत्तीसगढ़ के खिलाड़ियों द्वारा सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए सर्वाधिक 174 पदक जीत कर प्रथम स्थान प्राप्त करने पर उन्हें भी बधाई दी। इस अवसर पर राज्यपाल ने कहा कि यह प्रतियोगिता न केवल शारीरिक शक्ति और खेल भावना का प्रदर्शन है, बल्कि हमारे वन क्षेत्रों के महत्व को भी रेखांकित करती है।

### राज्यपाल ने राजीव स्मृति वन में शहीद वाटिका पहुंचकर शहीदों को श्रद्धांजलि दी

**रायपुर।** राज्यपाल श्री रमेन डेका आज पुलिस स्मृति दिवस के अवसर पर राजधानी रायपुर के राजीव स्मृति वन स्थित शहीद वाटिका पहुंचे। उन्होंने यहां अमर जवान स्तंभ में शहीदों को श्रद्धांजलि दी। उनके साथ उपस्थित मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने भी शहीदों को श्रद्धांजलि दी। इस दौरान राज्यपाल और मुख्यमंत्री ने शहीदों के नामों की पट्टिका पर श्रद्धा सुमन अर्पित किए। इस अवसर पर पुलिस महानिदेशक श्री अशोक जुनेजा सहित वरिष्ठ पुलिस अधिकारीगण मौजूद रहे।

### राज्य आंदोलनकारियों का रजत जयंती राज्योत्सव बुधवार को

**रायपुर।** छत्तीसगढ़ राज्य निर्माण के प्रमुख

आंदोलनकारी छत्तीसगढ़ी समाज पार्टी द्वारा इस वर्ष 23 अक्टूबर 2024 को तीन चरणों में रजत जयंती राज्योत्सव का आयोजन किया गया है। प्रथम चरण में दोपहर 1 बजे से साहू सदन टिकरापारा में प्रदेश स्तरीय कार्यकर्ता सम्मेलन होगा। जिसको राज्य आंदोलनकारी छसपा प्रदेश अध्यक्ष दाऊ जी.पी.चंद्राकर, अनिल दुबे, दीनदयाल वर्मा, जागेश्वर प्रसाद,वेगेन्द्र सोनवेर, लालाराम वर्मा, चेतन देवांगन, महेंद्र कौशिक आदि संबोधित करेंगे। दूसरे चरण में छत्तीसगढ़ के उम्दा लोक कलाकार राजधानी के विभिन्न सड़कों पर अपना कला बिखेरेंगे। तीसरे चरण में शाम 7.30 बजे से हांडीपारा में छत्तीसगढी फिल्म स्टार सुनील तिवारी और उनके रंग झांझर टीम के कलाकारों द्वारा आकर्षक सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किया जायेगा। सांस्कृतिक मंच में छत्तीसगढ़ राज्य निर्माण आंदोलन समिति के बेनर तले वरिष्ठ 12 राज्य आंदोलनकारियों का छत्तीसगढ़ राज्य निर्माण सेनानी के नाम से सम्मान किया जाएगा। सम्मान समारोह के मुख्य अतिथि मोतीलाल साहू रायपुर ग्रामीण विधायक,विशेष अतिथि प्रोफेसर डॉ.के.के.अग्रवाल होंगे एवं अध्यक्षता राज्य आंदोलनकारी छसपा के अध्यक्ष दाऊ जी.पी.चंद्राकर करेंगे। स्वागता अध्यक्ष आंदोलनकारी अनिल दुबे होंगे।इसी मंच में राज्य निर्माण आंदोलन के इतिहास ग्रंथ का भी अतिथियों द्वारा विमोचन किया जाएगा।

### बिजली कंपनियों के चयनित 375 कनिष्ठ यंत्रियों को नियुक्ति पत्र देंगे सीएम साय

**रायपुर।** छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर कंपनीज

मुख्यालय में 23 अक्टूबर को आयोजित कार्यक्रम में मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय तीनों कंपनियों के लिये चयनित 375 कनिष्ठ यंत्रियों को नियुक्ति पत्र प्रदान करेंगे। वे प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना की जागरुकता सामग्री का विमोचन एवं हितग्राहियों के घर पर लगने वाली नाम-पट्टिकाओं का वितरण भी करेंगे। छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर ट्रांसमिशन कंपनी के 129, डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी के 229 तथा जनरेशन कंपनी के 17 कनिष्ठ यंत्रियों का चयन प्रतियोगी परीक्षा से किया गया है। प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना के तहत प्रदेश में वर्ष 2027 तक 5 लाख घरों में रूफ टॉप पावर प्लांट लगाने का लक्ष्य है। इस अभियान को गति देने के लिए मुख्यमंत्री श्री साय जनजागरूकता बढ़ाकर लक्ष्य हासिल करने पर जोर दे रहे हैं। इस अवसर पर प्रदेश में विद्युत विकास पर प्रदर्शनी भी लगाई जा रही है। इस प्रकार इस बहुआयामी आयोजन की रूपरेखा बनाई गई है। कार्यक्रम की अध्यक्षता सांसद श्री बृजमोहन अग्रवाल करेंगे। क्षेत्रीय एवं रायपुर-पश्चिम के विधायक श्री राजेश मूणत, रायपुर-उत्तर विधायक श्री पुरंदर मिश्रा, रायपुर- ग्रामीण विधायक श्री मोतीलाल साहू तथा धरसींवा विधायक श्री अनुज शर्मा विशिष्ट अतिथि रहेंगे। कार्यक्रम बुधवार, 23 अक्टूबर को शाम 4 बजे,छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर कंपनीज मुख्यालय प्रांगण, डंगनिया, रायपुर में होगा ।

# पुलिस कर्मियों के प्रति रखें मानवीय दृष्टिकोण : रमेन डेका

## पुलिस स्मृति दिवस परेड में हुए शामिल राज्यपाल और मुख्यमंत्री, पुलिस और सुरक्षाबलों के कारण देश में कायम है कानून और शांति व्यवस्थाः साय

**रायपुर।** राज्यपाल श्री रमेन डेका और मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय आज चौथी वाहिनी छत्तीसगढ़ सशस्त्र बल माना रायपुर के प्रांगण में पुलिस स्मृति दिवस के अवसर पर आयोजित परेड कार्यक्रम में शामिल हुए। राज्यपाल और मुख्यमंत्री ने सभी प्रदेशवासियों की ओर से पुलिस के शहीद वीर जवानों को नमन करते हुए शहीद स्मारक में पुष्पचक्र अर्पित कर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि दी। राज्यपाल और मुख्यमंत्री ने शहीद पुलिस अधिकारियों एवं जवानों के परिजनों से मुलाकात कर अपनी संवेदना व्यक्त की और उनके साथ सदैव खड़े रहने का विश्वास दिलाया। उन्हें शाल, श्रीफल व स्मृति चिन्ह भेंट किए।

इस अवसर पर राज्यपाल श्री डेका ने अपने श्रद्धांजलि उद्बोधन में कहा कि पुलिस का काम अत्यंत जवाबदेही का होता है। आम जनों से आग्रह है कि पुलिस कर्मियों के प्रति मानवीय दृष्टिकोण रखें और उनके कार्यो में मदद करें। उन्होंने कहा कि एक तरफ वे कानून और व्यवस्था बनाए रखने के लिए शासन के निर्देशों के अनुरूप कार्य करते हैं। दूसरी तरफ उनकी जिम्मेदारी होती है कि समाज में व्यवस्था बनी रहें और नागरिकों को किसी भी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े। राज्यपाल ने कहा कि पुलिस के जवान भी अपने परिवार को छोड़ कर कार्य कर रहे हैं। उनसे परिवार के एक सदस्य की भांति व्यवहार करें, उन्हें सम्मान दें। आपके दो मीठे बोल, उनके व्यवहार में सकारात्मक परिवर्तन लाएगा। यह सद्व्यवहार उनकी सारी थकान दूर कर देगी

और वे अपनी ड्यूटी भी दोगुने जोश से करेंगे।

राज्यपाल ने आगे कहा कि छत्तीसगढ़ जैसे राज्य में जहां नक्सली समस्या एक गंभीर चुनौती रही है, वहां हमारी पुलिस ने जिस प्रकार से साहस, धैर्य और निष्ठा के साथ इस समस्या का सामना किया, वह सराहनीय है। पुलिस की तत्परता और कर्त्तव्यनिष्ठा के कारण आज नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में सुरक्षा और शांति के लिए एक सकारात्मक बदलाव देखा जा रहा है। नक्सली गतिविधियों से निपटने के लिए पुलिस और सशस्त्र बलों ने न केवल सख्त रणनीति अपनाई बल्कि स्थानीय समुदायों के साथ बेहतर समन्वय और संवाद स्थापित किया है। जिससे उन क्षेत्रों में विश्वास और सुरक्षा की भावना बढ़ी है और आने वाले समय में नक्सल समस्या का पूर्ण रूप से उन्मूलन होगा।

कार्यक्रम में मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने कहा कि पुलिस और सुरक्षा बलों के योगदान का स्मरण करने और उन्हें नमन करने का दिन है। यह पुलिस और सुरक्षा बलों की महान परंपराओं को आगे बढ़ाते रहने का संकल्प लेने का भी दिन है। उन्होंने कहा कि पुलिस स्मृति दिवस हमारे पुलिस बलों के शौर्य, पराक्रम, बलिदान, देश-प्रेम, सजगता और इतिहास की याद दिलाता है। इनके चौकन्नेपन के कारण ही देश में कानून व्यवस्था कायम रहती है और विकास के नए आयाम स्थापित होते है। श्री साय ने कहा कि पुलिस जवान नक्सल पीड़ित क्षेत्रों के विकास और दुर्गम क्षेत्रों तक शासन की योजनाओं का लाभ पहुंचाने में अपना योगदान दें रहें है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में पुलिस और सुरक्षा बल के जवानों को अधिक से अधिक संसाधन और सुविधाएं उपलब्ध कराने के हमारे प्रयासों में भारत सरकार का भरपूर सहयोग और समर्थन मिल रहा है । हमारे प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी तथा गृह मंत्री श्री अमित शाह के ऊर्जावान नेतृत्व में छत्तीसगढ़ में नक्सलवाद के खिलाफ लड़ाई बहुत मजबूती के साथ आगे बढ़ रही है। छत्तीसगढ़ ने आने वाले दो वर्षों के भीतर प्रदेश से नक्सलवाद के पूर्ण उन्मूलन का लक्ष्य रखा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि मुझे विश्वास है कि हमारे पुलिस और सुरक्षा बल के जवानों के शौर्य, पराक्रम और कौशल से हम निर्धारित समय में इस लक्ष्य को प्राप्त कर लेंगे।

पुलिस महानिदेशक श्री अशोक जुनेजा ने भी श्रद्धांजलि उद्बोधन दिया। उन्होंने कहा कि अपराध एवं अपराधियों की रोकथाम के लिए पुलिस सदैव तत्पर है। वीर जवानों का बलिदान कभी व्यर्थ नहीं जायेगा। इस अवसर पर अपर मुख्य सचिव श्री मनोज पिंगुआ, श्री अरूण देव गौतम, महानिदेशक होमगार्ड, नागरिक सुरक्षा एवं फायर ब्रिगेड सेवा, श्री हिमांशु गुप्ता, महानिदेशक जेल एवं सुधारात्मक सेवाएं एवं पुलिस के वरिष्ठ अधिकारी, पुलिसकर्मी व शहीद जवानों के परिजन उपस्थित थे।

# जनजातीय समाज का भारत की आजादी में महत्वपूर्ण योगदान: राजस्व मंत्री

**बालौदाबाज़ार।** राजस्व मंत्री श्री टंकराम वर्मा बालौदाबाज़ार के शासकीय दाऊ कल्याण कला एवं वाणिज्य स्नातकोत्तर महाविद्यालय में जनजातीय समाज का गौरवशाली अतीत, ऐतिहासिक, सामाजिक एवं आध्यात्मिक योगदान विषय पर

आयोजित व्याख्यान कार्यक्रम में शामिल हुए। अतिथियों के द्वारा माँ सरस्वती, जनजातीय समाज के गौरव भगवान बिरसा मुण्डा, शहीद वीरनारयण सिंह, रानी दुर्गावती के छायाचित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारम्भ किया गया।

कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए मंत्री श्री वर्मा ने कहा कि इतिहास के अध्ययन से ही वर्तमान और भविष्य संवरता है। जनजातीय समाज का भारत की आजादी में महत्वपूर्ण योगदान है। इस समाज के भगवान बिरसा मुण्डा, शहीद वीरनारायण सिंह, रानी दुर्गावती, गुण्डाधुर,संत गहिरा गुरु,राजा प्रवीर चंद्र भंजदेव जैसे विभूति अवतरित हुए हैं। जनजाति समाज के लोग बहुत ही सरल, सहज़ और संघर्षशील होते हैं। मान -सम्मान और स्वाभिमान की रक्षा के लिए यह समाज हमेशा तैयार रहता है। उन्होंने कहा कि पुरातन संस्कृति, संस्कार, रीति -रीवाज को जब तक सहेज के रखेंगे तब तक हमारी अस्तित्व रहेगी। सामजिक मूल्यों की जड़ों को मजबूत करना होगा।

राजस्व मंत्री ने कहा कि हमें गर्व है कि आज देश के सर्वोच्च पद पर एक जनजाति समाज की बेटी आसीन है। हमारे प्रदेश के मुखिया भी जनजाति समाज का प्रतिनिधित्व करते हैं। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने जनजातीय समाज की उत्थान के लिए पीएम जनमन योजना लागू किया है जिसके माध्यम से विशेष पिछडी जनजातीय बाहुल्य ग्रामों में सुविधाओं का विस्तार किया जाएगा। हमारी सरकार ने भी आदिवासियों के विकास के लिए अनेक कल्याणकारी योजनायें लागू की है।

अखिल भारतीय वनवासी विकास समिति के युवा कार्य प्रमुख एवं मुख्य वक्ता वैभव सुरंगे ने जनजातीय समाज का गौरवशाली अतीत, ऐतिहासिक, सामाजिक एवं आध्यात्मिक योगदान विषय पर विस्तार से प्रकाश डाला। इस अवसर पर निबंध एवं पोस्टर प्रतियोगिता के विजेता प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र प्रदान किया गया। पोस्टर प्रतियोगिता में लवी मलाकी प्रथम, टिकेश ध्रुव द्वितीय एवं माधुरी कन्नौजे तृतीय स्थान वहीं निबंध लेखन प्रतियोगिता में रेणु कुर्रे प्रथम, अरमान खंडेलवाल द्वितीय एवं पल्लवी जलहरे तृतीय स्थान पर रहीं।

# पावर कट और बिजली चोरी का टेंशन होगा गुल

### ■ अंडरग्राउंड केबलिंग से शहर बन रहा स्मार्ट

**रायपुर।** रायपुर अब धीरे-धीरे महानगर में तब्दील होता जा रहा है. लोगों की सुविधा और जरूरत को देखते हुए रायपुर स्मार्ट सिटी निगम लिमिटेड और सीएसपीडीसीएल ने 7 मार्ग में अंडरग्राउंड केबलिंग की है। जिसके कारण अब खंबों में तारों के जाल से छुटकारा मिला है। अंडरग्राउंड केबलिंग से बिजली चोरी होने का भय भी अब दूर हो गया है। इसके साथ ही कई बार बिजली के इन तारों से दुर्घटना की संभावना भी बनी रहती थी,जो दूर हो चुकी है।

कई बार आंधी तूफान और बारिश की वजह से भी बिजली के तार प्रभावित होते थे। बिजली गुल होने की समस्या भी रहती थी।रायपुर स्मार्ट सिटी लिमिटेड के जनरल मैनेजर आशीष मिश्रा ने बताया कि आज से लगभग 100 साल पहले रायपुर में बसाहट शुरू हुई थी। धीरे-धीरे रायपुर नगर से महानगर में तब्दील होता जा रहा है। बसाहट के साथ ही जनसंख्या भी बढ़ी है।

रायपुर स्मार्ट सिटी जीएम आशीष मिश्रा ने कहा रायपुर स्मार्ट सिटी लिमिटेड और सीएसपीडीसीएल ने शहर के 7 भीड़भाड़ और व्यस्ततम वाले क्षेत्रों में अंडरग्राउंड केबलिंग का कार्य पूरा कर लिया है। शहर की सुंदरता और ब्यूटीफिकेशन को देखते हुए बिजली के तारों को अंडरग्राउंड केबलिंग किया गया है। बिजली खंबों पर लगे तार शहर की सुंदरता को प्रभावित कर रहे थे। ऐसे में शहर के घनी आबादी और पुरानी बसाहट वाले इलाकों में अंडरग्राउंड का केबलिंग का काम किया गया है। शहर में घनी आबादी और व्यस्ततम इलाकों में बुद्धेश्वर मंदिर से पुरानी बस्ती, लाखे नगर चौक से आमापारा, मालवीय रोड से ओसीएम चौक, दरगाह मालवीय रोड से जय स्तंभ चौक, फाफाडीह चौक, कालीबाड़ी चौक से बिजली ऑफिस चौक, बिजली ऑफिस चौक से निगम मुख्यालय इन सभी जगह पर जो पुराने बिजली खंबों पर बिजली के तार लटक रहे थे उन सभी को हटाकर अंडरग्राउंड केबलिंग किया गया है।

# कांग्रेस के वरिष्ठ नेता धींगरा ने दिया पार्टी से इस्तीफा

### ■ 6 वर्षों से समझ ही नहीं पा रहे थे कि वे कांग्रेस में हैं भी या नहीं

**दुर्ग।** दुर्ग के पूर्व महापौर स्वर्गीय गोविंद धींगरा के पुत्र और वरिष्ठ कांग्रेस नेता राजेश धींगरा ने कांग्रेस पार्टी से इस्तीफा दे दिया है। उनका परिवार पिछले 47 वर्षों से पार्टी की सेवा कर रहा था लेकिन पिछले 6 वर्षों से वह समझ ही नहीं पा रहे थे कि वे कांग्रेस में हैं भी या नहीं। इससे आहत होकर उन्होंने सोमवार को पार्टी की प्राथमिक सदस्यता से इस्तीफा दे दिया है।

राजेश धींगरा ने अपनी राजनीतिक यात्रा 1991 से 2000 के बीच अविभाजित मध्यप्रदेश में प्रदेश युवा कांग्रेस के महामंत्री के रूप में शुरू की थी। उन्होंने बताया कि उनके पिता, स्वर्गीय गोविंद धींगरा, 1977 में कांग्रेस में तब शामिल हुए थे, जब स्वर्गीय इंदिरा गांधी संकट के दौर से गुजर रही थीं। गोविंद धींगरा को स्वर्गीय संजय गांधी से भी प्रेरणा मिली और बाद में वह दुर्ग के महापौर बने।

उनका परिवार 47 वर्षों से निस्वार्थ भाव से कांग्रेस की सेवा करता रहा, लेकिन पिछले कुछ वर्षों से उनकी पार्टी में भारी उपेक्षा हो रही थी। उन्होंने बताया कि पिछले 6 वर्षों से वह समझ ही नहीं पा रहे थे कि वे कांग्रेस में हैं भी या नहीं। उनकी पार्टी से दूरी और उपेक्षा ने उन्हें इतना आहत किया कि अब उन्होंने कांग्रेस से खुद को पूरी तरह अलग करने का फैसला कर लिया। उन्होंने अपना इस्तीफा ईमेल के माध्यम से कांग्रेस के केंद्रीय और प्रदेश नेतृत्व को भेज दिया है। उनके इस फैसले से दुर्ग क्षेत्र में कांग्रेस के भीतर हलचल मच गई है, क्योंकि धींगरा परिवार कांग्रेस का एक अहम हिस्सा रहा है।

# ध्वनि प्रदूषण को लेकर हस्तक्षेप याचिका अगली सुनवाई 28 अक्टूबर को

### ■ शिकायत के लिए एक आनलाइन पोर्टल भी बनाने की मांग रखी

**रायपुर।** ध्वनि प्रदूषण को लेकर लगातार शिकायतों के बाद भी कोई गंभीर कार्रवाई नहीं हो रही है। मजबूरन कोर्ट के शरण में जाना पड़ रहा है,अब केवल न्यायपालिका पर ही भरोसा रह गया है। इसलिए सामाजिक कार्यकर्ता राकेश चौबे ने छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय बिलासपुर में ध्वनि प्रदूषण मामले पर एक हस्तक्षेप याचिका चीफ़ जस्टिस रमेश सिंन्हा के बेंच में दायर किया है ,जिसें माननीय बेंच ने हस्तक्षेप एप्लीकेशन के रूप में स्वीकार कर लिया है।

श्री चौबे ने बता कि उन्होंने वर्तमान में डीजे और ध्वनि प्रदूषण को लेकर मुख्य सचिव,छत्तीसगढ़ शासन,छत्तीसगढ़ पर्यावरण विभाग के सचिव,छत्तीसगढ़ पर्यावरण संरक्षण मंडल सदस्य सचिव एवं कलेक्टर रायपुर को लिखित शिकायत करते हुए अवगत कराया था कि माननीय सर्वोच्च न्यायालय और छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय के आदेश की अवमानना हो रही है।

इस विषय को लेकर एक याचिका माननीय उच्च न्यायालय बिलासपुर में दायर की जिसे कोर्ट ने

स्वीकार लिया है और इस पर अगली सुनवाई 28 .10 .2024 को होगी। पूर्व में एक पिटीशन नागरिक संघर्ष समिति के डॉक्टर राकेश गुप्ता ने भी फाइल की थी इस याचिका पर उन्होने हस्तक्षेप याचिका अपने एडवोकेट हिमांशु रस्तोगी के मार्फत से लगायी है और यह भी मांग की है कि दिल्ली की तर्ज पर छत्तीसगढ़ राज्य में भी शिकायत के लिए एक आनलाइन पोर्टल बनायी जाए। क्योंकि और भी राज्यों में इस तरह की व्यवस्थाएं हैं ,जिसे पिटीशन के मार्फत माननीय न्यायालय के सम्मुख रखा है। छत्तीसगढ़ में ध्वनि प्रदूषण को लेकर लगातार शिकायतें राज्य सरकार के पास भी पहुंच रही है,मगर कोई ठोस व गंभीर कार्रवाई नहीं होने से ऐसे तत्वों के हौसले बढ़े हुए हैं। आखिरकार न्यायालय जाना पड़ा और उन्हे पूर्ण विश्वास है कि न्यायालय के हस्तक्षेप से ही ठोस कार्रवाई होगी।

### 23 को जिला पुनर्वास समिति की बैठक

**रायपुर।** उद्योग मंत्री लखन लाल देवांगन के विशेष प्रयास से 23 अक्टूबर को उप मुख्यमंत्री और प्रभारी मंत्री अरुण साव की अध्यक्षता में जिला पुनर्वास समिति की बैठक जिला कलेक्ट्रेट कोरबा के सभाकक्ष में होगी। गौरतलब है की कोरबा जिला पुनर्वास समिति की बैठक पिछली बार 2017 में कटघोरा में हुई थी। तब लखन लाल देवांगन कटघोरा से विधायक और संसदीय सचिव थे। इस बैठक में भू विस्थापितों के पक्ष में कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए थे।

इसके बाद कांग्रेस सरकार में 5 साल में एक भी बैठक जिला पुनर्वास समिति की नहीं हो सकी थी।विधानसभा के मानसून सत्र में ध्यानाकर्षण के जवाब में मंत्री श्री देवांगन ने जल्द से जल्द बैठक कराने की घोषणा की थी। 23 अक्टूबर को उप मुख्यमंत्री और प्रभारी मंत्री अरुण साव की अध्यक्षता में दोपहर तीन बजे से समिति की बैठक होगी।

# लोहारीडीह बवाल पर कांग्रेस का कवर्धा में हल्ला बोल

## कांग्रेस के तमाम बड़े नेताओं ने गृह मंत्री विजय शर्मा का इस्तीफा मांगा

**कवर्धा।** छत्तीसगढ़ में सरकार बदलने के बाद पहली बार कांग्रेस ने कवर्धा में सबसे बड़ा आंदोलन किया। इस विरोध प्रदर्शन में पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल, पीसीसी चीफ दीपक बैज, कांग्रेस विधायक और प्रदेशभर के बड़े नेता और बड़ी संख्या कांग्रेस कार्यकर्ता रहे। विधायक कार्यालय का कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने घेराव किया।

कांग्रेस नेता और कार्यकर्ताओं ने कवर्धा के गांधी मैदान में विरोध प्रदर्शन किया। इस विरोध प्रदर्शन में पीसीसी चीफ दीपक बैज, पूर्व सीएम भूपेश बघेल और कांग्रेस के तमाम नेता मौजूद रहे। लोहारीडीह घटना में मारे गए शिवप्रसाद साहू की बेटियां भी इस विरोध प्रदर्शन में शामिल हुईं। कांग्रेस नेताओं ने साय सरकार पर इस दौरान

बड़ा हमला किया। पूर्व सीएम भूपेश बघेल ने कवर्धा के लोहारीडीह कांड को साय सरकार की नाकामी बताया।

पीसीसी चीफ दीपक बैज ने कहा छत्तीसगढ़ के इतिहास में यह बात लिखी जाएगी की बीजेपी सरकार की नाकामी से तीन लोगों की मौत हुई। मैं इस बच्ची के हौसले को सलाम करता हूं। गृह मंत्री को लोहारीडीह की घटना पर माफी मांगनी चाहिए। मृतक की बेटी ने हमेशा कहा है कि यह हत्या है। यहां हुई तीन मौतों के लिए गृह मंत्री जिम्मेदार है। अपनी नाकामियों को छिपाने के लिए गृह मंत्री कहां तक जा सकते हैं। यह यहां की जनता देख रही है।

बीते दिनों कवर्धा के लोहारीडीह अग्निकांड हत्या मामला और बिरकोना में हुए कोमल साहू मौत के मामले में कांग्रेस लगाातार छत्तीसगढ़ सरकार को घेर रही है। आज के कांग्रेस के प्रदर्शन में छत्तीसगढ़ कांग्रेस के सभी आला नेता मौजूद रहे। पीसीसी चीफ दीपक बैज और पूर्व सीएम भूपेश बघेल ने यहां हुई तीन मौतों के लिए साय सरकार को जिम्मेदार ठहराया है।

कवर्धा में कांग्रेस के विरोध प्रदर्शन को लेकर पुलिस अलर्ट मोड पर रही। यहां विधायक कार्यालय जाने वाले रास्तों पर बैरिकेडिंग की गई। प्रभारी एसपी धर्मेंद्र सिंह यहां की सुरक्षा व्यवस्था पर पैनी नजर बनाए हुए हैं।


## छत्तीसगढ़ शासन, वन विभाग, दन्तेवाड़ा वनमण्डल, दन्तेवाड़ा

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि जगदलपुर वृत्त के अन्तर्गत दन्तेवाड़ा काष्ठागार में नीचे दर्शाये अनुसार ईमारती नये/पुराने काष्ठ का नीलाम किया जावेगा।

1. नीलाम दिनांक – 29-10-2024
2. नीलाम स्थल का नाम – काष्ठागार दन्तेवाड़ा (आंवरामाठा)
3. डिपो का नाम जहां वनोपज रखी गई है – दन्तेवाड़ा आंवरामाठा दन्तेवाड़ा
4. नीलाम समय – 10:00 बजे पूर्वान्ह से

| प्रजाति | नयी काष्ठ | | | पुरानी काष्ठ | | |
|---|---|---|---|---|---|---|
| | नग | घ.मी. | बल्ली / डेंगरी | नग | घ.मी. | बल्ली / डेंगरी |
| सागौन | 313 | 54.683 | 17/7 | 907 | 77.936 | 116/103 |
| साल | 580 | 70.165 | 1/12 | 826 | 77.900 | 6/17 |
| बीजा | 119 | 18.078 | 0 | 261 | 28.201 | 2/2 |
| साजा | 4 | 0.626 | 4 | 17 | 1.520 | 29/2 |
| हल्दू | 0 | 0.000 | 0 | 2 | 0.464 | 4 |
| धावडा | 0 | 0.000 | 0 | 15 | 1.414 | 7 |
| तिन्सा | 0 | 0.000 | 2 | 1 | 0.106 | 0 |
| अन्य | 39 | 2.926 | 24 | 221 | 26.720 | 62/12 |
| सागौन चिरान | 0 | 0.000 | 0 | 123 | 1.747 | 0 |
| योग :- | 1055 | 146.478 | 48/19 | 2373 | 216.008 | 222/140 |

इच्छुक व्यापारी नीलाम में भाग लेने के पूर्व नीलाम शर्तें एवं विस्तृत जानकारियां अधोहस्ताक्षर कर्ता के कार्यालय से कार्यालयीन दिवस में प्राप्त कर सकते हैं। कृपया बोली लगाने के पूर्व नीलाम में रखी गई नये/पुराने ईमारती काष्ठ का श्रेणी को भली-भांति देख लेवें। वर्ष-2024 का व्यापार पंजीयन प्रमाण-पत्र एवं फर्म का पेन नम्बर / जी.एस.टी. नम्बर की प्रति नीलाम के दिन सत्यंकार राशि का भारतीय स्टेट बैंक, पंजाब नेशनल बैंक, यूनियन बैंक, बडौदा बैंक, देना बैंक, एक्सिस बैंक, सेन्ट्रल बैंक, चेक के साथ अनिवार्य रूप से सत्यंकार कक्ष में प्रस्तुत करना होगा। नीलाम में बोली लगाने के पूर्व सत्यंकार राशि जो एक हजार से कम नहीं होगी सत्यंकार अधिकारी के पास जमा करना अनिवार्य है।

वनमण्डलाधिकारी
दन्तेवाड़ा वनमण्डल, दन्तेवाड़ा

जी-242503342/9

# भागवत बहुत कम बोलते हैं, लेकिन दिन का चयन शानदार होता है

**पी. चिदम्बरम**

सरसंघचालक प्रमुख मोहन भागवत को समय का अद्भुत ज्ञान है। वे बहुत कम बोलते हैं, लेकिन दिन और अवसर का उनका चयन शानदार होता है। उनके शब्दों का चयन भी शानदार है, हालांकि मैंने उन्हें केवल अंग्रेजी अनुवाद में पढ़ा है। कई लोग उनके विचारों से पूरी तरह असहमत हैं और मैं हमेशा असहमत हूं , लेकिन कोई भी इस बात से सहमत नहीं हो सकता कि भागवत के भाषण ध्यान आकर्षित करते हैं, खासकर 2014 के बाद। उनके शब्दों को राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आर.एस.एस.) के आधिकारिक शब्दों के रूप में लिया जाता है। ऐसा संगठन की प्रकृति और संरचना के साथ-साथ सरसंघचालक, प्रमुख के रूप में उनकी स्थिति के कारण है। ऐसा माना जाता है कि आर.एस.एस. में प्रमुख के पास पूर्ण अधिकार होता है। इसलिए, भागवत के भाषणों को गंभीरता से लिया जाना चाहिए और हाल ही में, उन्हें गंभीरता से लिया गया है। लोकसभा चुनाव के नतीजे घोषित होने के कुछ समय बाद, जून 2024 में, भागवत ने एक भाषण दिया, जिसमें उनका मुख्य उद्बोधन था 'अहंकार त्यागो, विनम्रता का अभ्यास करो'। यह लोकसभा चुनाव के बाद उनका पहला सार्वजनिक संबोधन था और उन्होंने कहा-झूठ और अपमानजनक भाषा का इस्तेमाल करने वाले चुनावी भाषणों ने उस शालीनता का उल्लंघन किया है जिसका पालन पार्टियों से अपेक्षित है। आपका प्रतिद्वंद्वी कोई विरोधी नहीं है, वह केवल एक विरोधी दृष्टिकोण का प्रतिनिधित्व करता है। प्रतिद्वंद्वी की बजाय उन्हें विपक्ष कहें, विपक्ष की राय पर भी विचार किया जाना चाहिए, और एक सच्चा सेवक मर्यादा बनाए रखता है। उसके पास यह कहने का अहंकार नहीं होता कि 'मैंने यह काम किया'। इस भाषण की व्यापक रूप से व्याख्या पी.एम. मोदी और उनके चुनाव अभियान की ओर इशारा करते हुए की गई। अगला उल्लेखनीय भाषण जुलाई में था जिसमें श्री भागवत ने कहा था कि एक आदमी सुपरमैन बनना चाहता है, फिर देव, और फिर भगवान। यह स्पष्ट रूप से मोदी के इस दावे की अस्वीकृति थी कि उनका जन्म 'जैविक रूप से' नहीं हुआ था। यदि मोदी ने गर्भाधान, गर्भधारण और प्रसव से इंकार किया, तो क्या वे खुद को 'सृजन' कह रहे थे? और क्या भागवत यह संकेत दे रहे थे कि मोदी ने शायद कोई सीमा लांघी है? तीसरा भाषण विजयदशमी के दिन, 12 अक्तूबर 2024 को आर.एस.एस. के 100वें वर्ष में प्रवेश करने पर था। मैंने रिपोर्ट किए गए पाठ को अंग्रेजी में पढ़ा है। मुझे निराशा हुई, लेकिन आश्चर्य नहीं हुआ, कि भागवत ने आर.एस.एस. के स्थापित वैचारिक पदों पर वापसी की। उनके भाषण में धर्म, संस्कृति, व्यक्तिगत और राष्ट्रीय चरित्र, शुभता और धार्मिकता की जीत और आत्म-गौरव जैसे शब्द तथा वाक्यांश भरे पड़े थे। उन्होंने हमास और इसराईल के बीच संघर्ष का उल्लेख किया, लेकिन 43,000 मौतों का कोई उल्लेख नहीं किया; जम्मू-कश्मीर में चुनावों का उल्लेख किया, लेकिन नई सरकार को अपनी शुभकामनाएं नहीं दीं और मणिपुर के बारे में उन्होंने केवल इतना कहा कि वह 'अशांत' है। भागवत के भाषण का बाकी हिस्सा ठेठ मोदी-भाषण था। कैसे भारत एक राष्ट्र के रूप में मजबूत हुआ है, कैसे दुनिया हमारे सार्वभौमिक भाईचारे की भावना को स्वीकार कर रही है, और कैसे भारत की छवि, शक्ति, प्रसिद्धि और विश्व मंच पर स्थिति लगातार सुधर रही है। और भी बहुत कुछ था। देश को अस्थिर करने की कोशिशें जोर पकड़ रही हैं, उदार होने का दावा करने वाले देश दूसरे देशों पर हमला करने या उनकी लोकतांत्रिक रूप से चुनी गई सरकारों को अवैध या हिंसक तरीकों से उखाड़ फैंकने में संकोच नहीं करते, झूठ के आधार पर भारत की छवि को बदनाम करने की जानबूझकर कोशिश करते हैं, आदि। मोहन भागवत ने इन गंभीर आरोपों का कोई सबूत नहीं दिया। बांग्लादेश का जिक्र करते हुए, वे पूरे जोश में थे और उन्होंने 'हिंदू समुदाय पर अकारण क्रूर अत्याचार', 'हिंदुओं सहित सभी अल्पसंख्यक समुदायों के सिर पर लटकने वाली खतरे की तलवार' और 'बांग्लादेश से भारत में अवैध घुसपैठ और इसके कारण होने वाले जनसंख्या असंतुलन' की ओर इशारा किया।

# उमर अब्दुल्ला के सामने अनेक चुनौतियां

**प्रभु चावला**

आप अब्दुल्ला से कश्मीर को अलग कर सकते हैं, पर आप अब्दुल्ला को कश्मीर से नहीं निकाल सकते। पिछले हफ्ते जम्मू-कश्मीर के नये मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने एक्स पर पोस्ट किया- 'मैं वापस आ गया हूं।' मानो एक कश्मीरी श्वार्जनेगर टर्मिनेटर की भूमिका में है, जिसने अपने सियासी दुश्मनों को मिटा दिया है। ब्रिटेन में जन्मे 54 वर्षीय तीसरी पीढ़ी के अब्दुल्ला का पोस्ट एक आनुवांशिक निष्कर्ष था। अपने शपथ ग्रहण समारोह में उन्होंने शेरवानी और पायजामा पहनने की परंपरा का पालन किया, जो स्थानिकता, आनुवंशिकता और निरंतरता का संकेत था। उनकी राजनीतिक विरासत यह रेखांकित करती है कि वे केंद्रशासित प्रदेश (यानी स्वयं) के लिए अधिक शक्ति मांगें और पाकिस्तान के साथ बातचीत का समर्थन करें तथा यह भी कि जम्मू-कश्मीर अन्य राज्यों से अलग है। उमर भी अब अलग हैं। अनुच्छेद 370 को हटाये जाने के बाद वे भारतीय संविधान की शपथ लेने वाले जम्मू-कश्मीर के पहले मुख्यमंत्री हैं। शायद सत्ता से बाहर रहने ने उन्हें व्यावहारिक बनाया है। उन्होंने यह समझ लिया है कि उन्हें और उनकी पार्टी नेशनल कॉन्फ्रेंस को नयी राजनीतिक वास्तविकता के साथ जीना होगा।

उन्होंने एक नया कश्मीर संभाला है, जहां वास्तविक धर्मनिरपेक्षता और कश्मीरियत को जल्दी बहाल किया जाना चाहिए। अब्दुल्ला परिवार ने हमेशा कश्मीर के लिए अधिक स्वायत्तता की मांग की है। हालांकि वे घाटी के बेताज बादशाह हैं, जिन्होंने लोकतांत्रिक तरीके से डोगरा राजवंश की जगह ली है, लेकिन जम्मू में भगवा विचारधारा का बोलबाला है। आगे की गति और राजनीतिक शांति के लिए दोनों को मिलना होगा। इसके लिए उमर को अतिरिक्त प्रयास करना चाहिए। कश्मीर में 1990 से अब तक एक लाख से अधिक नागरिक और सुरक्षाकर्मी मारे गये हैं। इस बार मतदाताओं ने उमर को विकास और सम्मान के लिए बड़ा जनादेश दिया है। अपनी आधुनिक छवि और मुखर रवैये के बावजूद अब्दुल्ला जूनियर का सिंहासन कांटों से भरा है। उन्हें यथार्थवादी दृष्टिकोण अपनाना चाहिए और कार्यक्रम आधारित शासन सुनिश्चित करना चाहिए, जो अब तक मरणासन्न था।

*उमर भी अब अलग हैं। अनुच्छेद 370 को हटाये जाने के बाद वे भारतीय संविधान की शपथ लेने वाले जम्मू-कश्मीर के पहले मुख्यमंत्री हैं। शायद सत्ता से बाहर रहने ने उन्हें व्यावहारिक बनाया है। उन्होंने यह समझ लिया है कि उन्हें और उनकी पार्टी नेशनल कॉन्फ्रेंस को नयी राजनीतिक वास्तविकता के साथ जीना होगा।*

जम्मू-कश्मीर को किसी भी चीज से ज्यादा राजनीतिक और आर्थिक स्थिरता की जरूरत है। यह शायद एकमात्र ऐसा राज्य है, जहां 1951 से अब तक आठ मुख्यमंत्रियों के मुकाबले 11 बार राष्ट्रपति शासन लगाया गया है। यहां केंद्र सरकार का शासन सबसे अधिक समय रहा है। उमर के दादा शेख अब्दुल्ला, जो कश्मीर के पहले निर्वाचित मुख्यमंत्री थे, ने नेहरू के आदेश पर गिरफ्तार होने से पहले लगभग पांच साल तक शासन किया था। इसके बाद, दो कांग्रेसी मुख्यमंत्रियों बख्शी गुलाम मोहम्मद और गुलाम मोहम्मद सादिक ने छह से दस साल तक जम्मू-कश्मीर पर शासन किया।

तीनों अब्दुल्लाओं के नाम सबसे लंबे समय तक इस राज्य पर शासन करने का रिकॉर्ड है- कुल मिलाकर 34 साल। शेख अब्दुल्ला पहले कश्मीर के प्रधानमंत्री थे और उसके बाद चार अलग-अलग कार्यकालों में 17 साल से अधिक समय तक मंत्री रहे। शासन करने की कला उनकी रगों में है। परिवार सत्ता के व्याकरण और वैभव को जानता और समझता है। उमर ने अपनी दूसरी पारी की शुरुआत कुछ फायदों के साथ की है, पर चुनौतियां भी कम नहीं हैं। न केवल उनकी पार्टी को अपने दम पर लगभग बहुमत प्राप्त है, बल्कि वह अलगाववादी दबाव को नजरअंदाज करने का जोखिम उठा सकती है। त्रिशंकु विधानसभा की कोशिश कर रहीं लगभग सभी छोटी पार्टियों को करारी हार का सामना करना पड़ा है। महबूबा मुफ्ती की पार्टी निर्णायक रूप से हार गयी और अब वह घाटी का प्रतिनिधित्व भी नहीं करती है। अब्दुल्ला ने घाटी में लगभग तीन-चौथाई सीटों पर और जम्मू में लगभग आधा दर्जन सीटों पर कब्जा कर लिया। यहीं पर समस्या है। उमर की कट्टर प्रतिद्वंद्वी भाजपा ने जम्मू क्षेत्र में न केवल 29 सीटें जीतीं, बल्कि उसने सबसे अधिक वोट प्रतिशत (25.69) भी हासिल किया है, जो नेशनल कॉन्फ्रेंस (23.47) से अधिक है। कांग्रेस ने 12 प्रतिशत वोट के साथ मात्र छह सीटें जीती हैं।

उमर ने कुछ अच्छी बातों के साथ दूसरी पारी की शुरुआत की है। अपने दादा और पिता के पदचिह्नों पर चलते हुए उन्होंने एक आदिवासी हिंदू को उपमुख्यमंत्री बनाकर जम्मू क्षेत्र को उचित प्रतिनिधित्व दिया है। शेख के मंत्रिमंडल में एक-तिहाई कश्मीरी पंडित और अन्य हिंदू शामिल थे। नेशनल कॉन्फ्रेंस जम्मू क्षेत्र से भी सम्मानजनक संख्या में सीटें जीतती थी। इस बार जम्मू ने राज्य के भौगोलिक और प्रशासनिक ढांचे को बदलने की केंद्र सरकार की पहल के लिए मतदान किया। केंद्र राज्य का दर्जा बहाल करने के लिए प्रतिबद्ध है, पर अनुच्छेद 370 की वापसी की संभावना नहीं है।

अब्दुल्ला परिवार को यह एहसास हो गया है। मुख्यमंत्री बनने के तुरंत बाद उमर ने एक साक्षात्कार में स्वीकार किया- 'अनुच्छेद 370 को भूल जाओ और अन्य राज्यों को हासिल शक्तियों के साथ पूर्ण राज्य का दर्जा पाने के लिए लड़ो। हम जानते हैं कि आप इसे उस सरकार से वापस नहीं पा सकते, जिसने इसे छीन लिया है। इसलिए इसे अभी के लिए अलग रख दें।' अब मोदी को राज्य की सभी शक्तियों को वापस कर उदारता दिखानी चाहिए, जो 2019 और उसके बाद के प्रशासनिक आदेशों द्वारा छीन ली गयी थीं। जाहिर है कि उनका प्रयास अपने संघर्षग्रस्त राज्य का बेहतर प्रबंधन करना होगा, जो मोदी सरकार के साथ टकराव का विकल्प चुनने पर संभव नहीं हो सकता। उनसे उम्मीद की जाती है कि वे केंद्र पर दबाव डालेंगे कि पूर्ण राज्य का दर्जा बहाल किया जाए। उन्हें यह ध्यान में रखने की सलाह दी गयी है कि दिल्ली के अरविंद केजरीवाल के साथ क्या हुआ, जिन्होंने सीधे मोदी से मुकाबला करने की कोशिश की।

वैचारिक युद्धों को सुशासन का भाग्य तय नहीं करना चाहिए। उमर प्रधानमंत्री पद के कई उम्मीदवारों में से एक बनने की भ्रामक महत्वाकांक्षा से बाधित नहीं हैं। उनके लिए केंद्रीय शासन के दौरान जम्मू-कश्मीर में हुए विकास को बढ़ाना समझदारी होगी। केंद्र सरकार ने कई बुनियादी ढांचा परियोजनाओं के लिए उदारता से आवंटन किया है। वर्तमान में जम्मू-कश्मीर 28 अरब डॉलर के राज्य जीडीपी के साथ देश में 21वें स्थान पर है। उमर की प्राथमिकताएं जम्मू-कश्मीर में अधिक निवेश लाना, हस्तशिल्प और पर्यटन क्षेत्रों को पुनर्जीवित करना और सांप्रदायिक सौहार्द बनाना है। उन्होंने कश्मीरी पंडितों की वापसी का वादा किया है। उम्र उनके पक्ष में है।

**पुराण दिग्दर्शन .... तीसरा अध्याय**

## वेदपुराण-परम्पराध्यायः

**गतांक से आगे...**

अब यहां विचार करने का अवसर है कि उस प्राचीनतम वेदोपदेश युग में जब ऋषियों ने अपने शिष्यों को मन्त्रोपदेश से भी पूर्व विनियोगों का उपदेश दिया होगा तो उस समय में विनियोग-वर्णित देवताओं के चरित्र जानने की उत्कट लालसा क्या शिष्यवर्ग के हृदय में उत्पन्न न हुई होगी? कोई भी सहृदय विद्वान् इस प्रश्न के उत्तर में नहीं कहने की धृष्टता नहीं कर सकता। यह एक ऐसी स्वाभाविक जिज्ञासा है जो कि सर्वसाधारण के हृदय में नाम लेते ही उदित हो जाती है। विनियोग-वर्णित ऋषि देवताओं के नाम सुन कर उनके चरित्र जानने के लिए शिष्यों ने प्रश्न न किये हों और मन्त्रद्रष्टा ऋषियों ने उनके उचित उत्तर न दिये हों यह मानना उतना ही सच्चा हो सकता है जितना कि आकाश-कुसुम की माला पहन कर वन्ध्या-पुत्र का सविषाण शशक को मृगया में हनन करना। ऐसी दशा में हम तो संभाव्य- भविष्यत् की क्रियाओं का प्रयोग छोड़कर एकदम निश्चित रूप से कह देते हैं कि ऋषि देवताओं के चरित्र जानने की जिज्ञासा के उत्तर में गुरुजनों ने जो कुछ कथन किया था वही समस्त सम्वाद-समुदाय वर्तमान पुराणों की मौलिक सामग्री का विशिष्ट अंश है।

**विनियोगों की उपेक्षा से अनर्थ**- यहां कोई नरपुङ्गव यह भी कह सकता है कि जनाब ! आप जिस विनियोग-कल्पना की आधारशिला पर पुराणों की गगनचुम्बी अट्टालिका खड़ी करना चाहते हैं, वह आधारशिला ही इतनी दृढ़ नहीं है; क्योंकि विनियोग-ज्ञान के बिना भी मन्त्रार्थ का बोध हो सकता है और उससे यथेष्ट शिक्षा प्राप्त की जा सकती है। प्रत्यक्ष में भी स्वामी दयानन्द जी और उनके अनुयायियों द्वारा निर्माण किये हुये वेदभाष्य विनियोगों की कैद से उन्मुक्त होकर इतिकर्तव्यता की शिक्षा दे रहे हैं। तब फिर स्वाध्याय में विनियोगों का अडङ्गा लगाना व्यर्थ है।

**क्रमशः...**

# शहंशाह स्वामी रामतीर्थ का जीवन परिचय

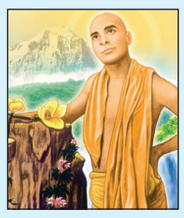

शहंशाह स्वामी रामतीर्थ—संन्यास से पूर्व स्वामी रामतीर्थ का नाम गोस्वामी तीर्थ राम था। इनका जन्म 22 अक्टूबर, 1873 को तत्कालीन पंजाब प्रांत के जिला गुजरांवाला के ग्राम मुरारीवाला में हुआ था, जो इस समय पाकिस्तान में है। इनके पिता का नाम था पंडित हीरालाल और माता का निहालदेई। पंडित हीरालाल की आर्थिक स्थिति अच्छी नहीं थी। उनके घर का खर्च धार्मिक संस्कारों (कर्मकांड) और खेती से उनके घर का खर्च चलता था। लेकिन तीर्थराम के जन्म के कुछ दिनों बाद ही उनकी माता का देहांत हो गया। इनका लालन-पालन किया इनके बड़े भाई गोंसाई गुरुदासमल और उनकी वृद्धा चाची ने। परंतु यहां कुछ लोगों का मानना है कि इस काम में उनकी बुआ श्रीमती धर्मकौर की महत्वपूर्ण भूमिका थी।

गोस्वामी तीर्थराम का संबंध कुछ लोग 'रामचरित मानस' के रचनाकार संत तुलसीदास जी से मानते हैं, जबकि कुछ के विचार से इसी नाम के एक और संत थे, जिनकी प्रसिद्धि उत्तरी-पश्चिमी सीमा पंजाब प्रांत में थी, जिनकी गद्दी 'चित्रल' के पास स्थित 'स्वाट' में थी। यहां, अपने पूर्वजों की गद्दी पर तीर्थराम अपने पिता के साथ समय-समय पर माथा टेकने जाया करते थे।

बालक तीर्थराम जब 5 वर्ष के हुए, तो इन्हें मुरारीवाला प्राइमरी स्कूल पढ़ने के लिए डाल दिया। यहां उनके शिक्षक को, जो मुस्लिम थे, इस बात का संकेत मिल गया था कि उनके पास पढ़ने वाला साधारण-सा दिखने वाला बालक अतिविशिष्ट व्यक्तित्व का धनी है। यह भविष्य में विशिष्ट व्यक्तित्व का धनी बनेगा।

सभी जानते हैं कि उस समय समाज में बाल-विवाह की प्रथा थी। इसके अनुसार कम आयु में ही बच्चों की शादी कर दी जाती थी। तीर्थराम के साथ भी ऐसा ही हुआ। उनका विवाह मुरारीवाला से 6-7 कोस की दूरी पर स्थित 'विरोके' ग्राम के एक ब्राह्मण परिवार की बेटी 'शिवो देवी' के साथ कर दिया गया।

गांव के स्कूल में शिक्षा पूर्ण हुई तो आगे की शिक्षा के लिए पिता ने तीर्थराम को गुजरांवाला के हाई स्कूल में भेज दिया। यहां उनका संपर्क भगत धन्ना राम से हुआ, जो तीर्थराम के पिता के मित्र थे। धन्ना जी की ख्याति लोगों में एक ऐसे सिद्ध पुरुष के रूप में थी, जिसके द्वारा कही गई बात पूरी हो जाती थी। इसीलिए लोग उन्हें 'रबजी' इस नाम से पुकारते थे।

तीर्थराम को भगत जी बाकी लोगों से थोड़ा भिन्न लगे। उनका आचरण संसारी व्यक्तियों का-सा नहीं था। इसलिए उन्होंने भक्त जी को अपना मार्गदर्शक गुरु स्वीकार कर लिया। मार्च सन् 1888 में तीर्थ राम ने मैट्रिक की परीक्षा पास की। पूरे प्रांत में उनका स्थान 38वां था। उन्हें छात्रवृत्ति नहीं मिली। उनके पिता नहीं चाहते थे कि उनका पुत्र अब आगे पढ़े। वह चाहते थे कि नौकरी करके वह उनका साथ दे। परंतु तीर्थराम अभी आगे और पढ़ना चाहते थे।

उन्होंने फॉरमैन क्रिश्चियन कॉलेज, लाहौर में इंटरमीडिएट की परीक्षा के लिए दाखिला ले लिया और इसी कॉलेज से बी.ए. और एम.ए. की परीक्षाएं पास कीं— 1890 में इंटरमीडिएट, 1893 में बी.ए. और 1895 में एम.ए.। इंटरमीडिएट में वे पंजाब प्रांत में 25वें, बी.ए. और एम.ए. में प्रांत में प्रथम आए थे। एम.ए. में उनका विषय गणित था।

# एससीओ में पाकिस्तान ने चली चाल

**मरिआना बाबर**

एक बार विदेश में आयोजित सार्क शिखर सम्मेलन में एक सार्क देश के वरिष्ठ विदेशी प्रतिनिधि ने मुझसे शिकायत की कि जब भी सार्क शिखर सम्मेलन होता है, तो इसे पाकिस्तान और भारत द्वारा %हाईजैक% कर लिया जाता है, क्योंकि सबकी निगाहें, खासकर मीडिया की, इन्हीं दोनों पड़ोसी देशों पर टिकी होती हैं और अन्य सार्क देशों को नजर अंदाज कर दिया जाता है!

यह बात इस बार भी सही साबित हुई, जब पहली बार यह खबर पाकिस्तान पहुंची कि भारत के विदेश मंत्री एस. जयशंकर शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) की बैठक में हिस्सा लेने के लिए इस्लामाबाद आ रहे हैं। मीडिया में इस बात को लेकर काफी उत्साह था, क्योंकि करीब एक दशक?बाद कोई भारतीय विदेश मंत्री पाकिस्तान का दौरा कर रहा था। इससे पहले दिवंगत सुषमा स्वराज 2015 में इस्लामाबाद आई थीं। मुझे याद है कि दिवंगत सुषमा स्वराज के साथ मेरी मुलाकात हमेशा सुखद होती थी, क्योंकि वह उर्दू कविताओं की बहुत अच्छी जानकार थीं और अतीत के महान उर्दू शायरों की कविताएं सुनाती थीं। वास्तव में एस.?जयशंकर तब उनके विदेश सचिव थे और उनके साथ यहां आए थे। हालांकि पाकिस्तान में इस बात को लेकर थोड़ा संदेह था कि हाल ही में भारत और कनाडा के बीच हुए विवाद के बाद जयशंकर एससीओ की बैठक में हिस्सा नहीं भी ले सकते हैं। इन सबके बावजूद उनका पाकिस्तान पहुंचना इस बात का बहुत मजबूत संदेश था कि भारत एससीओ की बैठक को कितना महत्वपूर्ण मानता है।

भारतीय विदेश मंत्री के पाकिस्तान आने से कुछ दिन पहले से ही अखबारों में लेख छपने लगे थे, जिनमें से कुछ में उन्हें संबोधित करते हुए भारत-पाकिस्तान संबंधों के भविष्य पर चर्चा की गई थी और कहा गया था कि भविष्य में द्विपक्षीय संबंधों में सुधार होना चाहिए। यही बात प्रमुख अखबारों के

संपादकीयों में भी दिखाई पड़ी, जिनमें दोनों देशों से भारतीय विदेश मंत्री की यात्रा का लाभ उठाने के लिए कहा गया। लेकिन दोनों देशों ने यह साफ कर दिया कि यह द्विपक्षीय यात्रा नहीं है और दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय वार्ता नहीं होगी। कई विशेषज्ञों ने भी जयशंकर के लिए संदेश दिए, जिनका मानना था कि कम से कम कुछ मुद्दों पर, जो इस महाद्वीप के लाखों लोगों के जीवन को प्रभावित करते हैं, बातचीत होनी चाहिए। पंजाब प्रांत की मुख्यमंत्री मरियम नवाज ने प्रस्ताव दिया कि पराली जलाने, धुआं और प्रदूषण, जो दोनों मुल्कों के पंजाब को एक ही मौसम में प्रभावित करते हैं, ऐसा मुद्दा है, जिस पर दोनों मुल्क तालमेल बना सकते हैं। विश्व बैंक के मुताबिक, दोनों मुल्कों के 1.5 अरब लोग अत्यधिक प्रदूषण से पीड़ित हैं।

एक अन्य प्रस्ताव यह था कि पाकिस्तान, जो अभी तक पोलियो से मुक्त नहीं हो पाया है तथा अकेले इस वर्ष वहां इसके 30 से अधिक मामले सामने आए हैं, वह भारत के अच्छे कार्यों से सीख सकता है, जिसने देश से पोलियो को सफलतापूर्वक समाप्त कर दिया है। इससे भारत के प्रति पाकिस्तानियों की दिलचस्पी का पता चलता है। अन्य देशों के प्रतिनिधियों में कोई ज्यादा दिलचस्पी नहीं दिखा रहा था। इसका प्रमुख कारण है कि अन्य एससीओ देशों के साथ पाकिस्तान का कोई लंबित मुद्दा नहीं है और किसी अन्य एससीओ देशों के साथ राजनयिक संबंध इतने खराब नहीं हैं। इन दोनों देशों का अभी न तो इस्लामाबाद और न ही नई दिल्ली में कोई स्थायी उच्चायुक्त है। एससीओ बैठक में हिस्सा लेने कई प्रधानमंत्री, विदेश मंत्री और अन्य वरिष्ठ गणमान्य आए थे, लेकिन कैमरा और मीडिया की दिलचस्पी केवल भारतीय विदेश मंत्री एस.जयशंकर में ही थी और यह समाचारों के कवरेज में भी दिखा।

अतिथियों के साथ विभिन्न देशों से मीडिया की बड़ी टीमें आई थीं, लेकिन केवल भारतीय पत्रकारों की ही पूछ थी। इसका कारण यह था कि दोनों देशों का मीडिया अपने देशों के सामने आने वाली चुनौतियों का विश्लेषण करने और उन पर बहस करने के लिए अच्छी तरह से सुसज्जित था। एस. जयशंकर और पाकिस्तान के शीर्ष नेतृत्व के बीच हुई बैठकों के नतीजों को देखें, तो यह बहुत सकारात्मक और निश्चित रूप से अच्छा था। इस्लामाबाद में जब भारतीय विदेश मंत्री एस. जयशंकर प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ द्वारा आयोजित औपचारिक रात्रिभोज के लिए गए, तो लाइव कवरेज में शरीफ को गर्मजोशी से हाथ मिलाने के लिए अपना हाथ बढ़ाते हुए दिखाया गया और अगली सुबह सम्मेलन के शुरू होने पर भी ऐसा ही हुआ, जब दोनों राजनेताओं ने कुछ गुफ्तगू की। सूत्रों के मुताबिक जब नेता लाउंज एरिया में मिले, तो जयशंकर ने कई पाकिस्तानी राजनेताओं से बातें भी कीं। रात्रिभोज के समय भी वह उप प्रधानमंत्री इशाक डार के बगल में बैठे थे और खाते हुए एक-दूसरे से बातें कर रहे थे। हालांकि भारतीय विदेश मंत्री द्वारा पाकिस्तानी प्रधानमंत्री एवं उप प्रधानमंत्री को उनके आतिथ्य और सौजन्यता के लिए ट्वीट करके धन्यवाद देने भर से दोनों मुल्कों के बीच जारी गतिरोध में कोई बदलाव नहीं आया।

पाकिस्तान में शहबाज शरीफ की इस बात के लिए आलोचना हो रही है कि उन्होंने उद्घाटन भाषण में जम्मू-कश्मीर का उल्लेख क्यों नहीं किया। सम्मेलन में अपने भाषण में जयशंकर ने पाकिस्तान का नाम लिए बिना भारत के रुख को दोहराया। उन्होंने पड़ोसियों के बीच ईमानदार बातचीत की ओर इशारा किया और इस बात पर जोर दिया कि आतंकवाद, अलगाववाद और उग्रवाद जैसे मुद्दों का समाधान क्षेत्रीय स्थिरता के लिए महत्वपूर्ण है।

गौरतलब है कि सम्मेलन में भारत ही एकमात्र ऐसा देश था, जिसने एससीओ घोषणापत्र पर प्रतिनिधियों द्वारा हस्ताक्षर किए जाने के समय चीन की वन बेल्ट ऐंड वन रोड परियोजना का समर्थन करने से इन्कार कर दिया था। मुझे लगता है कि यदि दोनों पक्षों में राजनीतिक इच्छाशक्ति है और यदि भारतीय विदेश मंत्री की यात्रा को वास्तव में सकारात्मक माना जा सकता है, तो द्विपक्षीय संबंधों को सामान्य बनाने का सबसे आसान तरीका दोनों उच्चायुक्तों और अन्य वरिष्ठ राजनयिकों की वापसी होगी। दोनों मुल्कों के अरबों नागरिक दोनों देशों के राजनीतिक मतभेदों के बंधक नहीं रह सकते। अब समय आ गया है कि दोनों मुल्क आपस में बातचीत शुरू करें।

## आज का इतिहास

1867 कोलंबिया के राष्ट्रीय विश्वविद्यालय की स्थापना की गयी।
1867 नेशनल यूनिवर्सिटी ऑफ कोलंबिया की आधारशिला रखी गई।
1875 अर्जेंटिना में पहले टेलीग्राफिक कनेक्शन की शुरुआत हुई।
1877 स्कॉटलैंड में ब्लेंटाइर खनन दुर्घटना में 207 खनिकों मारे गए।
1879 थॉमस एडिसन ने एक गरमागरम प्रकाश बल्ब (चित्र) में कार्बोफिलमेंट धागे का उपयोग करके एक सफल परीक्षण किया, जो उत्पाद के सबसे सफल संस्करण को प्रदर्शित करेगा।
1879 अमेरिकी खोजकर्ता थॉमस एडीसन ने एक उच्च प्रतिरोधक कार्बन फिलामेंट का पहला सफल प्रयोग किया।
1879 विश्व का पहला कार डीलर शोरूम लंदन में खुला।
1884 ग्रीनविच, लंदन में रॉयल ऑब्जर्वेटरी को देशांतर के मध्याह्न काल के सहायक के रूप में अपनाया गया था।
1895 ग्रानविले-पेरिस एक्सप्रेस ट्रेन ने बफर स्टॉप को पारपरिस के गारे मोंटपर्नासे स्टेशन पर रोक दिया, जो स्टेशन के बाहर होने वाले कॉन्सर्ट के दौरान ध्यान में रखते हुए और प्लेस डे रेनेस्सबेलोव पर गिरती है।
1895 पेरिस के गारे मोंटपर्नासे स्टेशन पर, एक एक्सप्रेस बफर स्टॉप को ओवररनिंग करने के बाद फंसी हुई है, जो एक दीवार के माध्यम से दुर्घटनाग्रस्त हो रही क्रॉसिंग को पार करती है और नीचे प्लाजा तक गिरती है ।
1897 दुनिया का पहला कार डीलर लंदन में खोला गया।
1907 एक बैंक चलाने ने न्यू यॉर्क की नाइकरबॉकर ट्रस्ट कंपनी को संचालन के लिए मजबूर किया, जिसने 1907 के आतंक को जन्म दिया।
1914 कांग्रेस . 3,000 से अधिक आय वाले घरों पर पहला कर अनिवार्य करते हुए राजस्व अधिनियम पारित करती है।
1918 प्रथम विश्व युद्ध का अंतिम चरण जर्मन सेना पर संयुक्त सेना के आक्रमण के साथ आरंभ हो गया।
1929 जेम्स स्कुलिन ऑस्ट्रेलिया के 9 वें प्रधानमंत्री बने।
1932 चार्ल्स डी ब्रोकविले बेल्जियम के प्रधान मंत्री बने।
1962 शीत युद्ध-यू.एस. राष्ट्रपति जॉन एफ। केनेडी ने घोषणा की कि क्यूबा में सोवियत परमाणु हथियारों की खोज की गई थी और उन्होंने द्वीप राष्ट्र के अवाँल %संगरोध% का आदेश दिया था।
1967 युद्ध-विरोधी प्रदर्शनकारियों ने पेंटागन पर धावा बोल दिया, लेकिन जल्द ही अमेरिकी मार्शल द्वारा वापस ले लिया गया।
1986 अमेरिकी राष्ट्रपति रीगन ने 1986 के कर सुधार अधिनियम पर हस्ताक्षर किए।
1998 संयुक्त राष्ट्र ने 1987 के बाद से युद्ध में 20 लाख निर्दोष बच्चों के मारे जाने की घोषणा की।

# कब तक कायम रहेगा जातिगत भेदभाव

**रोहित कौशिक**

हाल ही में सुप्रीम कोर्ट ने देश भर की जेलों में जाति के आधार पर कैदियों के कामकाज के विभाजन को मौलिक अधिकारों का हनन बताया है। सुप्रीम कोर्ट ने लगभग 11 राज्यों की जेल नियमावली के उन प्रावधानों को रद्द कर दिया, जिसके तहत कैदियों को उनकी जाति के आधार पर काम आबंटित किया जाता था और उन्हें अलग-अलग वार्डों में रखा जाता था। कुछ समय पहले सुप्रीम कोर्ट में दायर एक जनहित याचिका में यह दावा किया गया था कि हमारे देश की जेलों में कैदियों के साथ जातिगत भेदभाव होता है। सुप्रीम कोर्ट ने इसे गंभीरता से लेते हुए केंद्र सरकार सहित 11 राज्य सरकारों को इस मामले में नोटिस जारी किया था। इस याचिका में उदाहरणों के साथ बताया गया था कि देश की कई जेलों में खाना बनाने जैसे काम कथित ऊंची जातियों के कैदियों को सौंपा जाता है, जबकि झाड़ू लगाने और शौचालयों की सफाई करने जैसे काम कुछ खास निचली जातियों के कैदियों से कराए जाते हैं।

यह दुर्भाग्यपूर्ण ही है कि प्रगतिशील कहे जाने वाले इस युग में जातिगत भेदभाव की खबरें प्रकाश में आती रहती हैं। एक तरफ स्कूलों में बच्चों के साथ जातिगत भेदभाव किया जाता है तो दूसरी तरफ अपनी शादी में दलित दूल्हे को घोड़ी पर नहीं बैठने दिया जाता है। जाति हमारे समाज की एक बड़ी सच्चाई है जिसे चाहते हुए भी नाकारा नहीं जा सकता। तमाम समाज शास्त्रीय अध्ययनों एवं विमर्शों के बावजूद अपना अस्तित्व बचाए हुए है। जो लोग जातिविहीन समाज की बात करते हैं, वे एक तरह से सच्चाई को नकारते हैं। जाति हमारी रग-रग में इस तरह रच-बस गई है कि जातिविहीन समाज की रचना बहुत ही मुश्किल नजर आती है। कुछ बुद्धिजीवी जरूर जातिविहीन समाज की परिकल्पना में रंग भरते हुए नजर आते हैं लेकिन न ही तो हमारे राजनेता यह चाहते हैं कि जाति की दीवारें टूटें और न ही यह समाज चाहता है कि जाति अपने दायरे से बाहर निकलकर एक क्रांतिकारी बदलाव की शुरूआत करे।

जाति ,धर्म और सम्प्रदाय पुराने जमाने से

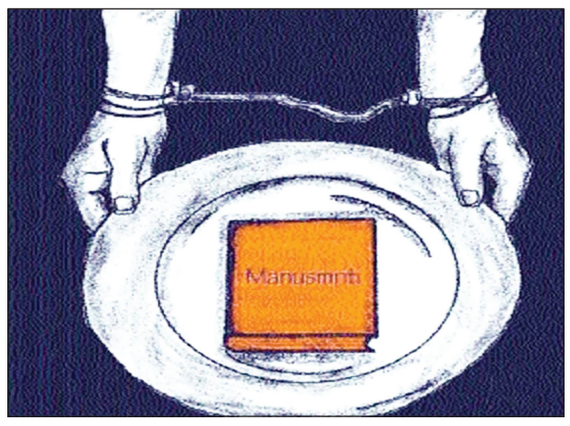


ही हमारे समाज को प्रभावित करते रहे हैं। पहले यह आशा व्यक्त की गई थी कि शायद शिक्षा का प्रचार-प्रसार होने के उपरान्त इस स्थिति में परिवर्तन आएगा लेकिन आज इस शिक्षित समाज में भी जाति और तीव्र एवं विकराल रूप में हमारे सामने उपस्थित है। जो बुद्धिजीवी यह कहते हैं कि इस दौर में जाति की दीवारें टूट रही हैं, वे इस समस्या को केवल ऊपरी तौर पर देखकर एक भ्रम में जी रहे हैं। यह सही है कि प्रेम विवाह करने वाले युगल जाति के बंधनों को तोड़कर अपनी गृहस्थी बसा रहे हैं। अलग-अलग जातियों से संबंध रखने के बावजूद अपने निहित स्वार्थ के लिए निजी तौर पर एक-दूसरे के प्रति उनका रवैया जरूर उदार रहता है। लेकिन एक-दूसरे की सम्पूर्ण जाति के प्रति उनका रवैया उदार नहीं रह पाता। इसलिए इस दौर में जाति अपने निहित स्वार्थों की पूर्ति करने का हथियार बन गई है। विभिन्न राजनेता और यह समाज अपने-अपने तौर-तरीकों से इस हथियार का इस्तेमाल कर रहे हैं। यही कारण है कि इस प्रगतिशील समाज में जो बुद्धिजीवी जाति के टूटने की आशा पाले बैठे हैं, उन्हें अन्ततः निराशा ही हाथ लग रही है।

एक समय मायावती ने जब 'तिलक,तराजू और तलवार, इनको मारो जूते चार' का नारा दिया था, तो उस समय भी वे जातिगत आधार पर संगठन और विघटन का शास्त्र गढ़ रही थीं। बाद में जब उन्होंने सर्वसमाज का नारा देकर ब्राह्मण रैलियां आयोजित कीं तो भी वे इसी शास्त्र में एक नया अध्याय जोड़ रही थीं। जातियों के इस खेल में कहीं भी अंदर से सामाजिक समरसता का भाव नहीं है। न ही तो ब्राह्मणों के मन में दलितों के प्रति सम्मान की भावना है और न ही दलित, ब्राह्मणों को कोई छूट देने के पक्षधर हैं। सभी राजनीतिक दल सामाजिक समरसता के नाम पर जाति की गेंद से खेल रहे हैं। इस सारे माहौल में बड़ा सवाल यह है कि यह कैसी सामाजिक समरसता है जिसमें जाति की दीवारें लगातार गहराती जा रही हैं। दरअसल इस दौर में सर्वसमाज और सामाजिक समरसता के नारों के बीच जातियां नए रूप में खड़ी हो रही हैं। जातियों के इस नए रूप में नए-नए गुण-अवगुण उभरकर सामने आ रहे हैं। आज सभी राजनीतिक दल यह कह रहे हैं कि वे जाति की राजनीति नहीं करते हैं लेकिन वास्तविकता यह है कि जाति राजनीतिक दलों की सबसे बड़ी कमजोरी है। अगर राजनीतिक दल सामाजिक समरसता के बैनर तले सभी जातियों पर अपना ध्यान केंद्रित कर रहे हैं तो समाज को उनकी इस रणनीति को समझना चाहिए।

दरअसल जब हम जाति-सेवा में लग जाते हैं तो हमारे अंदर समाज सेवा का भाव समाप्त हो जाता है। हम ज्यों-ज्यों अपनी जाति को मजबूत करने की कोशिश करते हैं, त्यों-त्यों यह समाज कमजोर होता चला जाता है और अन्ततः समाज में अलगाव की स्थिति पैदा होती है। जातिगत संगठन केवल अपनी जाति का गुणगान करते हुए अपनी जाति को सर्वश्रेष्ठ सिद्ध करने की होड़ में लग जाते हैं। इस होड़ में सेवा शब्द का अस्तित्व तो समाप्त हो ही जाता है, साथ ही होड़ के अवगुण भी पैदा हो जाते हैं। अब समय आ गया है कि जातिगत संगठन अपने क्रियाकलापों पर गंभीरता के साथ विचार करें। हम ब्राह्मण सभा, वैश्य सभा, जाट सभा और राजपूत सभा जैसे जातिगत संगठनों के बजाय इंसान सभा बनाने के बारे में कब सोचेंगे?

# भविष्य में अब केवल दो राजनीतिक दल आमने-सामने रहेंगे

**प्रो. दरबारी लाल**

भारत विश्व में सबसे बड़ा और श्रेष्ठ प्रजातांत्रिक पद्धति सम्पन्न राष्ट्र है जो स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनावों के लिए विशेष स्थान रखता है। हरियाणा और जम्मू-कश्मीर में नई सरकारें बन चुकी हैं। जम्मू-कश्मीर में धारा 370 हटाए जाने के पश्चात आतंकवाद तथा दहशतगर्दी से करीब-करीब निजात पा ली गई है और चुनावों में भारी संख्या में लोग विशेषकर महिला मतदाताओं ने अपने वोट का इस्तेमाल पूरी स्वतंत्रता के साथ किया। इस प्रदेश के बारे में जिस तरह के परिणामों के अनुमान लगाए जा रहे थे वह भी करीब-करीब उसी तरह के आए।

हरियाणा में पिछले 10 वर्षों से भाजपा अपने साथियों सहित शासन कर रही थी। इस चुनाव में सत्ता विरोधी लहर के कारण कांग्रेस के सत्ता में आने की उम्मीद थी। चुनाव से पहले करीब-करीब सारा मीडिया तथा समाचार पत्रों में कांग्रेस की जीत का ही जिक्र हो रहा था। कांग्रेस के शीर्ष और प्रदेश के नेताओं को यह पूर्ण विश्वास था कि इस बार हरियाणा में कांग्रेस अवश्य सत्ता पाने में कामयाब होगी। परंतु चुनाव परिणामों ने कांग्रेस के नेताओं और कार्यकर्त्ताओं को आश्चर्यचकित ही नहीं किया बल्कि हैरतअंगेज, ड्क्षचताजनक,असमंजसता की स्थिति में डाल दिया। भाजपा ने अपनी राजनीतिक एवं प्रशासनिक कमियों-कमजोरियों को दूर करने के लिए अपने मुख्यमंत्री को हटा कर एक नए चेहरे को मुख्यमंत्री के पद पर सुशोभित कर दिया। इस तरह उसने अपनी सत्ता विरोधी खामियों को दूर करने में शानदार नीति अपनाई। इस सच्चाई से इंकार नहीं किया जा सकता कि ठीक समय पर ठीक फैसला न करने से कभी भी आशानुरूप परिणाम नहीं निकलते। पिछले 10 वर्षों से हरियाणा प्रदेश कांग्रेस अपने संगठनात्मक ढांचे को मजबूत करने में बुरी तरह असफल रही है जिसके परिणामस्वरूप कई बूथों पर कांग्रेस कार्यकर्त्ता ही नदारद रहे। नेता जलसों में भीड़ जुटाने में तो कामयाब रहे परंतु भीड़ को वोटों में बदलने में बुरी तरह असफल रहे हैं।

संसदीय चुनाव में 5 सीटें जीतने पर वे अत्यधिक आत्मविश्वास के मायाजाल में फंस गए और चुनाव जीतने के लिए जितनी लगन और मेहनत से काम करना चाहिए था उसमें उदासीनता आ गई। कांग्रेस का 'आप' से समझौता न करना भी महंगा पड़ा। हकीकत में वह अपने राजनीतिक प्रतिद्वंद्वी के जाल में ही बुरी तरह फंस गई। इस चुनाव में क्षेत्रीय दलों का सफाया हो गया। 'आप' भी पूरी तरह हाथ मलती रह गई। चौधरी देवीलाल, चौधरी बंसीलाल, चौधरी भजनलाल और अन्य परिवारवाद के समर्थकों को भी भारी झटका लगा। कांग्रेस के शीर्ष नेतृत्व को अपने थिंक टैंक को लोक हितैषी और प्रगतिशील नीतियों के निर्माण के लिए पूरी तरह से पुनर्गठित करना चाहिए। रूढ़िवादी के स्थान पर विकास शील नीतियों को अपनाना होगा। कांग्रेस को डा. मनमोहन सिंह के 10 वर्षों के कार्यकाल में अपने संगठनात्मक ढांचे को मजबूत करने का सुनहरी अवसर मिला था जिसका पार्टी के नेताओं ने कोई फायदा नहीं उठाया।

वर्षा कितनी भी हो यदि डैम बनाकर पानी को रोका नहीं जाएगा तो बारिश का सारा पानी व्यर्थ हो जाएगा। कांग्रेसी नेताओं को आरामपरस्त होटल संस्कृति को त्याग कर जनसाधारण से रिश्ते कायम करने होंगे। चापलूसों और मौका परस्तों से सावधान रहना होगा। इंटक को पुनर्गठित करना होगा ताकि उद्योग क्षेत्र और कृषि क्षेत्र से संबंधित मजदूरों का एक विशाल ढांचा बनाया जा सके। आर.एस.एस. और सेवा दल करीब-करीब एक ही समय में अस्तित्व में आए थे। आर.एस.एस. की देश में अनगिनत शाखाएं हैं और लाखों सक्रिय सदस्य हैं, जबकि सेवा दल एक नाममात्र संगठन बनकर रह गया है। इसी तरह यूथ कांग्रेस, महिला कांग्रेस और अन्य संगठन भी अपनी भूमिका निभाने में बड़े कमजोर नजर आ रहे हैं। कांग्रेस में जब अति प्रभावशाली, कार्यकुशल और लोकप्रिय नेता पंडित जवाहरलाल नेहरू और श्रीमती इंदिरा गांधी थे तो वह राजनीतिक प्रतिकूल बहाव को भी बदल देते थे। अब समय बदल गया है । प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर एक अति प्रभावशाली नेता बनकर उभरे हैं।

भारत के भविष्य में अब अमरीका, इंगलैंड, कनाडा, आस्ट्रेलिया की तरह केवल 2 राजनीतिक दल आमने-सामने रहेंगे। एक भाजपा और दूसरी कांग्रेस। क्षेत्रीय दल धीरे-धीरे अपना वर्चस्व खो देंगे। नेताओं को लोगों के जज्बातों, महत्वाकांक्षाओं और आवश्यकताओं को समझने के लिए एक शे'र नजर करता हूं-

आदमी खुद को कभी यूं भी सजा देता है,
अपने दामन से खुद शोलों कों हवा देता है।
मुझे उस हकीम की हिकमत पर तरस आता है,
भूखे लोगों को जो सेहत की दवा देता है।

# 23 नवम्बर को एग्जिट पोल देखने की जहमत न उठाएं

**जूलियो रिबैरो**

मोदी सरकार 'एक देश, एक चुनाव' के अपने सपने को साकार करना चाहती है। भारत में भविष्य के लोकसभा चुनाव पूरे देश में राज्य विधानसभा चुनावों के साथ-साथ होंगे। फिर भी, जब महाराष्ट्र, हरियाणा, जम्मू और कश्मीर और छत्तीसगढ़ में 4 राज्य विधानसभाओं के चुनाव की योजना बनाई गई, तो चुनाव आयोग इन 4 को भी एक साथ नहीं करा सका। इसने जम्मू और कश्मीर और हरियाणा के चुनाव पहले कराए और महाराष्ट्र और छत्तीसगढ़ को अगले महीने के लिए टाल दिया!

मेरे राज्य में चुनाव की तारीखों की घोषणा 15 अक्तूबर की गई , ठीक उसी समय जब समय समाप्त हो रहा था। भाजपा के देवेंद्र फड़णवीस के नेतृत्व में महायुति सरकार ने बड़े-बड़े वादे करके राज्य के खजाने को खाली कर दिया है, जिन्हें पूरा करना असंभव या कम से कम मुश्किल होगा। इस बीच राज्य की राजधानी मुंबई और उसके आसपास अजीबो-गरीब चीजें हो रही हैं। एक पूर्व पुलिस आयुक्त अनामी रॉय द्वारा निर्वासित किए गए 'एनकाऊंटर स्पैशलिस्ट' की घटना अचानक फिर से सामने आई है। संजय शिंदे नामक एक महत्वाकांक्षी विशेषज्ञ, जिसने प्रदीप शर्मा नामक एक पुराने समय के अनुयायी के रूप में शुरूआत की थी, को उसके 'आरामदायक' क्षेत्र से बाहर निकाला गया और एक बाल-अपराधी को जेल से ठाणे कमिश्नरेट के अपराध शाखा कार्यालय तक ले जाने का काम सौंपा गया।

आरोपी को ले जा रहे पुलिस वाहन में हुई पुलिस मुठभेड़ ने इंस्पैक्टर शिंदे की 'मुठभेड़ विशेषज्ञ' बनने की इच्छा को फिर से जगा दिया। इसने उपमुख्यमंत्री की एक सख्त प्रशासक के रूप में साख को भी फिर से स्थापित किया क्योंकि अगले ही दिन ठाणे और मुंबई में फड़णवीस के पोस्टर हाथ में

रिवॉल्वर या पिस्तौल लिए हुए दिखाई दिए! यह महायुति गृह मंत्री की ताकत और अजेयता के आभामंडल में जनता का विश्वास बहाल करने के लिए था। मध्यम वर्ग के नागरिक विशेष रूप से तब खुश होते हैं जब उन्हें लगता है कि त्वरित न्याय दिया गया है। उन्हें यह एहसास नहीं है कि इससे कानून लागू करने वाली एजैंसियों में भी अपराध बढ़ता है और इसके सदस्यों को कानून तोडने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है। फिर यह बीमारी अपराधियों के बीच फैलती है क्योंकि दोनों एक साथ रहते हैं।

कांग्रेस के एक पुराने नेता की हत्या ने मुंबई शहर के राजनीतिक वर्ग को झकझोर कर रख दिया है, जो हाल ही में एन.सी.पी. (राष्ट्रीय कांग्रेस पार्टी) के अजीत-पवार गुट में शामिल हो गए थे, जो कि भाजपा से जुड़ा एक गुट है। हत्या के शिकार हुए व्यक्ति 'बाबा' सिद्दीकी की शनिवार शाम को उनके अपने शिकारगाह बांद्रा में गोली मारकर हत्या कर दी गई। पुलिस ने 2 संदिग्धों को हिरासत में लिया है, जिनमें से एक हरियाणा और दूसरा यू.पी. का रहने वाला है। बताया जाता है कि वे लॉरैंस बिश्नोई गिरोह से जुड़े हैं, जिसकी उत्पत्ति पंजाब में हुई थी और जो पहली बार देश के ध्यान में तब आया जब इस गिरोह पर पंजाब के मानसा जिले में अपने ही गांव में एक लोकप्रिय पंजाबी गायक सिद्धू मूसेवाला की हत्या का आरोप लगा। उनके निशाने पर अभिनेता सलमान खान थे। राजनेता सिद्दीकी सलमान के बांद्रा स्थित घर में नियमित रूप से आते-जाते थे। कुछ लोगों का कहना है कि लारैंस द्वारा सिद्दीकी को निशाना बनाने का यह भी एक कारण हो सकता है।

कम कर्मचारियों वाले पुलिस बल को अपराध को रोकने और उसका पता लगाने तथा सड़कों पर व्यवस्था बनाए रखने की अपनी निर्धारित भूमिका निभाने में काफी परेशानी होगी। उनकी ड्क्षचताओं को और बढ़ाने के लिए पुलिस को मृत राजनेता का राजकीय अंतिम संस्कार करने का आदेश दिया गया। इसमें कोई संदेह नहीं है कि सिद्दीकी बांद्रा की झुग्गियों में मुस्लिम मतदाताओं के बीच लोकप्रिय थे। फिर भी, व्यक्तिगत रूप से मुझे यकीन नहीं है कि बाबा सिद्दीकी भी अपने सह-धर्मियों को भाजपा द्वारा संचालित महायुति में शामिल होने के लिए राजी कर पाते। संदिग्ध मवेशी व्यापारियों और गोमांस खाने वालों की नियमित रूप से हत्या और हिंदू लड़कियों से प्यार करने वाले मुस्लिम युवकों का पीछा करने(लव जिहाद) ने भाजपा के खिलाफ लगभग पूरे मुस्लिम वोट को एकजुट कर दिया है।

राज्य की विधानसभा के चुनाव करीब आने वाले हैं। विपक्षी एम.वी.ए. (महा विकास आघाड़ी) कुछ महीने पहले आगे थी। महायुति की 'लाडकी बहन' योजना, जिसके तहत कई गरीब महिलाओं को इस महीने उनके बैंक खातों में 6000 रुपए की 4 महीने की एकमुश्त राशि मिली है, साथ ही वादा किया गया है कि अगर वे महायुति को वोट देंगी तो यह राशि दोगुनी हो जाएगी, ने सत्ताधारी पार्टी के पक्ष में माहौल बदल दिया है। पहले जो अंतर था, वह अब खत्म हो गया है। एक आखिरी सलाह। 23 नवम्बर को एग्जिट पोल देखने की जहमत न उठाएं। भारत के मतदाताओं ने पोल करने वालों को धोखा देना सीख लिया है।

# नए भाजपा अध्यक्ष की खोज

**राहिल नोरा चोपड़ा**

भाजपा ने नए पार्टी अध्यक्ष के चुनाव के लिए संगठनात्मक चुनावों की प्रक्रिया शुरू कर दी है, जिसमें के. लक्ष्मण को राष्ट्रीय चुनाव अधिकारी नियुक्त किया गया है। भाजपा की राष्ट्रीय कार्यकारिणी समिति (एन.ई.सी.) के निर्णय के बाद, पार्टी अध्यक्ष जे.पी. नड्डा ने आगामी राष्ट्रव्यापी संगठनात्मक चुनावों के लिए लक्ष्मण का समर्थन करने के लिए पार्टी उपाध्यक्ष रेखा वर्मा और सांसद संबित पात्रा और नरेश बंसल को सह-चुनाव अधिकारी नियुक्त किया है। नड्डा जनवरी 2020 से पार्टी का नेतृत्व कर रहे हैं और उनके प्रतिस्थापन के चुनाव की प्रक्रिया को सुविधाजनक बनाने के लिए उनका 3 साल का कार्यकाल बढ़ाया गया था। पार्टी संविधान के अनुसार, आम सहमति से चुने जाने के बाद राष्ट्रीय अध्यक्ष का कार्यकाल 3 साल का होता है, जबकि भाजपा का 'थिंक टैंक' ओ.बी.सी. या एस.सी. राष्ट्रीय अध्यक्ष बनाने को उत्सुक है क्योंकि इसके कारण उन्हें उत्तर प्रदेश, बिहार और दिल्ली में अपनी ताकत बढने की उम्मीद है।

भाजपा का जोर अब उत्तर प्रदेश पर है जहां लोकसभा चुनाव में भगवा पार्टी केवल 32 सीटें हासिल करने में सफल रही थी। यू.पी. में हार भगवा पार्टी के लिए एक बड़ा झटका थी। इसके शीर्ष नेताओं जिनमें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और यू.पी. के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ शामिल थे, ने राज्य भर में दर्जनों चुनावी रैलियों को संबोधित किया था। पार्टी प्रमुख पद के लिए जिन नामों की चर्चा चल रही है उनमें भूपेंद्र यादव और भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव दुष्यंत कुमार गौतम शामिल हैं।

निगाहें अब महाराष्ट्र चुनाव पर = महाराष्ट्र 20 नवंबर को मतदान और 23 नवंबर को मतगणना के लिए तैयार है। महा विकास अघाड़ी की निगाहें फिर से शरद पवार और पश्चिमी महाराष्ट्र की 70 सीटों पर टिकी होंगी, जिन्हें राज्य का चीनी का कटोरा कहा जाता है। इस क्षेत्र पर लंबे समय से कांग्रेस और एन.सी.पी. का दबदबा रहा है, जो सहकारी क्षेत्र को नियंत्रित करते हैं, चाहे वह सहकारी चीनी मिलें हों, कपास मिलें हों, डेयरी और कृषि उत्पाद हों, क्रैडिट सोसायटी हों या बैंक हों।

महाराष्ट्र ऑटोमोबाइल, आई.टी. और कृषि उद्योग का भी केंद्र है जो पुणे, सतारा, सांगली, कोल्हापुर, सोलापुर और अहमदनगर में फैला हुआ है। 2019 के

विधानसभा चुनाव में शरद पवार के नेतृत्व वाली एन.सी.पी. ने 27 सीटें जीतीं, भाजपा ने 20 सीटें, कांग्रेस ने 12 और अन्य 5 सीटें अविभाजित शिवसेना के खाते में गईं। हालांकि, इस चुनाव में एन.सी.पी. में शरद पवार और अजित पवार के बीच विभाजन से एक अधिक जटिल तस्वीर देखने को मिली। दोनों ही सत्ता को मजबूत करने और क्षेत्र में प्रभाव बढ़ाने का प्रयास कर रहे हैं। इस साल की शुरूआत में लोकसभा चुनाव में अजित की पत्नी सुनेत्रा पवार बारामती में सुप्रिया सुले से हार गई थीं। मराठा आरक्षण, कृषि संकट और उप-राष्ट्रवाद विधानसभा चुनाव में प्रबल मुद्दे होंगे और यह पश्चिमी महाराष्ट्र में शरद पवार और अजित पवार के लिए असली परीक्षा होगी।

उत्तर प्रदेश की 9 विधानसभा सीटों पर उपचुनाव = चुनाव आयोग ने 13 नवंबर को उत्तर प्रदेश की 9 विधानसभा सीटों पर उपचुनाव की घोषणा की है, लेकिन इंडिया गठबंधन की सहयोगी कांग्रेस और सपा अभी तक सीट बंटवारे के समझौते पर नहीं पहुंच पाई हैं। सोमवार को दोनों दलों के शीर्ष नेतृत्व के बीच बैठक हुई, जिसमें कांग्रेस अब 3 सीटों की मांग कर रही है, लेकिन सपा रिश्ता बचाने के लिए गाजियाबाद और खैर जैसी 2 सीटों से ज्यादा देने को तैयार नहीं है। प्रदेश अध्यक्ष अजय राय और अन्य कांग्रेस नेताओं ने उपचुनावों के लिए टिकट वितरण की चिंताओं को कम करके सपा के साथ गठबंधन के महत्व पर जोर दिया। दोनों पार्टियां मुस्लिम और दलित मतदाताओं को अपने पक्ष में करने की होड़ में हैं, खासकर फूलपुर, मीरापुर और मझवां जैसी सीटों पर। इन उपचुनावों के नतीजे 2027 के विधानसभा चुनावों से पहले राजनीतिक परिदृश्य को आकार दे सकते हैं। सपा प्रमुख अखिलेश यादव और कांग्रेस के वरिष्ठ नेता राहुल या प्रियंका गांधी द्वारा सीट बंटवारे के मुद्दे पर कोई फैसला लिए जाने के बाद ही अंतिम फैसला होने की उम्मीद है।

झारखंड में एन.डी.ए.और इंडिया ब्लॉक के बीच सीधा मुकाबला = झारखंड विधानसभा चुनाव में झामुमो के नेतृत्व वाले इंडिया ब्लॉक और भाजपा के नेतृत्व वाले एन.डी.ए. के बीच सीधा मुकाबला है। हालांकि दोनों गठबंधनों ने अभी तक सीट बंटवारे की व्यवस्था को अंतिम रूप नहीं दिया है। झामुमो ने मैया सम्मान योजना को अपने अभियान का केंद्रबिंदू और आकर्षण बनाया है और इसकी अगुवाई गांडेय की विधायक और मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की पत्नी कल्पना सोरेन कर रही हैं।

अगस्त में शुरू की गई इस कल्याणकारी योजना के तहत वंचित समुदायों की 18 से 50 वर्ष की महिलाएं अब हर महीने 2500 रुपए प्राप्त करने की पात्र होंगी। (14 अक्तूबर को कैबिनेट ने राशि 1000/- से बढ़ा दी है) यह सुनिश्चित करने के लिए कि लोग योजना से परिचित हों और जमीनी स्तर से फीडबैक प्राप्त करें। सोरेन सरकार ने 23 सितंबर को मैया सम्मान यात्रा शुरू की, ताकि 2 अक्तूबर को संपन्न हुई भाजपा की परिवर्तन यात्रा का मुकाबला किया जा सके।

अब एन. चंद्रबाबू नायडू ने भी जाति जनगणना का समर्थन किया = विपक्ष के नेता राहुल गांधी लगभग 90 प्रतिशत आबादी के सिस्टम से बाहर होने की समस्या को दूर करने के लिए एक राष्ट्रव्यापी जाति जनगणना की गंभीर वकालत कर रहे हैं। उनका तर्क है कि यह जनगणना प्रभावी नीति निर्माण के लिए आवश्यक है क्योंकि इससे दलितों, ओ.बी.सी. और आदिवासियों सहित विभिन्न समुदायों की सामाजिक-आर्थिक स्थितियों की पहचान करने में मदद मिलेगी। वह केंद्र पर राष्ट्रव्यापी जाति सर्वेक्षण कराने का दबाव बना रहे हैं। अब आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू, जो भाजपा के प्रमुख सहयोगी रहे हैं, ने भी जाति जनगणना का समर्थन करते हुए कहा है कि लोगों की भावनाओं का सम्मान करने के लिए ऐसा किया जाना चाहिए। भाजपा के सहयोगी अजित पवार, चिराग पासवान और अनुप्रिया पटेल ने भी राष्ट्रव्यापी जाति जनगणना की वकालत की है। इस बीच बिहार के विपक्ष के नेता (एल.ओ.पी.) तेजस्वी यादव ने बिहार के लिए विशेष दर्जे को लेकर मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की आलोचना की।

# पंजाब में शैडो मंत्रिमंडल की जरूरत

**इकबाल सिंह चन्नी**

इतिहास गवाह है कि जब किसी सरकार को प्रचंड बहुमत मिलता है तो वह सरकार आमतौर पर अपने मन मुताबिक फैसले लेने में तत्पर रहती है, भले ही वे फैसले जनहित में न हों। प्रचंड बहुमत के कारण सरकार को कोई भी निर्णय लेने में किसी बाधा का सामना नहीं करना पड़ता और वह विपक्षी दलों से चर्चा किए बिना ही कानून पारित कर देती है। सरकार अपने इन फैसलों को जनता के सामने सही ठहराने के लिए जनसंपर्क विभाग की मदद लेती है और काफी हद तक इस मकसद में सफल भी होती है। ऐसा करने के लिए दुनिया के कई देशों में सरकार के कामकाज के तरीकों को जांचने और संतुलित करने के लिए छाया कैबिनेट की प्रथा लागू की गई है और भारत में भी इस प्रथा का पालन किया जा रहा है, हालांकि यह प्रणाली अभी तक भारत में केवल राज्यों में ही लागू किए जाने की परम्परा है और आज की स्थिति में पंजाब में भी ऐसी प्रथा लागू करना जरूरी हो गया है। पंजाब में शैडो कैबिनेट बनाने की जरूरत के बारे में बात करने से पहले यह जानना जरूरी है कि शैडो कैबिनेट (छाया मंत्रिमंडल ) किसे कहते हैं और इसकी शुरूआत कब और कैसे हुई थी। छाया मंत्रिमंडल को परिभाषित करने के लिए यह कहा जा सकता है कि आमतौर पर सरकार के विपक्ष के नेता (एल.ओ.पी.) अपनी पार्टी के संसद या विधानसभा के वरिष्ठ सदस्यों को छाया मंत्री के रूप में नियुक्त करते हैं। इसके अलावा, सरकार के प्रत्येक विभाग के कामकाज की जांच करने, नीतियों की समीक्षा करने, सरकार को जवाबदेह ठहराने और सरकार की आलोचना करने के लिए सरकारी मंत्रियों के बराबर नागरिक समाज के लोगों, गैर-सरकारी संगठनों और बुद्धिजीवियों का एक समूह होता है। नियुक्त छाया मंत्रियों के समूह को छाया मंत्रिमंडल कहा जाता है। छाया मंत्रिमंडलों की शुरूआत 1836 से मानी जा सकती है जब ब्रिटेन के सर रॉबर्ट पील ने लॉर्ड मेलबर्न की सरकार के कामकाज के तरीकों का विरोध करने के लिए अपनी पिछली सरकार के मंत्रियों को छाया मंत्री के रूप में नियुक्त किया था। भारत में छाया मंत्रिमंडल का गठन 2005 में महाराष्ट्र में शुरू हुआ जब भाजपा और शिवसेना के गठबंधन ने एन.सी.पी.और कांग्रेस सरकार के कामकाज की निगरानी के लिए एक छाया मंत्रिमंडल का गठन किया। 2014 में कांग्रेस ने मध्य प्रदेश में, 2015 में गोवा में एक एन.जी.ओ. ने, 2018 में केरल में सिविल सोसाइटी ने, 2020 में बिहार के बुद्धिजीवियों ने भी ऐसी ही शैडो कैबिनेट बनाई। सबसे ताजा उदाहरण ओडिशा का है जहां पूर्व मुख्यमंत्री नवीन पटनायक ने कुछ महीने पहले अपनी पार्टी के 50 विधायकों की छाया कैबिनेट बनाई थी। अब बात करते हैं पंजाब में शैडो कैबिनेट बनाने की जरूरत की। जैसा कि पाठक जानते हैं पंजाब की आम आदमी पार्टी सरकार के पास प्रचंड बहुमत है। जिसके कारण सरकार के लिए कोई भी कानून बनाना मुश्किल नहीं होता है और सरकार विपक्षी विधायकों और अन्य संगठनों के प्रतिनिधियों को सरकार की गतिविधियों और नीतियों के बारे में पूरी जानकारी नहीं देती है और सरकार जो बताना चाहती है वह जनता को परोसा जाता है और इससे विरोधियों को सरकार के कामकाज के बारे में पता नहीं चल पाता कि सरकारी विभाग ठीक से काम कर रहे हैं या नहीं। सरकार विधानसभा का सत्र भी केवल कानूनी उद्देश्यों के लिए कुछ दिनों के लिए बुलाती है और उसका अधिकांश समय शोर-शराबे, बहिष्कार या अध्यक्ष द्वारा सत्र स्थगित करने, विपक्ष को सरकार द्वारा प्रस्तुत विधेयकों को पढने की अनुमति देने के कारण व्यतीत होता है। सदन में और इसके बारे में सोचने का समय नहीं है। इन कारणों से, पंजाब में एक छाया कैबिनेट की आवश्यकता महत्वपूर्ण हो जाती है क्योंकि यह विपक्ष को सरकार की नीतियों की जांच करने और विरोध करने का एक प्रभावी तरीका प्रदान करती है और इससे विपक्ष और सत्तारूढ़ दलों दोनों को लाभ होता है। शैडो कैबिनेट लोकतांत्रिक प्रक्रिया को आगे बढ़ाने में एक महत्वपूर्ण कड़ी के रूप में कार्य करती है क्योंकि शैडो कैबिनेट के माध्यम से विपक्षी विधायकों को नेतृत्व का अनुभव मिलता है और उन्हें भविष्य की सरकार में मंत्री बनने के लिए खुद को तैयार करने का अवसर मिलता है। यह प्रथा जहां विपक्ष को मजबूत करती है वहीं यह सरकार के लिए भी फायदेमंद है क्योंकि इससे विपक्ष की केवल सरकार का विरोध करने की समस्यात्मक प्रवृत्ति पर रोक लगती है और सरकार भी अपनी नीतियां बनाते समय छाया मंत्रिमंडल के सुझावों से मार्गदर्शन ले सकती है।

# ईश्वर से मिलना है, तो संत ही हमें प्रभु के मार्ग पर अग्रसर करते हैं

एक बात बड़ी विचित्र लगी, कि माता पार्वती जी से विवाह तो भगवान शंकर को ही करना है। ऐसे में वे स्वयं परीक्षा लेने क्यों नहीं जाते हैं। भला संतों को बीच में डालने की क्या आवश्यक्ता है। केवल भगवान शंकर ही नहीं, अपितु माता पार्वती जी भी संत नारद जी के कहने पर ही, भगवान शंकर के परिणय सूत्र में बँधने के लिए ही, इतना कठिन तप करने वनों में आई थी। अर्थात वे भी अगर ईश्वर से मिलने को आतुर हुई, तो बीच में संतों को रखा। इसका बड़ा सुंदर अर्थ है। अर्थात संसार में अगर ईश्वर से मिलना है, तो संत ही हमें प्रभु के मार्ग पर अग्रसर करते हैं। उधर ईश्वर को भी जब यह समाचार मिलता है, कि कोई भक्त हमसे मिलने के लिए प्रयास कर रहा है, तो वे भी बीच में संतों को ही रखते हैं। कारण कि परमात्मा से मिलन करना है, तो बिना संतों महापुरुषों के संभव ही नहीं है।

स्मरण रखें! भगवान शंकर सप्तऋर्षियों से यही कहते हैं, कि जाकर देखो तो, जो भक्त हमारी प्राप्ति के लिए इतना कठिन तप व त्याग कर रहा है, उसका प्रेम, निष्ठा व विश्वास हमारे प्रति कितना है? कहीं ऐसा तो नहीं, कि किसी ने हमारे प्रति चार शब्द कहे, और वह तप करने के लिए निकल पड़े। सप्तऋर्षियों ने जाकर माता पार्वती जी से यही प्रश्न पूछा, कि आप इतना भयंकर तप क्योंकर कर रही हैं? तो माता पार्वती जी ने कहा, कि हे सप्तऋर्षियो! आप मेरी बात सुन कर हँसेगे। क्योंकि मैंने श्रीनारद जी के उपदेस पर, भगवान शंकर को पति रुप में पाने की हठ कर ली है। पर्वत की पुत्री हुँ, तो स्वभाववश मेरी हठ भी पत्थर की ही भाँति कठोर है। सप्तऋर्षि बोले, कि शैलकुमारी! आप भी न बस किसकी बातों में आ गई। भला आज तक नारद जी की बातों में आकर किसी का भी घर बसा है? प्रजापति दक्ष के पुत्रें का अच्छा भला घर बसने को था। वे सब विवाह बँधन में बँधने को तैयार ही थे। लेकिन बीच में श्रीनारद जी आ गये। परिणाम यह हुआ, कि दक्ष के सभी पुत्र संन्यास को प्राप्त हो गये। चित्रकेतु के घर को श्रीनारद जी ने ही चोपट किया था। हिरण्यकशिपु का पुत्र भक्त प्रहलाद भी तो श्रीनारद जी के पीछे लग कर ही अपने पिता का बैरी बना। कह सकते हैं, कि पिता-पुत्र में शत्रु भाव की उत्पत्ति श्रीनारद जी के कारण ही हुई। हे पार्वती! जो स्त्री-पुरुष श्रीनारद जी की सीख का पालन करते हैं, वे घर बार छोड़ कर अवश्य ही भिखारी बन जाते हैं। चलो माना कि आपने श्रीनारद जी के वचनों पर चलने की ठानी है। किंतु इतना तो सोच ही लिया होता, कि जिसे वे आपको दूल्हे के रुप में चुन रहे हैं, वह कोई गुणी ज्ञानी तो हो। कारण कि जिसे आप पति रुप में चुन रही हैं, वह स्वभाव से ही उदासीन, गुणहीन, निर्लज्ज, बुरे वेषवाला, नर-कपालों की माला पहनने वाला, कुलहीन, बिना घर-बार का, नंगा और शरीर पर साँपों को लपेटे रखने वाला है-

**'तेहि कें बचन मानि बिस्वासा।**
**तुम्ह चाहहु पति सहज उदासा।।**
**निर्गुन निलज कुबेष कपाली।**
**अकुल अगेह दिगंबर ब्याली।।'**

माता पार्वती जी सप्तऋर्षियों के वचनों को आराम से श्रवण कर रही हैं। क्योंकि संतों के वचनों को बीच में काट कर बोलना, कभी भी उचित नहीं होता है। सप्तऋर्षियों को लगा, कि माता पार्वती जी के मुख मंडल पर भय के कोई चिन्ह ही नहीं आ रहे। तब उन्होंने माता पार्वती को वह बात कही, जिसे सुन कोई भी स्त्री डर जाये-

**'कहहु कवन सुखु अस बरु पाएँ।**
**भल भूलिहु ठग के बौरएँ।।**
**पंच कहें किवँ सती बिबाही।**
**पुनि बवडेरि मराएन्हि ताही।।'**

अर्थात ऐसे वर को मिलने से कहो, तुम्हें क्या सुख होगा? तुम उस ठग के बहकावे में आकर सब कुछ ही भूल गई। भोलेनाथ की एक बात तो महा आश्चर्य भरी है।

वह यह कि शिवजी ने पंचों के कहने पर पहले तो सती से विवाह कर लिया, और बाद में उन्हें त्यागकर मरवा डाला। सप्तऋर्षियों ने सोचा, कि मरने वाली बात सुनकर माता पार्वती जी शायद भयभीत हो जायेंगी।

## हरिद्वार के पास यहां पर भगवान शिव ने कंठ में धारण किया था विष, जानिए इस जगह के बारे में सब कुछ

भगवान शिव को नीलकंठ कहा जाता है, क्योंकि उन्होंने अपने कंठ में विष को धारण किया था। लेकिन क्या आप जानते हैं कि जिस स्थान पर भगवान शिव ने विष पिया था, वह जगह आज कहां और किस हाल में हैं। भगवान शिव का पूरा वर्ण गोरे रंग का बताया जाता है। जिसकी वजह से भगवान शंकर को 'कर्पूर गौरं करुणावतारं' कहते हैं। करूणावतार शिव का कंठ नीले रंग का है और भगवान शिव का कंठ विष पीने की वजह से नीला हुआ था। यही वजह है कि भगवान शिव-शंकर को नीलकंठ भी कहा जाता है। लेकिन क्या आप जानते हैं कि जिस स्थान पर भगवान शिव ने विष पिया था, वह जगह आज कहां और किस हाल में हैं। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको इस जगह के बारे में बताने जा रहे हैं। देवासुर संग्राम के बाद समुद्र मंथन हुआ था। लेकिन जब समुद्र मंथन से कालकूट नामक हलाहल विष निकला, तो न सिर्फअसुर बल्कि देवता हर कोई घबरा गया। सबका यह कहना था कि आखिर यह विष किसके पास जाएगा। तब भगवान शिव ने इस संसार के कल्याण के लिए कालकूट नामक हलाहल विष पीकर इसे अपने कंठ में धारण किया।

### नीला है शिव का कंठ

विषपान करने की वजह से भगवान शिव का कंठ नीला पड़ गया है। बताया जाता है कि यहां पर 60 हजार साल तक भगवान शिव ने यहां समाधि वाली अवस्था में रहकर विष की उष्णता को शांत किया था। शिवशंभू जिस वटवृक्ष के नीचे समाधि लेकर बैठे थे, उस जगह पर भगवान शिव का स्वयंभू लिंग विराजमान है।

## मां लक्ष्मी की कृपा पाने के लिए रोजाना करें इन मंत्रों का जाप

शुक्रवार के दिन मां लक्ष्मी की विधि-विधान से पूजा करने से धन की देवी प्रसन्न होती हैं और जातक पर उनकी कृपा बरसती है। मां लक्ष्मी की पूजा और आरती के साथ-साथ मंत्रों का भी जाप करना चाहिए। हिंदू धर्म में हर दिन किसी न किसी देवी-देवता को समर्पित होता है। वैसे तो हर दिन मां लक्ष्मी की पूजा-अर्चना की जा सकती है, लेकिन शुक्रवार का दिन धन की देवी मां लक्ष्मी को समर्पित है। शुक्रवार का दिन मां लक्ष्मी की पूजा-अर्चना के लिए सबसे उत्तम माना जाता है। शुक्रवार के दिन मां लक्ष्मी की विधि-विधान से पूजा करने से धन की देवी प्रसन्न होती हैं और जातक पर उनकी कृपा बरसती है। मां लक्ष्मी की पूजा और आरती के साथ-साथ मंत्रों का भी जाप करना चाहिए। इससे मां लक्ष्मी जल्द ही प्रसन्न होती हैं और व्यक्ति को जीवन में कभी धन संबंधी समस्याओं का सामना नहीं करना पड़ता है।

### लक्ष्मी जी की आरती

- जय लक्ष्मी माता, मैया जय लक्ष्मी माता
  तुम को निश दिन सेवत, हर विष्णु विधाता
- जय लक्ष्मी माता।।
  उमा रमा ब्रह्माणी, तुम ही जग माता
  सूर्य चंद्रमा ध्यावत, नारद ऋषि गाता
- ? जय लक्ष्मी माता।।
  दुर्गा रूप निरंजनि, सुख सम्पति दाता
  जो कोई तुमको ध्याता, ऋद्धि सिद्धि धन पाता
- जय लक्ष्मी माता।।
  तुम पाताल निवासिनी, तुम ही शुभ दाता
  कर्म प्रभाव प्रकाशिनी, भव निधि की त्राता
- जय लक्ष्मी माता।।
  जिस घर तुम रहती सब सद्?गुण आता
  सब संभव हो जाता, मन नहीं घबराता
- जय लक्ष्मी माता।।
  तुम बिन यज्ञ न होते, वस्त्र न कोई पाता
  खान पान का वैभव, सब तुमसे आता
- जय लक्ष्मी माता।।
  शुभ गुण मंदिर सुंदर, क्षीरोदधि जाता
  रत्न चतुर्दश तुम बिन, कोई नहीं पाता
- जय लक्ष्मी माता।।
  महालक्ष्मीजी की आरती, जो कोई नर गाता
  उर आनंद समाता, पाप उतर जाता
- *जय लक्ष्मी माता।।*

*मां लक्ष्मी के मंत्र*
*महालक्ष्मी नमस्तुभ्यं,*
*नमस्तुभ्यं सुरेश्वरि ।*
*हरि प्रिये नमस्तुभ्यं,*
*नमस्तुभ्यं दयानिधे ॥*
*पद्मालये नमस्तुभ्यं,*
*नमस्तुभ्यं च सर्वदे ।*
*सर्वभूत हितार्थाय,*
*वसु सृष्टिं सदा कुरुं ॥*

## कौरवों को युद्ध में हराने के लिए पांडवों ने इस गांव में किया था महायज्ञ, आज भी मौजूद हैं अवशेष

हम सभी महाभारत की कहानी के बारे में जानते हैं। महाभारत काल में कौरवों और पांडवों के बीच चौसर का खेल हुआ था। जिसमें पांडवों को हार का सामना करना पड़ा था। खेल में हारने के बाद पांडवों को 12 साल का वनवास और एक साल का अज्ञातवास मिला था। वनवास का समय काटने के लिए पांडव राजस्थान के डूंगरपुर जिले के छापी गांव गए थे।

बताया जाता है कि इस दौरान कौरवों को हराने के लिए और भगवान शिव को प्रसन्न करने के लिए पांडवों ने महायज्ञ किया था। जिसको पांडव की धुनी के नाम से जाना जाता है। आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको पांडवों की धुनी के बारे में बताने जा रहे हैं।

### शिव जी को प्रसन्न करने के लिए किया यज्ञ

जब पांडव वनवास काट रहे थे, तब युधिष्ठिर, भीम, अर्जुन, नकुल और सहदेव कुछ समय के लिए छापी गांव में रहे थे। उस दौरान कौरवों से युद्ध में जीत हासिल करने के लिए और भगवान शिव को प्रसन्न करने के लिए पांडवों ने यज्ञ किया था और अपने हाथों से शिवलिंग, नंदी और हवन कुंड बनाए थे। जिसके अवशेष यहां पर आज भी देखने को मिलते हैं। इसको पांडवों की धुनी के नाम से जानते हैं।

### हजारों साल पुराने अवशेष

पांडवों की धुनी अभी भी प्रज्वल्लित है। बताया जाता है कि यहां पर यज्ञ करने के बाद ही पांडवों ने कौरवों पर जीत हासिल की थी। यज्ञ के लिए दो शिवलिंग, हवन कुंड, एक नंदी और मूर्तियों के अवशेष बरगद के पेड़ के नीचे हैं। यह अवशेष देखने पर हजारों साल पुराने लग रहे हैं।

### वैसी ही है धुनी

बता दें कि यह पर रहने वाले स्थानीय लोग पांडवों की इस धुनी का रख-रखाव करते हैं। गांव के लोगों की मानें, तो आज भी पांडवों की धूनी वैसी ही है, जैसे उस समय हुआ करती थी। हालांकि समय के कारण खंडित हुई धुनी के भागों को ठीक किया गया है।

## पाकिस्तान के शिव मंदिर में 3,000 साल से भी पुराना शिवलिंग

वैसे तो हमारे देश में भगवान शिव को समर्पित तमाम मंदिर हैं। यह मंदिर बेहद प्राचीन हैं और इनकी अपनी मान्यताएं हैं। लेकिन क्या आप जानते हैं कि पाकिस्तान में भी शिव मंदिर हैं। जहां पर आज भी भगवान शिव की पूजा की जाती है। साल 1947 में जब देश का बटवारा हुआ तो अटारी और वाघा के बीच एक रेखा खींची गई। विभाजन की इस रेखा से न सिर्फहजारों-लाखों लोगों के घर, जमीन और खेत उजड़े बल्कि इस्लामिक गणराज्य पाकिस्तान में सिखों और हिंदुओं को अपने पूजा स्थलों को छोड़ने के लिए मजबूर किया गया।

हालांकि कुछ वर्षों बाद इन दो शिव मंदिरों का फिर से पुर्नजीवित किया गया। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको पाकिस्तान में स्थित दो फेमस शिव मंदिरों के बारे में बताने जा रहे हैं। मनसेहरा से करीब 10 किमी की दूरी पर काराकोरम राजमार्ग पर स्थित चिट्टी गट्टी मंदिर है। यह पाकिस्तान का सबसे बड़ा शिवलिंग है। यह शिव मंदिर 3000 साल से भी ज्यादा पुराना है। साल 1948 में पाकिस्तान के स्थानीय लोगों ने इस मंदिर को सीलकर आसपास की जमीन पर कब्जा कर लिया था।

साल 1998 तक यह क्षेत्र की छोटी हिंदू आबादी के लिए बेहद दुर्गम बना रहा। फिर हिंदुओं ने अपनी आस्था और विरासत के लिए फिर से इस मंदिर में पूजा-अर्चना करना शुरूकर दिया।= पाकिस्तान का अब सबसे लोकप्रिय मंदिरों में शामिल चिट्टी-गट्टी शिवलिंग मंदिर है। यह पाकिस्तान से तीर्थ यात्रियों को अपनी ओर आकर्षित करता है। खासकर महाशिवरात्रि के मौके पर यहां पर श्रद्धालुओं की भारी भीड़ होती है। पाकिस्तानी हिंदुओं द्वारा इस मंदिर की पुनर्स्थापना बड़े पैमाने पर की गई थी। जिन्होंने न सिर्फ श्रम बल्कि धन से भी योगदान किया। बताया जाता है कि इस मंदिर में 3000 साल पुरानी शिवलिंग है। यह पाकिस्तान का सबसे पुराना मंदिर माना जाता है।

### कटास राज मंदिर

बता दें कि पंजाब के चकवाल जिले में भव्य कटास राज शिव मंदिर पाकिस्तान का सबसे महत्वपूर्ण और फेमस पवित्र हिंदू स्थलों में से एक है। कटास राज में वास्तव में सात मंदिर शामिल हैं। जो वर्तमान समय में सिर्फतीन ही बचे हैं। जो मंदिर तालाब की परिधि के आसपास बने हैं और यह करीब 900 साल पुराना माना जाता है। इतिहासकारों एवं पुरात्तव विभाग के मुताबिक इस स्थान को शिव नेत्र माना जाता है।

### मंदिर से जुड़ी मान्यता

मंदिर से जुड़ी धार्मिक मान्यता के अनुसार, जब भगवान शिव ने अपनी पत्नी सती की मृत्यु पर दो आंसू बहाए थे, तब इस तालाब का निर्माण हुआ था। बताया जाता है कि भगवान शिव की आंसू की एक बूंद से कटासराज में तालाब बन गया। तो वहीं दूसरा बूंद अजमेर के पुष्कर में गिरा था। उत्तरी पंजाब से हिंदुओं के चले जाने से कटासराज एक खंडहर में बदल गया और इस तालाब में कचरा भर गया। फिर साल 1982 में हिंदुओं ने मंदिर की पुर्नस्थापना की।

### अन्य देशों में शिव मंदिर

भगवान शिव एक हिंदू देवता हैं। भगवान शिव की पूजा लोग अज्ञान विनाशक के रूप में भी करते हैं। हिंदू धर्म में तीन मुख्य देवताओं में से एक के रूप में उनकी पूजा पूरे भारतीय उपमहाद्वीप में की जाती है। भारत के अलावा भी अन्य देशों में शिव मंदिर हैं। बांग्लादेश, नेपाल, भूटान, केंद्र शासित प्रदेश और पाकिस्तान के अलावा अन्य दक्षिण और दक्षिण पूर्व एशियाई देशों में भी फेमस शिव मंदिर हैं।

## वृंदावन आने से पहले जरूर जान लें ये जरूरी बातें

देश और दुनिया हर जगह से लोग भगवान श्री कृष्ण की नगरी मथुरा-वृंदावन दर्शन करने के लिए पहुंचते हैं। मथुरा-वृंदावन में हर रोज हजारों की संख्या में श्रद्धालु आते हैं। यहां पर भगवान श्रीकृष्ण की अनगिनत मंदिर हैं। हालांकि बहुत सारे लोग ऐसे भी होते हैं, जो बिना पहले किसी जानकारी के वृंदावन पहुंच जाते हैं। जिसकी वजह से उनके साथ भीड़ में फसने, होटल ना मिलने जैसी समस्याएं होने लगती हैं। ऐसे में अगर आप भी वृंदावन आने का प्लान बना रहे हैं, तो आपको कुछ बातों का खास ख्याल रखना चाहिए। जिससे कि आपको यहां पर किसी तरह की समस्या न हो। ऐसे में आज हम आपको इस आर्टिकल के जरिए आपको कुछ टिप्स बताने जा रहे हैं, जिनको फॉलो करने से आपको और आपकी फैमिली को वृंदावन में किसी तरह की दिक्कत नहीं होगी।

### बांके बिहारी मंदिर की आरती

अगर आप वृंदावन आ रहे हैं, तो बांके बिहारी मंदिर के टाइम टेबल के हिसाब से मंदिर में होने वाली आरती में शामिल हो सकते हैं और बांके बिहारी के दर्शन भी कर सकते हैं। बांके बिहारी मंदिर सुबह 08:45 से दोपहर 01:00 बजे तक खुला रहता है। इस मंदिर में रात को 08:25 पर आरती की जाती है।

### वृंदावन के मंदिर

वृंदावन में ठाकुर बांके बिहारी मंदिर के अलावा अन्य मंदिरों की आरती का समय भी तय किया गया है। बता दें कि राधा बल्लभ मंदिर, राधा रमण मंदिर, प्रेम मंदिर, इस्कॉन मंदिर और निधिवन में आप भगवान श्रीकृष्ण की लीलाओं में शामिल होकर उनके दर्शन पा सकते हैं। श्रीकृष्ण के सभी मंदिरों में अलग-अलग समय पर झांकियां और लीलाओं के दर्शन किए जाते हैं। यह सभी मंदिर 5 किमी के दायरे में आते हैं। ऐसे में आप सड़क मार्ग से होते हुए इन सब मंदिर में दर्शन कर सकते हैं। अगर आप वृंदावन में रुकने का प्लान बनाकर आए हैं, तो यहां पर आपको कई ऐसी धर्मशालाएं मिल जाएंगी। जहां पर आप आराम से रुक सकते हैं। वहीं कुछ धर्मशालाओं में खाने और रहने का पैसा भी नहीं देना होता है। आप जो भी श्रद्धानुसार दान करना चाहें कर सकते हैं। वृंदावन में जगह-जगह भंडारे होते हैं, जहां पर आप बिना खर्च किए खा पी सकते हैं। हालांकि वृंदावन में काफी भीड़ रहती है, इसलिए अगर आप यहां बच्चों के साथ आ रहे हैं, तो उनकी जरूरत का हर सामान लेकर आएं।

राष्ट्रीय/अंतरराष्ट्रीय
प्रमुख समाचार

## शिवराज सिंह चौहान का मोदी सरकार में बढ़ा कद

**नईदिल्ली।** प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने केन्द्रीय कृषि, किसान कल्याण तथा ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान की अध्यक्षता में एक निगरानी समूह का गठन किया है, जो प्रधानमंत्री द्वारा घोषित योजनाओं तथा केन्द्रीय बजट, अधीनस्थ विधान तथा अन्य बुनियादी ढांचा परियोजनाओं के क्रियान्वयन की समीक्षा करेगा। मीडिया रिपोर्ट की मानें तो नवगठित निगरानी समूह की पहली बैठक 18 अक्टूबर को प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) में हुई थी, जिसमें रेलवे बोर्ड के अध्यक्ष सहित भारत सरकार के सभी सचिव हाइब्रिड मोड में बैठक में शामिल हुए थे। शिवराज सिंह प्रधानमंत्री के नेतृत्व में निगरानी समूह हर महीने साउथ ब्लॉक स्थित पीएमओ में बैठक करेगा, ताकि सभी सरकारी योजनाओं की समीक्षा की जा सके और उन्हें अमलीजामा पहनाया जा सके। प्रधानमंत्री ने 2014 में उनके नेतृत्व में पहली एनडीए सरकार बनने के बाद से ही घोषित परियोजनाओं की प्रगति की निगरानी के लिए चौहान को शक्तियां सौंपी हैं।

## गृह मंत्री अमित शाह ने शहीद पुलिसकर्मियों को दी श्रद्धांजलि

**नईदिल्ली।** केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने सोमवार को पुलिस स्मृति दिवस पर ड्यूटी के दौरान शहीद हुए सभी पुलिसकर्मियों को श्रद्धांजलि दी। उन्होंने देश के लिए पुलिसकर्मियों की तरफ से दिए गए सभी बलिदानों के लिए उनके प्रति कृतज्ञता जताते कहा कि यह एक ऐसा अवसर है जो भारत को सुरक्षित रखने के लिए उनके और उनके परिवारों की तरफ से किए गए असीम बलिदानों का सम्मान करता है। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा, मेरे लिए सौभाग्य की बात है कि आज मुझे यहां अमर जवानों को पुष्पांजलि अर्पित करने का मौका मिला है। यही जवान हमारी सीमाओं को सुरक्षित रखते हैं। -50 से +50 डिग्री तापमान में सीमाओं की सुरक्षा करते हैं, उन्होंने जो सर्वोच्च बलिदान दिया है, उनके परिजनों को भी श्रद्धापूर्वक प्रणाम करता हूं। वहीं उन्होंने सोशल मीडिया एक्स पर एक पोस्ट में लिखा, पुलिस स्मृति दिवस पर, मैं अपने सर्वोच्च बलिदान से अमर हुए हमारे शहीदों को नमन करता हूं।

## यूपी में सीटों के बंटवारे पर सपा-कांग्रेस में बढ़ी तनातनी

**लखनऊ।** समाजवादी पार्टी (सपा) और कांग्रेस के बीच महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में सीटों के बंटवारे को लेकर गतिरोध चल रहा है, जबकि उत्तर प्रदेश उपचुनाव में सपा की ओर से दो सीटों की पेशकश ने कांग्रेस के दावेदारों की चिंता बढ़ा दी है। कांग्रेस ने सपा पर अधिक सीटों की मांग को लेकर दबाव बनाना शुरू कर दिया है। कई मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, अगर कांग्रेस को ज्यादा सीटें नहीं मिलती हैं, तो वह यूपी उपचुनाव से पीछे हट सकती है। हालांकि, इस मुद्दे पर कांग्रेस के शीर्ष नेता अभी चुप हैं। प्रदेश अध्यक्ष अजय राय का कहना है कि सीटों का निर्णय राष्ट्रीय नेतृत्व कर रहा है, जबकि पार्टी यूपी में संगठन को मजबूत करने के लिए काम कर रही है। सीटों के बंटवारे के इस विवाद में कांग्रेस दो से अधिक सीटों की मांग पर अड़ी हुई है। सपा की ओर से अब तक कांग्रेस के लिए केवल दो सीटें छोड़े जाने के संकेत मिले हैं। यूपी में नौ विधानसभा सीटों के लिए नामांकन प्रक्रिया शुरू हो चुकी है।

## कश्मीर कभी भी पाकिस्तान का हिस्सा नहीं बनेगा : फारुख

**श्रीनगर।** जम्मू-कश्मीर के गंदेरबल जिले में आतंकी हमले ने भारत को हिलाकर रख दिया है। इस हमले में श्रीनगर-लेह राष्ट्रीय राजमार्ग पर एक सुरंग निर्माण स्थल पर एक डॉक्टर और छह मजदूरों की मौत हो गई है। नेशनल कॉन्फ्रेंस के अध्यक्ष फारूक अब्दुल्ला ने हमले कड़ी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने पाकिस्तान को कड़ी चेतावनी देते हुए कहा कि अगर वे भारत के साथ शांतिपूर्ण संबंध चाहते हैं, तो आतंकवाद को खत्म करें। पूर्व सीएम फारूक अब्दुल्ला की पार्टी एनसी की सरकार राज्य की सत्ता में है। उन्होंने पाकिस्तान को चेतवानी देते हुए कड़े शब्दों में कहा कि कश्मीर कभी भी पाकिस्तान का हिस्सा नहीं बनेगा। फारूक अब्दुल्ला ने कहा, यह हमला बहुत दुर्भाग्यपूर्ण था... अप्रवासी गरीब मजदूरों और एक डॉक्टर ने अपनी जान गंवा दी। आतंकवादियों को इससे क्या मिलेगा? क्या उन्हें लगता है कि वे यहां पाकिस्तान बना पाएंगे... हम इसे खत्म करने की कोशिश कर रहे हैं ताकि हम इस दुख से आगे बढ़ सकें।

## उत्तर प्रदेश में सपा की बैसाखी पर खड़ी है कांग्रेसः बृजभूषण

**लखनऊ।** भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के पूर्व सांसद बृजभूषण शरण सिंह ने सोमवार को कहा कि उत्तर प्रदेश में कांग्रेस को पूरी तरह समाजवादी पार्टी की 'बैसाखी' पर खड़ी है, अगर इसे हट जाए तो कांग्रेस को उसकी ''औकात'' पता चल जाएगी। उत्तर प्रदेश की कैसरगंज सीट से भाजपा के पूर्व सांसद बृजभूषण शरण सिंह ने बिश्नोहरपुर स्थित अपने आवास पर संवाददाताओं से कहा, ''प्रदेश में कांग्रेस पूर्ण रूप से बैसाखी पर खड़ी है। अगर सपा की यह बैसाखी हट जाए तो कांग्रेस को पता चल जाएगा कि उत्तर प्रदेश और देश में उसकी औकात क्या है।'' उन्होंने कहा, ''राहुल गांधी खुद प्रधानमंत्री नहीं बनना चाहते इसलिए वह बीच-बीच में ऐसी हरकत कर दिया करते हैं, ऐसे बयान दे दिया करते हैं कि उन्हें खुद नहीं पता होता है कि उन्हें जाना कहां है और उनका रास्ता क्या है?'' प्रदेश की नौ विधानसभा सीट पर अगले माह होने जा रहे उपचुनावों में सपा सात और कांग्रेस दो सीट पर उम्मीदवार उतारेगी।

# दुनिया में मची उथल-पुथल के बीच भारत उम्मीद की किरण बना

### भारत हर क्षेत्र में तेजी से विकास कर रहा है और इसका पैमाना अप्रत्याशित हैः मोदी

**नयी दिल्ली।** प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार को एनडीटीवी वर्ल्ड समिट में वैश्विक स्तर पर भारत के उदय के बारे में बात की। उन्होंने बताया कि 21वीं सदी भारत की सदी क्यों है, देश किस तरह तेजी से आगे बढ़ रहा है और दुनिया भर के निवेशक भारत के सबसे तेजी से बढ़ती प्रमुख अर्थव्यवस्था बनने को लेकर कैसे उत्साहित हैं। एनडीटीवी वर्ल्ड को लॉन्च करते हुए पीएम मोदी ने भारत के विकास की गति और गति के बारे में बात की। प्रधानमंत्री ने कहा, भारत की तेज वृद्धि - दुनिया में सबसे तेज - और देश में बुनियादी ढांचे के निर्माण को देखते हुए, कई वैश्विक रेटिंग एजेंसियों ने भारत के विकास के पूर्वानुमान को अपग्रेड किया है। उन्होंने आगे कहा कि दुनिया भर के निवेशक भारत के विकास पर उत्सुकता से नज़र रख रहे हैं और सबसे तेजी से बढ़ते बाजार में निवेश करने को लेकर उत्साहित हैं।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भारत को एक उभरती हुई शक्ति करार देते हुए सोमवार को कहा कि ऐसे समय में जब दुनिया में उथल-पुथल मची हुई है, वह उम्मीद की एक किरण बना है तथा आशा का संचार कर रहा है। समाचार चैनल एनडीटीवी की ओर से आयोजित एक

सम्मेलन को संबोधित करते हुए मोदी ने यह भी कहा कि भारत हर क्षेत्र में तेजी से विकास कर रहा है और इसका पैमाना अप्रत्याशित है। उन्होंने कहा, आज जब चर्चा का केंद्र चिंता ही है, तब भारत में चर्चा का विषय है भारत की शताब्दी। दुनिया में मची उथल-पुथल के बीच भारत उम्मीद की एक किरण बना है। जब दुनिया चिंता में डूबी है, तब भारत आशा का संचार कर रहा है। मोदी ने कहा कि हालांकि भारत की अपनी चिंताएं हैं, लेकिन इसमें सकारात्मकता की भावना है जो सभी भारत के लिए महसूस भी करते हैं।

उन्होंने कहा, भारत आज एक विकासशील देश भी है और उभरती हुई शक्ति भी है। हम गरीबी की चुनौतियां भी समझते हैं और प्रगति का रास्ता बनाना भी जानते हैं। हमारी सरकार तेजी से नीतियां बना रही है, निर्णय ले रही है, नए सुधार कर रही है। उन्होंने कहा, आज भारत हर सेक्टर में, हर क्षेत्र में जिस तेजी से काम कर रहा है, वह अभूतपूर्व है। भारत की गति, भारत का पैमाना अप्रत्याशित है। प्रधानमंत्री ने अपने तीसरे कार्यकाल के शुरुआती 125 दिनों में किए गए विभिन्न कार्यों का उल्लेख करते हुए कहा कि अब भारत भविष्य की सोच के साथ आगे बढ़ रहा है और यह 2047 तक विकसित भारत बनाने के संकल्प में भी दिखता है। उन्होंने कहा, हमने गरीबों के लिए 3 करोड़ घरों के निर्माण, 9 लाख करोड़ रुपये की लागत वाली बुनियादी ढांचा परियोजनाओं और 15 नई वंदे भारत ट्रेनों को हरी झंडी दिखाई है। मोदी ने कहा कि भारत ने दूरसंचार और डिजिटल भविष्य, वैश्विक सेमीकंडक्टर पारिस्थितिकी तंत्र, वैश्विक फिनटेक उत्सव से संबंधित कार्यक्रमों में भी भाग लिया और नागरिक उड्डयन और नवीकरणीय ऊर्जा के भविष्य पर चर्चा करने के लिए अंतरराष्ट्रीय सम्मेलनों का आयोजन किया। उन्होंने कहा, ये आयोजन उस विश्वास को प्रदर्शित करते हैं जो दुनिया का भारत में है।

# कांग्रेस के फैसले दिल्ली में होते हैं: राउत

### महाराष्ट्र में सीट बंटवारे पर महा विकास अघाडी में कलह!

**मुंबई।** महाराष्ट्र में एक महीने बाद विधानसभा चुनाव होना है। इसी को लेकर सभी राजनीतिक दलों ने कमर कस ली है। हालांकि, राज्य में सीट बंटवारे को लेकर महा विकास अघाडी (एमवीए) में सबकुछ सही नहीं लग रहा है। एकनाथ शिंदे वाली शिवसेना का दावा है कि उद्धव ठाकरे वाली शिवसेना और कांग्रेस के बीच घमासान लड़ाई चल रही है। हालांकि, शिवसेना (यूबीटी) के सांसद संजय राउत ने इस बात से साफ इनकार कर दिया। मगर बातों ही बातों पर कांग्रेस पर निशाना साधा।

यह पूछे जाने पर कि क्या कांग्रेस की वजह से सीट बांटने में देरी हो रही, इस पर संजय राउत ने कहा, ऐसा कुछ भी नहीं है, कांग्रेस की वजह से कोई लेटलतीफी नहीं है। मामले को सोमवार शाम तक अंतिम रूप दे दिया जाएगा। कांग्रेस आलाकमान दिल्ली में है। उनके फैसले दिल्ली में होते हैं। भाजपा नेता और शिंदे गुट के नेता भी दिल्ली में हैं। इसलिए, जिनके दिल्ली में आलाकमान है, उन्हें बार-बार वहां जाना पड़ता है। हम इसके बारे में क्या ही बोल सकते हैं, लेकिन मुझे लगता है कि ज्यादा मतभेद नहीं होंगे और हम एक साथ बैठेंगे और फैसला लेंगे।

क्या कांग्रेस महा विकास अघाड़ी में अन्य सहयोगियों को कुछ सीटें देने के लिए तैयार है, इस पर राउत ने कहा, यहां कुर्बानी की कोई बात नहीं है। यह राष्ट्रीय हित और महाराष्ट्र के हित के बारे में है। हमने वास्तव में बड़ा दिल दिखाया (लोकसभा चुनाव के लिए सीटों के बंटवारे के दौरान) क्योंकि हमें संविधान के दुश्मनों को हराना था। आज हमें महाराष्ट्र में भ्रष्ट सरकार को सत्ता से हटाना होगा।

महाराष्ट्र कांग्रेस अध्यक्ष के रवैये के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने कहा, हम सालों से राजनीति में हैं। हर पार्टी को लगता है कि उनके कार्यकर्ताओं को उम्मीदवार बनाया जाना चाहिए, लेकिन यह एक गठबंधन है। हर किसी को अपनी भूमिका के बारे में बोलने का अधिकार है, लेकिन जब सीट बंटवारे की बात आती है, तो हर किसी को कुछ बलिदान करना पड़ता है और एक कदम पीछे हटना पड़ता है।

कांग्रेस पर शिवसेना (यूबीटी) के नेता ने कहा, कांग्रेस एक राष्ट्रीय पार्टी है। यह भाजपा से भी बड़ी पार्टी

है। हम एक बड़ी पार्टी के बारे में क्या बात करते हैं? उनका आलाकमान दिल्ली में है, उनकी बातचीत हो रही है। महाराष्ट्र के सभी नेता हमारे मित्र हैं। भाजपा एक अंतरराष्ट्रीय पार्टी है, इसलिए उनके साथ हमारी कभी ज्यादा जमी नहीं। हम एक अंतरराष्ट्रीय पार्टी के साथ क्या बात करते।

मार्गदर्शन देने की बात पर संजय राउत ने कहा, मैं उन्हें (कांग्रेस) क्या मार्गदर्शन दे सकता हूं? उनके पास कई गाइड हैं। उद्धव या मेरा उनका मार्गदर्शन करना सही नहीं है। हम महाराष्ट्र के हित में जमीन पर काम करते हैं। हम राष्ट्रहित को सबसे महत्वपूर्ण मानते हैं।

महा विकास अघाड़ी में सीटों के बंटवारे को लेकर खींचतान पर एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाले शिवसेना नेता डॉ. राजू वाघमारे ने कहा, कांग्रेस और शिवसेना (यूबीटी) के बीच बहुत लड़ाई है। शिवसेना (यूबीटी) को लगता है कि वे अधिक सीटें जीत सकते हैं और वे कांग्रेस और एनसीपी (एससीपी) के गठबंधन सहयोगियों की सीटें लेने के लिए भी तैयार हैं। शिवसेना (यूबीटी) बहुत ही अहंकारी तरीके से काम कर रही है। महाराष्ट्र के लोग हमें असली शिवसेना मान रहे हैं। शिवसेना (यूबीटी) के लिए कोई सहानुभूति आधार नहीं है। कांग्रेस को इसका एहसास हो गया है क्योंकि जमीनी स्तर पर शिवसेना (यूबीटी) कहीं नहीं है। इसलिए कांग्रेस अपनी सीटों पर अड़ी हुई है।

# आतंकवादियों, घुसपैठियों और धार्मिक तनाव फैलाने वालों को शाह की सख्त चेतावनी

**नईदिल्ली।** केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा है कि भले ही देश ने जम्मू-कश्मीर, पूर्वोत्तर और नक्सल प्रभावित इलाकों में अपेक्षाकृत शांति स्थापित कर ली है लेकिन आतंकवाद, घुसपैठ और धार्मिक तनाव पैदा करने की साजिश के खिलाफ लड़ाई जारी रहेगी। पुलिस स्मृति दिवस के मौके पर एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए शाह ने कहा कि शहीद पुलिस कर्मियों का बलिदान व्यर्थ नहीं जाएगा और देश निश्चित रूप से 2047 तक पूरी तरह विकसित राष्ट्र बन जाएगा। उन्होंने कहा, ''पिछले 10 वर्ष में जम्मू कश्मीर, पूर्वोत्तर क्षेत्र तथा वामपंथी चरमपंथ से प्रभावित क्षेत्रों में अपेक्षाकृत शांति स्थापित की गयी है। हालांकि, हमारी लड़ाई खत्म नहीं हुई है। हम मादक पदार्थ, साइबर अपराध, धार्मिक तनाव पैदा करने की साजिश, घुसपैठ और आतंकवाद के खिलाफ लड़ते रहेंगे जो हमारे लिए चुनौतियां पैदा करती रहे हैं।''

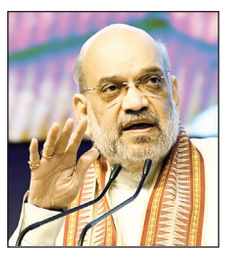

गृह मंत्री ने कहा कि आजादी के बाद से 36,438 पुलिसकर्मियों ने देश की सुरक्षा के लिए अपनी जान दी है जिनमें से 216 लोगों ने पिछले साल प्राण न्यौछावर किए। उन्होंने कहा कि देश की विकास यात्रा में बलिदान के लिए देश हमेशा उनका ऋणी रहेगा। शाह ने कहा, ''मैं शहीदों के परिवार के सदस्यों को आश्वस्त करना चाहता हूं कि उनका बलिदान व्यर्थ नहीं जाएगा। देश सुरक्षित रहेगा, किसी भी चुनौती के बावजूद अपने लक्ष्य को हासिल करेगा और भारत 2047 तक निश्चित रूप से एक विकसित राष्ट्र बन जाएगा।''

हम आपको बता दें कि एक जुलाई से लागू हुए तीन नए आपराधिक कानूनों के संदर्भ में उन्होंने कहा कि नए कानूनों के क्रियान्वयन के लिए बुनियादी ढांचा स्थापित करने पर काम पांच साल पहले शुरू हुआ था और बाकी का काम अगले तीन साल में पूरा हो जाएगा। उन्होंने कहा, ''मैं देश को बताना चाहता हूं कि भारत की आपराधिक न्याय प्रणाली दुनिया में सबसे आधुनिक होगी और प्राथमिकी दर्ज होने के तीन साल के भीतर उच्चतम न्यायालय में सुनवाई तक पूरा न्याय दिया जा सकता है।'' पुलिस कर्मियों के हित में उठाए कदमों के बारे में जानकारियां देते हुए शाह ने कहा कि पुलिसकर्मी और उनके परिवार के सदस्य 'आयुष्मान सीएपीएफ' योजना लागू होने के बाद किसी भी आयुष्मान अस्पताल में इलाज करा सकते हैं।

खेल
प्रमुख समाचार

## दूसरे टेस्ट के लिए वॉशिंगटन सुंदर को मिली टीम में जगह

**नईदिल्ली।** न्यूजीलैंड के खिलाफ पहले टेस्ट में हार झेलने के बाद टीम इंडिया में वॉशिंगटन सुंदर को बतौर ऑलराउंडर टीम इंडिया में शामिल किया गया है। वॉशिंगटन सुंदर ने दिल्ली के खिलाफ रणजी ट्रॉफी मैच में तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी करते हुए 152 रन बनाए थे।

वहीं इंडियन एक्सप्रेस के मुताबिक शुभमन गिल अभी भी गर्दन की जकड़न से ठीक नहीं हो पाए हैं वहीं केएल राहुल फॉर्म में नहीं हैं और ऋषभ पंत को घुटने में तकलीफ है। ऐसे में पुणे टेस्ट में पहले भारत अपनी बल्लेबाजी को लेकर चिंतित है। 0-1 से पिछड़ने के बाद इस बात को लेकर भी काफी दिलचस्पी है कि पुणे में भारत किस तरह की पिच का चुनाव करेगा। बेंगलुरु में कीवी तेज गेंदबाजों के सामने उनकी बल्लेबाजी फ्लॉप रही थी। हालांकि, ये बल्लेबाजो को दिक्कत परिस्थितियों की वजह से हुई खासकर जब पिच पूरे दिन कवर्स से ढकी रही।

अक्षर पटेल टीम में पहले से ही हैं, लेकिन फिर भी वॉशिंगटन सुंदर को शामिल करने का अनुरोध टीम प्रबंधन ने ही किया था। उनका मानना है कि पुणे में उनकी फिंगर स्पिन काम आ सकती है और वह बल्लेबाज के तौर पर भी भरोसेमंद विकल्प हो सकते हैं। भारत के व्हाइट बॉल सेटअप के नियमित सदस्य होने के बावजूद वॉशिंगटन ने 2021 के बाद से कोई टेस्ट नहीं खेला है जब विराट कोहली कप्तान थे और रवि शास्त्री मुख्य कोच थे। गौतम गंभीर के मुख्य कोच बनने के बाद भारतीय टीम ने बल्लेबाजी और गेंदबाजी दोनों में गहराई को प्राथमिकता दी है। ऑस्ट्रेलिया दौरे को देखते हुए ऑलराउंडर विकल्प होने से भारत को टीम संतुलन की चिंता किए बिना एक मजबूत तेज गेंदबाजी आक्रमण के साथ उतरने का विकल्प मिलेगा।

आर्थिक/वाणिज्य/विज्ञान/
प्रमुख समाचार

## सेंसेक्स 73 अंक टूटा निफ्टी 24,781 पर बंद

**नईदिल्ली।** भारतीय शेयर बाजार सोमवार को बड़े उछाल के साथ खुलने के बावजूद लाल निशान में बंद हुआ। इससे पहले शुक्रवार को शेयर बाजार तीन दिन की गिरावट के बाद चढ़कर बंद हुआ था। भारतीय शेयर बाजार में कोटक महिंद्रा बैंक के शेयर में भारी गिरावट और विदेशी निवेशकों के लगातार देसी बाजारों से पैसा निकालने के चलते गिरावट आई। तीस शेयरों वाला सेंसेक्स आज 73.48 अंक या 0.09 प्रतिशत की गिरावट के साथ 81,151.27 पर बंद हुआ। शुरुआत में सेंसेक्स 545 अंक तक चढ़ गया था। हालांकि, अंत में बिकवाली के दबाव में आकर सेंसेक्स 80,811.23 के निचले स्तर पर पहुंच गया। इसी तरह, नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी-50 भी 72.95 अंक या 0.29 प्रतिशत की गिरावट के साथ 24,781.10 के स्तर पर बंद हुआ। सेंसेक्स की 30 कंपनियों में कोटक महिंद्रा बैंक का शेयर सबसे ज्यादा 4 प्रतिशत से ज्यादा की गिरावट लेकर बंद हुआ।

## गोदरेज प्रॉपर्टीज ने वस्त्रपुर में जमीन का किया अधिग्रहण

**नईदिल्ली।** रियल एस्टेट कंपनी गोदरेज प्रॉपर्टीज लिमिटेड (जीपीएल) ने आवास परियोजना विकसित करने के लिए अहमदाबाद के वस्त्रपुर में करीब तीन एकड़ जमीन का अधिग्रहण किया है। इसका अनुमानित बिक्री मूल्य 1,300 करोड़ रुपये है। कंपनी ने सौदे की कीमत और विक्रेता का नाम उजागर नहीं किया। गोदरेज प्रॉपर्टीज लिमिटेड ने शेयर बाजार को दी सूचना में बताया, '' इस भूमि पर करीब नौ लाख वर्ग फुट बिक्री योग्य क्षेत्र विकसित किए जाने की संभावना है। इसमें मुख्य रूप से प्रीमियम आवासीय अपार्टमेंट शामिल हैं, जिनकी अनुमानित बुकिंग कीमत करीब 1,300 करोड़ रुपये है।'' गोदरेज प्रॉपर्टीज के प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी गौरव पांडे ने कहा, '' हम अहमदाबाद में अपनी दूसरी परियोजना से खुश हैं। इससे अहमदाबाद में हमारी मौजूदगी और मजबूत होगी।''

## दीपक बिल्डर्स एंड इंजीनियर्स का आईपीओ खुल गया

**नई दिल्ली।** सोमवार को मेन बोर्ड के दो आईपीओ निवेश के लिए खुल गए हैं। इनमें वारी एनर्जीज और दीपक बिल्डर्स इंजीनियर्स के आईपीओ शामिल हैं। बात अगर दीपक बिल्डर्स एंड इंजीनियर्स के आईपीओ की करें तो इसे ग्रे मार्केट में अच्छा रिस्पॉन्स मिल रहा है। ग्रे मार्केट के अनुसार इसके करीब 30 फीसदी प्रीमियम पर लिस्ट होने की उम्मीद है। इस कंपनी के आईपीओ का साइज 260.04 करोड़ रुपये है। कंपनी ने 217.21 करोड़ रुपये के 1.07 करोड़ फ्रेश और ओएफएस के तहत 42.83 करोड़ रुपये के 21 लाख शेयर जारी किए हैं। इस आईपीओ में 23 अक्टूबर तक बोली लगा सकते हैं। अलॉटमेंट 24 अक्टूबर को होगा। इस आईपीओ की लिस्टिंग 28 अक्टूबर को होगी। इस आईपीओ का प्राइस बैंड 192 ये 203 रुपये प्रति शेयर है। एक लॉट में 73 शेयर हैं। इसके लिए 14,819 रुपये निवेश करने होंगे। एक रिटेल निवेशक अधिकतम 13 लॉट बुक करा सकता है।

## दिवाली से पहले 80 हजार के करीब पहुंचा सोना

**नईदिल्ली।** देश में सोने और चांदी के दामों में लगातार बढ़ोतरी जारी है। फेस्टिव सीजन शुरू होते ही सोने के भाव में तेजी दर्ज की जा रही है। पिछले एक हफ्ते के अंदर सोना के दामों 1700 रुपये से ज्यादा बढ़ोतरी हुई है। 21 अक्टूबर सोमवार को सोने के दाम में फ्लैट रहे हैं। इस वक्त गोल्ड ऑल टाइम हाई पर चल रहा है। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोने के दाम रिकॉर्ड तोड़ दर्ज की जा रही है। देश के लगभग सभी शहरों में 24 कैरेट गोल्ड की कीमत 80 हजार के करीब पहुंच गई है। 24 कैरेट गोल्ड की कीमत प्रति 10 ग्राम 79,500 के पार है। गहने खरीदने वालों के लिए 22 कैरेट गोल्ड रेट की बात करे तो इसकी कीमत 72 हजार के पार पहुंच गई है। कुछ शहरों में ये 73 हजार रुपये होने वाली है। वहीं 18 कैरेट गोल्ड रेट 59 हजार प्रति 10 ग्राम है।

# रबी फसलों के एमएसपी की घोषणा, बाजारी ताकतों पर नियंत्रण जरुरी

**डॉ. राजेन्द्र प्रसाद शर्मा**

बुवाई से पहले या बुवाई के समय फसलों के न्यूनतम समर्थन मूल्य की घोषणा इस मायने में महत्वपूर्ण हो जाती है कि किसानों को कौन सी फसल लेना लाभकारी रहेगा इस पर सोच विचार कर निर्णय करने का अवसर मिल जाता है। पिछले कुछ सालों से केन्द्र सरकार द्वारा खरीफ हो या रबी लगभग इनके बुवाई के समय ही न्यूनतम समर्थन मूल्य की घोषणा कर दी जाती है। इसे सरकार की सकारात्मक पहल भी कहा जा सकता है। केन्द्र सरकार ने रबी सीजन की गेहूं, सरसों सहित छह प्रमुख फसलों के न्यूनतम समर्थन मूल्य की घोषणा की है। एमएसपी की घोषणा करते समय यह भी दावा किया गया है कि इन सभी छहों फसलों के एमएसपी का निर्धारण लागत से अधिक किया गया है जिससे किसानों के लिए यह फसलें लाभकारी सिद्ध हो सके। दावों की माने तो लागत की तुलना में सर्वाधिक 105 प्रतिशत अधिक एमएसपी गेहूं की घोषित की गई है, सबसे कम कुसुम की लागत से 50 प्रतिशत अधिक है तो चना और जौ की लागत से 60 फीसदी अधिक घोषित की गई है। सरसों की लागत से 98 फीसदी तो मसूर की 89 प्रतिशत अधिक राशि तय की गई है। निष्कर्ष रुप से यह कहा जा सकता है कि लागत की तुलना में सभी छह फसलों की एमएसपी दरों में उल्लेखनीय बढ़ोतरी की गई है। एमएसपी की घोषणा करते समय सरकार ने लागत में खाद-बीज, कीटनाशक, सिंचाई पर व्यय के साथ ही मानव श्रम का भी समावेश किया गया है। ऐसे में लागत से अधिक राशि मिलना किसानों के लिए लाभकारी हो सकता है।

देश में 1966-67 में सबसे पहले गेहूं की सरकारी खरीद के लिए न्यूनतम समर्थन मूल्य

की घोषणा की गई थी। आज से लगभग 60 साल पहले तत्कालीन प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री ने एक अगस्त 1964 को एलके झा की अध्यक्षता में इसके लिए कमेटी घटित की थी। गेहूं की समर्थन मूल्य पर खरीद व्यवस्था का एक विपरीत प्रभाव सामने आने पर कि किसान अन्य फसलों की जगह गेहूं की फसल पर ही केन्द्रित होने लगे तो ऐसी स्थिति में सरकार ने अन्य प्रमुख फसलों के न्यूनतम समर्थन मूल्य के दायरें में लाया गया। कृषि मूल्य एवं लागत आयोग की सिफारिश पर कृषि जिंसों के न्यूनतम समर्थन मूल्य की घोषणा की जाती है। देश में गेहूं, धान आदि 7 अनाज फसलें, 5 दलहनी, 7 तिलहनी, 4 नकदी फसलों के समर्थन मूल्य की घोषणा की जाती है। नकदी फसलों में गन्ना के सरकारी खरीद मूल्य की गन्ना आयोग द्वारा की जाती है तो गन्ने की खरीद भी गन्ना मिलों द्वारा की जाती है। इसी तरह से कपास की खरीद सीसीआई यानी कि कॉटन कारपोरेशन ऑफ इण्डिया द्वारा की जाती है। केन्द्र सरकार द्वारा प्रमुखत: राज्यों में सहकारी संस्थाओं के नेटवर्क के माध्यम से एमएसपी की खरीद की जाती है। इसमें कोई दो राय नहीं कि देश में सहकारी संस्थाओं का विस्तृत और सीधे काश्तकारों की पहुंच का नेटवर्क है। अब ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन और फिर खरीद के बाद ऑनलाइन भुगतान व्यवस्था से पारदर्शिता आई है। पर सवाल अभी वहीं है कि जब तक बाजार में खासतौर से मण्डियों में एमएसपी फसलों के भाव घोषित एमएसपी दरों के समकक्ष नहीं आते तब तक खरीद जारी रहने से ही काश्तकारों को सही मायने में इस व्यवस्था का फायदा मिल सकता है। दुर्भाग्य की बात यह है कि पारदर्शी व्यवस्था में भी बिचौलियों ने सेंध लगा ली है और लाख प्रयासों के बावजूद छोटे किसानों को सब तो नहीं पर कुछ काश्तकारों को व्यवस्था का लाभ नहीं मिल पाता। इसमें व्यवस्था का दोष इस मायने में हैं कि किसान को अपनी तात्कालीक व आवश्यक जरुरतों को पूरा करने के लिए साहूकार पर निर्भर रहना पड़ता है, ऐसे में काश्तकार अपनी फसल काश्तकार के नाम कर उससे अग्रिम राषि ले लेता है और बदले में काश्तकार के दस्तावेज से बिचौलियें लाभ उठा लेते हैं। यह तो साफ है कि गेहूं और धान की खरीद सरकार द्वारा व्यापक स्तर पर की जाती रही है और इसका प्रमुख कारण सार्वजनिक वितरण प्रणाली के तहत वितरण व्यवस्था के सुचारु संचालन और बाजार पर नियंत्रण रखना रहा है।

## सुनील सोनी को प्रत्याशी बनाये जाने पर कार्यकर्ताओं ने गजमाला पहनाकर किया स्वागत

# यह चुनाव आगामी ननि और पंचायत चुनाव के लिए संजीवनी साबित होगी: अग्रवाल

**रायपुर।** भारतीय जनता पार्टी कार्यालय एकात्म परिसर में आज दक्षिण विधानसभा उप चुनाव के लिए पूर्व सांसद सुनील सोनी को प्रत्याशी बनाये पश्चात प्रथम महत्वपूर्ण बैठक आहुत की गई। बैठक में रायपुर दक्षिण विधानसभा के कार्यकर्ताओं ने सुनील सोनी को प्रत्याशी बनाये जाने पर उनका उत्साह के साथ गजमाला पहनाकर स्वागत किया। बैठक में सांसद बृजमोहन अग्रवाल, रायपुर दक्षिण विधानसभा उपचुनाव के संयोजक एवं भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष शिवरतन शर्मा, संयोजक एवं स्वास्थ्य मंत्री श्यामबिहारी जायसवाल, विधायक रायपुर पश्चिम राजेश मूणत, विधायक मोतीलाल साहू, पुरंदर मिश्रा, रायपुर संभाग प्रभारी सौरभ सिंह ने भी श्री सोनी को प्रत्याशी बनाए जाने पर प्रसन्नता व्यक्त की।

रायपुर सांसद बृजमोहन अग्रवाल ने कहा कि मैं रायपुर दक्षिण की कार्यकर्ताओं का कर्जदार हूं जिन्होंने मुझे आठ बार विधानसभा चुनाव में जिताकर मुझे विधायक बनाया। रायपुर दक्षिण मेरा घर है। अब जनता की सेवा करने के लिए एक और विधायक सुनील सोनी के रूप में चुनना है। उन्होंने कहा कि यह चुनाव भविष्य में होने वाले नगर निगम और पंचायत चुनाव के लिए संजीवनी साबित होगी। उन्होंने कहा कि रिकार्ड टूटने के लिए बनते हैं। सब लोग मिलकर इसे संभव बनाना है। प्रत्याशी तो प्रतीक है कार्यकर्ता भाजपा व कमल फूल के सम्मान के लिए चुनाव में कार्य करते है। उन्होंने कहा कि आप सभी चारों विधानसभा के कार्यकर्ता पदाधिकारी जब एक साथ चुनावी समर में उतरेंगे तो विरोधियों के सारे समीकरण मटियामेट हो जायेंगे और पुन: दक्षिण विधानसभा को रिकॉर्ड मतों से जीत हासिल करेंगे। 23 अक्टूबर को रैली निकालकर हम सभी हमारे प्रत्याशी सुनील सोनी के साथ नामांकन पर्चा दाखिल करेंगे और 26 अक्टूबर को कार्यालय उद्घाटन और दक्षिण विधानसभा सम्मेलन होगा। सम्मेलन इतना भव्य हो की विपक्षियों को यह समझ आ जाए की अबकी बार जमानत बचा पाना भी मुश्किल होगा।

**हमें जीतना ही नहीं बल्कि रिकार्ड बनाकर जीतना है - शिवरतन शर्मा**

रायपुर दक्षिण विधानसभा चुनाव प्रभारी एवं प्रदेश भाजपा उपाध्यक्ष शिवरतन शर्मा ने कहा कि पूरे प्रदेश में जीत का वातावरण राजधानी से तय होता है। इस बार हमें जीतना ही नही बल्कि रिकार्ड बना कर जीतना हासिल करना है। उन्होंने कहा कि लगातार 8 बार के विधायक रहे बृजमोहन अग्रवाल जी के सांसद बनने बाद इस बार चुनाव में भाजपा ने सुनील सोनी को अपना प्रत्याशी बनाया है और इस बार हमें रिकार्ड तोड़ मतों से जीत हासिल करनी है। रायपुर ने ही प्रदेश में सरकार बनाने की अहम भूमिका बनाई कांग्रेस की भ्रष्ट सरकार के खिलाफ विरोध का जबरजस्त माहौल पूरे प्रदेश में रायपुर से ही बना और हम छत्तीसगढ़ में कांग्रेस को सड़क पर लाने में कामयाब रहे ।

**कार्यकर्ताओं का संकल्प का चुनाव है - श्यामबिहारी जायसवाल**

रायपुर दक्षिण विधानसभा चुनाव प्रभारी एवं स्वास्थ्य मंत्री श्यामबिहारी जायसवाल ने कहा कि यह केवल रायपुर दक्षिण का चुनाव नहीं है बल्कि रायपुर के सभी विधानसभाओं के कार्यकर्ताओं का संकल्प का चुनाव है। इस चुनाव के बीच सभी महत्वपूर्ण त्यौहार है उसके बाद भी पूर्ण विश्वास है कि भाजपा के कार्यकर्ताओं की मेहनत से जनता भाजपा को रिकार्ड मतो से विजियी बनाएंगे।

**कार्यकर्ताओं की मेहनत से चुनाव में जीत हमारी ही होगी - राजेश मूणत**

रायपुर पश्चिम विधायक एवं भाजपा प्रदेश प्रवक्ता राजेश मूणत ने कहा कि पार्टी ने जो बड़ी जिमेदारी हम सब को सौंपी है। उसे सफल बनाना है। हमें इस चुनाव में पूरी मेहनत करनी है और विजयश्री हासिल करने तक हमें रूकना नहीं है। इस चुनाव में जीत हमारी ही होगी। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ एवं राजधानी रायपुर को कांग्रेस ने 5 वर्ष में बर्बाद करके रख दिया। कांग्रेस की सत्ता और निगम में महापौर होने के बावजूद एक काम किया है ऐसा बोलने का माद्दा कांग्रेस में नही है।

**रायपुर शहर के विकास के लिए सदैव प्रस्तुत रहा हूं - सुनील सोनी**

रायपुर दक्षिण विधानसभा प्रत्याशी सुनील सोनी ने प्रत्याशी बनाए जाने पर सबका धन्यवाद व्यापित किया। उन्होंने कहा कि इसके लिए आप सभी का आभार आप के सहयोग से जनता की सेवा के लिए पुन: प्रस्तुत हूं। रायपुर की जनता ने मुझे सभापति, महापौर, सांसद के रूप में देखा है। इस शहर के विकास के लिए सदैव प्रस्तुत रहा हूं। उन्होंने कहा कि सांसद बनने के बाद मैंने रायपुर को विकसित शहरों की श्रेणी में लाया आज छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर बुढ़तालाब में स्वामी विवेकानंद जी की मूर्ति की स्थापना कर बुढ़ातालाब को पर्यटन केन्द्र के रूप में विकसित किया। एम्स में लोगों को उचित सुविधा हेतु स्वास्थ्य सेवाओं का विस्तार किया। रायपुर रेल्वे स्टेशन को एक नया प्रारूप दिया। आज रायपुर रेल्वे स्टेशन एक मॉर्डन स्टेशन बन गया है। रायपुर में सिटी बस मेरे ही कार्यकाल में प्रारंभ हुए थे इसके साथ ही अनेक कार्यों से रायपुर की जनता की सेवा की।

# प्रदेश में भाजपा की सदस्यता का आँकड़ा 50 लाख से हुआ पार

**रायपुर।** भारतीय जनता पार्टी सदस्यता अभियान की अब तक की प्रगति की समीक्षा के लिए आहूत केंद्रीय समिति की बैठक में पार्टी की प्राथमिक सदस्यता की रिपोर्टिंग करके छत्तीसगढ़ की जानकारी प्रस्तुत की गई। सदस्यता अभियान के प्रदेश संयोजक व प्रदेश प्रवक्ता अनुराग सिंहदेव ने बैठक में बताया कि प्रदेश में पहाड़ी कोरवा समाज (पीवीजीटी) में भी भाजपा की सदस्यता के लिए कार्यकर्ता दुर्गम स्थानों तक पहुँचे। बैठक में प्रदेश में चल रहे अभियान, विशेषकर पहाड़ी कोरवा समाज में भाजपा सदस्यता, की प्रशंसा की गई। सोमवार को नई दिल्ली में आयोजित भाजपा केंद्रीय समिति की बैठक में राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जेपी नड्डा ,राष्ट्रीय संगठन महामंत्री बी.एल. संतोष, सह संगठन महामंत्री शिवप्रकाश, राष्ट्रीय चुनाव प्रभारी के लक्ष्मण, राष्ट्रीय महासचिव विनोद तावड़े, क्षेत्रीय संगठन महामंत्री अजय जम्वाल, प्रदेश अध्यक्ष किरण देव, संगठन महामंत्री पवन साय, महामंत्री संजय श्रीवास्तव, सदस्यता अभियान के प्रदेश संयोजक अनुराग सिंहदेव, सदस्यता अभियान टोली की सदस्य सांसद रूपकुमारी चौधरी, चम्पादेवी पावले, अजा मोर्चा प्रदेश अध्यक्ष नवीन मार्कण्डेय, खूबचंद पारख उपस्थित रहे। भाजपा सदस्यता अभियान के प्रदेश संयोजक व प्रदेश प्रवक्ता अनुराग सिंहदेव ने प्रदेश में भाजपा की सदस्यता का आँकड़ा 50 लाख पार कर लेने पर मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय, प्रदेश भाजपा अध्यक्ष किरणसिंह देव, संगठन महामंत्री पवन साय सहित सभी पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओं को बधाई देते हुए सबके समन्वित पुरुषार्थ व पराक्रम को नमन किया है। विदित रहे, प्रदेश में विगत 3 सितम्बर से भाजपा के संगठन महापर्व सदस्यता अभियान की शुरुआत हुई थी।

19 अक्टूबर की रात्रि 8 बजे तक भाजपा ने अपनी रिकॉर्ड सदस्य संख्या 50,09,658 के आँकड़े को पार कर लिया है। अब प्रदेशभर में सक्रिय सदस्यता के लिए भी अभियान चल रहा है। भाजपा सदस्यता अभियान के प्रदेश संयोजक सिंहदेव ने कहा कि भाजपा सदस्यता लेने के लिए प्रदेश में अभूतपूर्व उत्साह परिलक्षित हुआ और स्वस्फूर्त रिस्पॉन्स देकर ज्यादा-से-ज्यादा लोगों ने भाजपा की सदस्यता ग्रहण की।

## मुख्यमंत्री की अध्यक्षता में 22 को सरगुजा क्षेत्र आदिवासी विकास प्राधिकरण की बैठक



**रायपुर।** मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की अध्यक्षता में 22 अक्टूबर को जशपुर जिले के कुनकुरी विकासखण्ड स्थित मयाली में सरगुजा क्षेत्र आदिवासी विकास प्राधिकरण की बैठक दोपहर 12 बजे से होगी। जारी कार्यक्रम के अनुसार मुख्यमंत्री श्री साय इस बैठक में शामिल होने के लिए रायपुर से हेलीकॉप्टर से 22 अक्टूबर को सुबह 10.30 बजे मयाली जाएंगे। मयाली में दोपहर 12 बजे से संध्या 5 बजे तक सरगुजा क्षेत्र आदिवासी विकास प्राधिकरण की बैठक में भाग लेंगे। मुख्यमंत्री इसके पश्चात वहां से अपने गृह ग्राम बगिया जाएंगे और निज निवास में रात्रि विश्राम करेंगे।

# चुनाव प्रचार के पर्चे-पोस्टर पर मुद्रक-प्रकाशक का नाम और संख्या छापना जरूरी

**रायपुर।** विधानसभा उपनिर्वाचन 2024 के दौरान राजनैतिक दलों और अभ्यर्थियों को प्रचार-प्रसार के लिए छपाये जाने वाले बैनर, पोस्टर आदि सामग्रियों में मुद्रक एवं प्रकाशक का नाम-पता और मुद्रित सामग्री की संख्या स्पष्ट छापनी होगी। इसके साथ ही मुद्रित सामग्री की चार प्रतियां और प्रकाशक मुद्रक का घोषणा पत्र मुद्रण के तीन दिवस के अंदर कार्यालय मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी छ.ग. रायपुर तथा एक प्रति जिला निर्वाचन कार्यालय को निर्धारित प्रारूप के साथ उपलब्ध कराना होगा।

सोमवार को रेडक्रॉस सभाकक्ष में रायपुर के प्रिंटिंग प्रेस प्रतिनिधियों और जिला निर्वाचन कार्यालय के अधिकारियों की महत्वपूर्ण बैठक हुई। बैठक में



मास्टर ट्रेनर्स ने लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम 1951 की धारा 127 के तहत प्रचार सामग्रियों के मुद्रण के बारे में निर्वाचन आयोग के दिशा निर्देशों की जानकारी उपस्थित प्रिटिंग प्रेस प्रतिनिधियों को दी। उन्होनें यह भी हिदायत दी की इस संबंध में आयोग के दिशा निर्देशों के उल्लंघन को गंभीरता से लिया जाएगा और उल्लंघन कर्ताओं के विरूद्ध कठोर कार्यवाही की जाएगी। बैठक में रायपुर के प्रिंटिंग प्रेसों के प्रतिनिधि मौजूद रहें। बैठक में जानकारी दी गई कि विधानसभा उपनिर्वाचन के लिए कोई भी प्रिंटिंग प्रेस प्रकाशक द्वारा साइन की हुई घोषणा और प्रकाशक को व्यक्तिगत रूप से जानने वाले दो लोगों के हस्ताक्षर के बिना किसी भी निर्वाचन प्रचार सामग्री का मुद्रण नहीं करेंगे। यह भी बताया गया कि मुद्रण के बाद प्रिंटिंग प्रेस को मुद्रक द्वारा निर्धारित प्रपत्र में घोषणा सहित मुद्रित की गई.

छत्तीसगढ़/राजधानी
प्रमुख समाचार

## रायपुर दक्षिण विस उप चुनाव में तीन अभ्यर्थियों ने भरा नामांकन

**रायपुर।** रायपुर दक्षिण विधानसभा उप निर्वाचन 2024 के लिए नामांकन के तीसरे दिन छह नामांकन आवेदन खरीदे गए। 21 अक्टूबर को तीन अभ्यर्थियों ने अपना नामांकन भरकर रिटर्निंग ऑफिसर के समक्ष जमा किए। आज भारतीय सर्वजन हिताय समाज पार्टी से श्री विक्रम आडवानी, अखिल भारतीय जन संघ समर्थित से श्री रवि कुमार श्रीवास, निर्दलीय से हाजी हैदर भाटी, निर्दलीय से नंदिनी नायक, सर्व आदी दल से श्री अंकुश नंदराम बरीयेकर, शक्ति सेना भारत-देश से सविता बंजारे ने नामांकन आवेदन खरीदा है। आज तीन अभ्यर्थी निर्दलीय से शबिस्ता खान, निर्दलीय से सुषमा अग्रवाल, निर्दलीय से महेंद्र कुमार बाघ ने नामांकन आवेदन को भरकर रिटर्निंग आफिसर के समक्ष जमा किए।

## दावा आपत्ति प्राप्त करने की अंतिम तिथि में एक सप्ताह की वृद्धि

**रायपुर।** छत्तीसगढ़ राज्य निर्वाचन आयुक्त अजय सिंह ने बताया कि आयोग द्वारा पूर्व में जारी नगर पालिका निर्वाचन नामावली पुनरीक्षण कार्यक्रम की तिथि में आंशिक संशोधन किया गया है। उन्होंने बताया कि कुछ जिलों द्वारा निर्वाचक नामावली के संबंध में दावा आपत्ति प्राप्ति की अंतिम तिथि बढ़ाने का अनुरोध किया गया था। जिलों से प्राप्त अनुरोध पर आयोग द्वारा विचार उपरांत पूर्व में दावा आपत्ति प्राप्त करने की निर्धारित अंतिम तिथि 23 अक्टूबर में 1 सप्ताह की वृद्धि की गई है। राज्य निर्वाचन आयुक्त अजय सिंह ने बताया कि जारी संशोधित कार्यक्रम के अनुसार अब दावे/आपत्तियां प्राप्त करने की अंतिम तारीख व समय 30 अक्टूबर 2024 बुधवार अपरान्ह 3 बजे तक तथा दावे/आपत्तियों के निपटारे की अंतिम तारीख शुक्रवार 8 नवंबर 2024 निर्धारित की गई है। इसी तरह प्ररूप क-1 में रजिस्ट्रीकरण अधिकारी/सहायक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी को दावा प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि शुक्रवार 08 नवम्बर 2024 तक तथा प्ररूप क-1 में प्राप्त दावा का निराकरण करने की अंतिम तिथि मंगलवार 12 नवम्बर 2024 तक निर्धारित की गई है।

## 24वीं राज्य स्तरीय शालेय खेल प्रतियोगिता का शुभारंभ

**रायपुर।** छत्तीसगढ़ के उर्जाधानी कोरबा के सीएसईबी फुटबॉल ग्राउंड में प्रदेश सरकार के वाणिज्य, उद्योग व श्रम मंत्री लखन लाल देवांगन द्वारा आज दीप प्रज्वलित कर 24वीं राज्य स्तरीय शालेय खेल प्रतियोगिता का शुभारंभ किया गया। इस दौरान कटघोरा विधायक श्री प्रेमचंद पटेल, महापौर कोरबा राजकिशोर प्रसाद, कलेक्टर श्री अजीत वसंत सहित अन्य जनप्रतिनिधि एवं अधिकारी उपस्थित थे। प्रतियोगिता के शुभारंभ अवसर पर मुख्य अतिथि कैबिनेट मंत्री लखन लाल देवांगन ने अपने उद्बोधन में कहा कि यह बड़े ही गौरव की बात है कि इस राज्य स्तरीय खेल प्रतियोगिता के मेजबानी की जिम्मेदारी कोरबा जिले को मिली है। छत्तीसगढ़ के दूर-दूर से आए हुए खिलाड़ी अपने प्रतिभा का प्रदर्शन करने के लिए यहां पहुँचे हुए हैं। उन्होंने कहा कि खेल हमारे जीवन का अभिन्न हिस्सा है। खेल हमें जीवन मे बहुत कुछ सिखाता है, खेल में हार जीत लगा रहता है, इसमें निराश होने की जरूरत नही है, बल्कि अपनी गलतियों एवं कमियों को सुधार कर अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने की आवश्यकता है।




## जामुल में बायोगैस प्लांट लगेगा

**रायपुर।** मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के मंशानुरूप नगरीय ठोस अपशिष्ट से जैवईंधन जैसे कि कम्प्रेस्ड बॉयो गैस उत्पादन को बढ़ावा देने के उद्देश्य से नगर निगम भिलाई छत्तीसगढ़ बॉयो फ्यूल विकास प्राधिकरण और भारत पेट्रोलियम कार्पोरेशन के मध्य त्रिपक्षीय कंसेशन एग्रीमेंट पर हस्ताक्षर हुआ। इस अवसर पर कलेक्टर दुर्ग सुश्री ऋचा प्रकाश चौधरी, छत्तीसगढ़ बॉयो फ्यूल के सीईओ सुमित सरकार, बीपीसीएल मुम्बई के बॉयो फ्यूल हेड अनिल कुमार पी., कमिश्नर नगर निगम भिलाई बजरंग दुबे, बीपीसीएल एवं ऊर्जा विभाग के अन्य वरिष्ठ अधिकारीगण उपस्थित थे। छत्तीसगढ़ में सतत योजना के अंतर्गत यह एग्रीमेंट हुआ है, जिसके तहत् नगर निगम भिलाई अंतर्गत ट्रेंचिंग ग्राउंड जामुल में भारत पेट्रोलियम कार्पोरेशन लिमिटेड द्वारा 60 करोड़ रूपए की शतप्रतिशत राशि का निवेश कर सीबीजी संयंत्र स्थापित किया जाएगा। इस संयंत्र के स्थापित होने से नगर निगम भिलाई एवं दुर्ग जिले के आसपास के नगर निगमों में प्रतिदिन निकलने वाले लगभग 150 मिट्रिक टन ठोस अपशिष्ट का उपयोग जैव ईंधन उत्पादन में किया जा सकेगा।

## ध्वनि प्रदूषण: अगली सुनवाई 28 अक्टूबर को

**रायपुर।** ध्वनि प्रदूषण को लेकर लगातार शिकायतों के बाद भी कोई गंभीर कार्रवाई नहीं हो रही है। मजबूरन कोर्ट के शरण में जाना पड़ रहा है,अब केवल न्यायपालिका पर ही भरोसा रह गया है। इसलिए सामाजिक कार्यकर्ता राकेश चौबे ने छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय बिलासपुर में ध्वनि प्रदूषण मामले पर एक हस्तक्षेप याचिका चीफ़ जस्टिस रमेश सिन्हा के बेंच में दायर किया है ,जिसें माननीय बेंच ने हस्तक्षेप एप्लीकेशन के रूप में स्वीकार कर लिया है। श्री चौबे ने बता कि उन्होंने वर्तमान में डीजे और ध्वनि प्रदूषण को लेकर मुख्य सचिव,छत्तीसगढ़ शासन,छत्तीसगढ़ पर्यावरण विभाग के सचिव,छत्तीसगढ़ पर्यावरण संरक्षण मंडल सदस्य सचिव एवं कलेक्टर रायपुर को लिखित शिकायत करते हुए अवगत कराया था कि माननीय सर्वोच्च न्यायालय और छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय के आदेश की अवमानना हो रही है। इस विषय को लेकर एक याचिका माननीय उच्च न्यायालय बिलासपुर में दायर की जिसे कोर्ट ने स्वीकार लिया है और इस पर अगली सुनवाई 28 .10 .2024 को होगी। पूर्व में एक पिटीशन नागरिक संघर्ष समिति के डॉक्टर राकेश गुप्ता ने भी फाइल की थी इस याचिका पर उन्होने हस्तक्षेप याचिका अपने एडवोकेट हिमांशु रस्तोगी के मार्फत से लगायी है और यह भी मांग की है कि दिल्ली की तर्ज पर छत्तीसगढ़ राज्य में भी शिकायत के लिए एक आनलाइन पोर्टल बनायी जाए।

### उप मुख्यमंत्री ने की लोक निर्माण विभाग के कार्यों की समीक्षा

# कार्यों की मॉनिटरिंग के लिए विकसित करें बेहतर सिस्टम: साव

रायपुर। उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने सरगुजा संभागीय मुख्यालय अंबिकापुर में लोक निर्माण विभाग के सरगुजा संभाग में कार्यों की प्रगति की समीक्षा की। उन्होंने अंबिकापुर विश्रामगृह में आयोजित बैठक में अधिकारियों को परफॉर्मेंस गारंटी वाली सड़कों का निरीक्षण करने और विभागीय अभियंताओं को फील्ड में भेजकर रिपोर्ट लेने के निर्देश दिए। उन्होंने परफॉर्मेंस गारंटी वाली सड़कों पर पूरी जानकारी प्रदर्शित करते हुए डिस्प्ले बोर्ड लगाने को कहा। उन्होंने सड़कों की नियमित रिपोर्टिंग के लिए पुख्ता कार्यप्रणाली विकसित करने के साथ ही सड़कों के संधारण के लिए निर्धारित एसओपी का कड़ाई से पालन सुनिश्चित करने के भी निर्देश दिए। लोक निर्माण विभाग के सचिव डॉ. कमलप्रीत सिंह और प्रमुख अभियंता श्री के.के. पीपरी भी समीक्षा बैठक में शामिल हुए।

उप मुख्यमंत्री तथा लोक निर्माण मंत्री श्री अरुण साव बैठक में कहा कि सड़कों का रखरखाव शासन की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल है। राज्य में सड़कों के संधारण के लिए राशि स्वीकृत करने से लेकर निविदा स्तर तक की पूरी कार्यवाही हो चुकी है। जल्दी ही सड़कों के संधारण से प्रदेश में सड़कों की स्थिति में सकारात्मक बदलाव आएगा। उन्होंने लोक निर्माण विभाग के अधिकारियों को बेहतर कार्य पद्धति अपनाते हुए आज की जरूरतों के अनुरूप अपग्रेड होने को कहा। उन्होंने काम को व्यवस्थित कर अपने नियंत्रण में रखने के निर्देश दिए जिससे समय पर काम पूर्ण होंगे और लोगों को लाभ मिलेगा।

उप मुख्यमंत्री साव ने बैठक में अधिकारियों को खुद फील्ड में जाकर परफॉर्मेंस गारंटी वाली सड़कों के निरीक्षण के निर्देश दिए। उन्होंने सड़कों की स्थिति की वास्तविक जानकारी के लिए ऐसी कार्यप्रणाली विकसित करने को कहा जिससे नियमित रूप से सड़कों की स्थिति की रिपोर्टिंग मिलती रहे। श्री साव ने सड़कों के संधारण के लिए राज्य शासन द्वारा निर्धारित एसओपी का कड़ाई से पालन करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि इस कार्य में लापरवाही नहीं होनी चाहिए, अन्यथा शासन की छवि खराब होती है। उन्होंने सड़क मरम्मत के कार्यों में पूर्ण गुणवत्ता सुनिश्चित करने को कहा। इसमें किसी तरह की कोताही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने संधारण के बाद गड्ढामुक्त सड़कों की जानकारी पब्लिक फोरम पर प्रदर्शित करने को कहा। साव ने अधिकारियों को सभी कार्यों को समय-सीमा में पूर्ण करने की हिदायत देते हुए कहा कि लंबित कार्यों से काफी नुकसान उठाना पड़ता है।

# दक्षिण विधानसभा उपचुनाव: भाजपा के स्टार प्रचारकों की सूची जारी

रायपुर दक्षिण विधानसभा के लिए होने जा रहे उपचुनाव के लिए भाजपा ने अपने स्टार प्रचारकों की सूची जारी कर दी है। भाजपा की ओर से जारी सूची में सबसे बड़ा नाम प्रदेश के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय, प्रदेश भाजपाध्यक्ष किरण देव, भाजपा के प्रदेश प्रभारी नितिन नबीन के नाम शामिल हैं। इनके अलावा केंद्रीय राज्य मंत्री तोखन साहू, पूर्व राज्यपाल रमेश बैस, सरोज पांडेय, सांसद बृजमोहन अग्रवाल के अलावा सभी मंत्री और कुछ विधायकों के नाम शामिल हैं। इस सूची में सबसे खास बात यह है कि, राज्य से बाहर के किसी भी बड़े नेता का नाम शामिल नहीं है।

**स्टार प्रचारकों की सूची में ये नाम शामिल हैं-** 1. विष्णु देव साय 2. किरण सिंह देव 3. नितिन नबीन 4. रमेश बैस 5. तोखन साहू 6. अरुण साव 7. विजय शर्मा 8. सरोज पांडे 9. लता उसेंडी 10. अजय जम्वाल 11. पवन साय 12. रामविचार नेताम 13. धरमलाल कौशिक 14. बृजमोहन अग्रवाल 15. गौरीशंकर अग्रवाल 16. केदार कश्यप 17. दयालदास बघेल 18. राजेश मूणत 19. लखन लाल देवांगन 20. ओ.पी. चौधरी 21. श्याम बिहारी जयसवाल 22. टंक राम वर्मा 23. अजय चंद्राकर 24. चंदू लाल साहू 25. श्रीमती। लक्ष्मी राजवाड़े 26. प्रेम प्रकाश पांडे 27. शिवरतन शर्मा 28. मधुसूदन यादव 29. निर्मल सिन्हा 30. संजय श्रीवास्तव 31. जगदीश रामू रोहरा 32. खूबचंद पारख 33. पुरंदर मिश्रा 34. मोतीलाल साहू 35 .नंदे साहू (नंदे) 36. ललित चंद्राकर 37. गुरु खुशवंत साहेब 38. अनुज शर्मा 39. गजेंद्र यादव 40. श्रीमती. शालिनी राजपूत।

आर.एन.आई.रजि. क्र. CHHHIN/2021/80529, स्वत्वाधिकारी, मुद्रक एवं प्रकाशक- शशांक शर्मा द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि., प्रेस कॉम्प्लेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर ( छ.ग. ) 492001 से मुद्रित एवं 29/1110, सेवती स्मृति, आजाद चौक, रायपुर ( छ.ग. ) 492001 से प्रकाशित। संपादक-शशांक शर्मा, मो. 94255-20531.